SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 110 | गुवाहाटी | रविवार, 13 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एएफडी की परियोजनाएं अहम भूमिका निभाएंगी : पटवारी — पेज 3
बॉलीवुड से अच्छी फिल्में ईडी व सीबीआई बना रही है : मुख्यमंत्री — पेज 4
डेंगू से बचाव के लिए हर जिले में बनेंगे डेडिकेटेड हॉस्पिटल : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
गुजरात विस चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान गायब — पेज 8

हिमाचल में 65.50 फीसदी वोटिंग प्राइवेट गाड़ी में मिली ईवीएम

शिमला। हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों पर 65.50 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 69.67 फीसदी वोटिंग सिरमौर जिले में हुई। दूसरे नंबर पर 68.48 फीसदी वोटिंग के साथ सोलन जिला है। सीएम जयराम ठाकुर का गृह जिला मंडी छठवें नंबर पर रहा। यहां 65.59 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे कम 62 फीसदी वोटिंग किन्नौर जिले में हुई। वहीं कई बूथों पर मतदान का समय खत्म होने के बाद भी मतदाताओं की कतार लगी रही। वहीं शिमला जिले में रामपुर निर्वाचन क्षेत्र के दत्तनगर में एक प्राइवेट गाड़ी में ईवीएम भरी होने पर हंगामा हो गया। कांग्रेस के कुछ लोगों ने इसे देखा और कार को रोक लिया। इसके तुरंत बाद वहां भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर एसडीएम और डीएसपी मौके पर पहुंचे। विवाद बढ़ने पर पोलिंग पार्टी ने आनन-फानन में ईवीएम को सरकारी गाड़ी में शिफ्ट किया। इस पर कांग्रेसियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। मतदान के बीच ही हिमाचल कांग्रेस चुनाव आयोग के पास पहुंच गई। उन्होंने शिकायत दी कि भाजपा के आईटी सेल ने फेक सर्वे रिपोर्ट सर्कुलेट कर दी है। इसमें हिमाचल प्रभारी राजीव शुक्ला की तरफ से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम -शेष पृष्ठ दो पर

कानून न बने दमन का हथियार : सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना सभी निर्णय निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि कानून दमन का साधन न बने, बल्कि न्याय का साधन बना रहे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि नागरिकों से अपेक्षाएं रखना बहुत अच्छा है, लेकिन हमें सीमाओं के साथ-साथ संस्थानों के रूप में अदालतों की क्षमता को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कानून न्याय का एक साधन हो सकता है, तो कानून उत्पीड़न का भी साधन हो सकता है। कानून की किताबें आज उत्पीड़न के साधन के रूप में इस्तेमाल की जा सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मुझे लगता है कि कुंजी वह तरीका है, जिससे हम कानून को संभालते हैं, जिसमें सभी निर्णय लेने वाले शामिल हैं, न कि केवल न्यायाधीश। उन्होंने कहा कि जब आपके पास अपने सिस्टम में अनसुनी आवाज सुनने की क्षमता है, तो सिस्टम में अनदेखे चेहरों को देखें और फिर देखें कि कानून और न्याय के बीच संतुलन कहां है तो आप वास्तव में एक न्यायाधीश के रूप में अपना मिशन पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक को पेश किया है क्योंकि एक जज द्वारा कोर्ट रूम में कहे गए हर छोटे शब्द की रीयल-टाइम रिपोर्टिंग होती है और एक जज के रूप में आपका लगातार मूल्यांकन किया जाता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश द्वारा अदालत में कहे गए हर शब्द की रीयल-टाइम रिपोर्टिंग होती है। अदालतों में निर्णय लेने की प्रक्रिया संवादात्मक होती है। सच्चाई को उजागर करने के प्रयास में अदालत में वकीलों और न्यायाधीशों के बीच आपस में बातचीत होती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि हम इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में रहते हैं जो यहां रहने के लिए है। इसलिए, मुझे विश्वास है कि हमें फैशन, री-इंजीनियरिंग, नए समाधान खोजने, फिर से प्रशिक्षित करने, फिर से तैयार करने, यह समझने की कोशिश में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है कि हम जिस उम्र में रह रहे हैं, उसकी चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मुख्यमंत्री शर्मा ने थपथपाई सीआईडी की पीठ

दुष्कर्म मामले में मजिस्ट्रेट की गिरफ्तारी को लेकर की तारीफ

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने असम के दरंग जिले में 13 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म और हत्या के मामले में अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निवर्हन न करने पर मजिस्ट्रेट की गिरफ्तारी को लेकर सीआईडी की पीठ थपथपाई है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस मामले में सशस्त्र सीमा बल में काम करने वाले मुख्य आरोपी के अलावा तत्कालीन एसपी, थानाध्यक्ष और तीन डाक्टरों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। असम के मुख्यमंत्री, जिनके पास गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी है ने कहा कि यह मामला इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि पीड़िता के अंतिम संस्कार के बाद इस मामले की दोबारा जांच शुरू हुई थी। पीड़िता के शव को कब्र से निकाल कर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। सही जांच इसलिए संभव हो सकी क्योंकि पीड़िता ईसाई थी और उसका शव दफनाया गया था। उन्होंने घटना में पुलिस अधिकारी और मजिस्ट्रेट के शामिल होने पर अफसोस जाहिर किया। सीआईडी के एडिशनल डीजीपी एआईवी कृष्णा ने कहा कि गिरफ्तार किए गए सरकारी अधिकारियों ने नियमों का पालन नहीं किया और इस मामले में गलत रिपोर्ट दी। बता दें कि इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस घटना के बाद लड़की के परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 12 अगस्त को लड़की के परिवार वालों से मुलाकात भी की थी। इस मुद्दे को लेकर असम सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि मामले की गंभीरता समझते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सर्मा ने कुछ दिनों पहले ही बड़ा कदम उठाया था। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए थे कि पिछले एक साल में राज्य में हुई सभी अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों की फिर से जांच की जाए।

हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट

शशि थरूर को वोट देने वाले कांग्रेसी भाजपा में होंगे शामिल : हिमंत विश्व शर्मा

नई दिल्ली। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2022 के अंतिम दिन असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के कुछ और लोग आने वाले समय में भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जिन हजार लोगों ने शशि थरूर को वोट दिया था वो भाजपा में शामिल होंगे। असम सीएम कांग्रेस के हालिया अध्यक्ष चुनाव को लेकर बोल रहे थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि जिन लोगों को लगता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस पार्टी के लोकतंत्र का प्रतीक हैं तो मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अगर शशि थरूर जीते होते तो मैं कहता कि हां कांग्रेस में लोकतंत्र आ गया है। उन्होंने शशि थरूर को वोट देने वालों को *अच्छे लोग* बताया। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा ज्वाइन करने जा रहे धोनी !

चेन्नई। देश में खिलाड़ियों और नेताओं की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। कई खिलाड़ियों ने राजनीति में कदम रखा है और सफलता भी हासिल की है। लोग अपने पसंदीदा खिलाड़ी को पॉलिटिक्स में देखना भी चाहते हैं। इसी बीच, टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक मुलाकात हुई है। इसके बाद लोग तरह-तरह के सवाल पूछने लगे। अमित शाह और धोनी की एक साथ ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। तस्वीरों में दोनों को एक साथ देखने के -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी आक्रमण के कारण रुका आयुर्वेद का प्रचार : भागवत

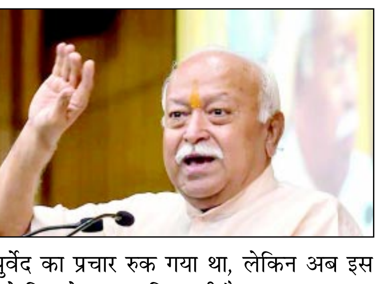

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पहले विदेशियों के आक्रमण के कारण आयुर्वेद का प्रचार रुक गया था, लेकिन अब इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को फिर से मान्यता मिल रही है। भागवत, आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *आयुर्वेद पर्व* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। आयुष मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शिकारपरस्त राजा धर्म और अर्थ दोनों को नष्ट कर लेता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

फिर भूकंप से हिला दिल्ली नेपाल रहा केंद्र

नई दिल्ली। एनसीआर दिल्ली एनसीआर में सप्ताह भर के अंदर एक बार फिर से तेज भूकंप आया है। शनिवार शाम को करीब 8 बजे तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए।नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, नेपाल में शनिवार शाम करीब 7:57 बजे 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे था। भारत, चीन और नेपाल में मंगलवार देर रात 1.57 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 6.3 तक मापी गई। भारत में दिल्ली, -शेष पृष्ठ दो पर

क्रूज पर 800 यात्री कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप

सिडनी। आस्ट्रेलिया के एक हॉलिडे क्रूज में 800 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद हड़कंप मच गया। जहाज को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में डॉक कर दिया गया है। मेजेस्टिक प्रिंसेस क्रूज जहाज न्यूजीलैंड से रवाना हो रहा था और इसमें लगभग 4,600 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। क्रूज ऑपरेटर कार्निवल ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष मारगुएरिट फिट्जगेराल्ड ने बताया कि ये यात्रा 12 दिनों की थी जिसमें बड़ी संख्या में -शेष पृष्ठ दो पर

आईआरबी जवान को उसके साथी ने ही मारी गोली

ईटानगर। ईटानगर के पास दोईमुख में राजीव गांधी विश्वविद्यालय (आरजीयू) में तैनात इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबीएन) के एक जवान ने अपने एक साथी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोईमुख थाना प्रभारी इन्या एते ने बताया कि द्वितीय आईआरबीएन दीयुन के हेड कांस्टेबल वांग्रू ताइदोंग ने कांस्टेबल चिंगरी मोमाई पर अपनी सर्विस राइफल से दो राउंड फायरिंग की। एटे ने कहा कि मोमाई को नाहरलगुन में टोमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस) ले जाया गया, जहां उन्हें ऑन-ड्यूटी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हम शूटिंग -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की तेलंगाना को कई सौगातें, यूरिया प्लांट राष्ट्र को समर्पित

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) का यूरिया प्लांट राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पहले उन्होंने प्लांट का दौरा किया। पीएम ने पेड्डापल्ली जिले में भद्राचलम रोड और सत्तुपल्ली के बीच नई रेलवे लाइन राष्ट्र को समर्पित किया। इसे लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें एनएच-765डीजी का मेदक-सिद्दीपेट-एलकाथुर्ति खंड, एनएच-161बीबी का बोधन-बसर-भैंसा खंड, एनएच-353सी का सिरोंचा से महादेवपुर खंड -शेष पृष्ठ दो पर

आयुर्वेद के अनुसंधान और विकास में पर्याप्त काम करने की जरूरत : सोनोवाल

नागपुर (हि.स.)। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि आयुर्वेद के अनुसंधान और विकास में पर्याप्त काम करने की आवश्यकता है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग से नागपुर में शनिवार को तीन दिवसीय *आयुर्वेद पर्व* और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद -शेष पृष्ठ दो पर

पाक में नष्ट होती हिंदू विरासतों के बीच अपने वजूद को बचाने में जुटे अल्पसंख्यक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में रहने वाला अल्पसंख्यक समुदाय हर वक्त डर के साए में जीता है। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां पर अल्पसंख्यकों के लिए समान नियम कायदे नहीं है। ये इसलिए क्योंकि वहां के राजनेताओं की ही नहीं, बल्कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों की सोच भी इसी तरह की है। इसका एक उदाहरण पाकिस्तान के दूसरे पीएम रहे ख्वाजा नजीमुद्दीन का वो बयान है जो उन्होंने उस वक्त दिया था जब पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। उन्होंने कहा था कि वो नहीं मानते हैं कि धर्म -शेष पृष्ठ दो पर

संरा में पीएम मोदी की बात पर मुहर

सभी देशों ने तालिबान के खिलाफ प्रस्ताव किया पारित

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार बनने पर जब पूरी दुनिया ने चुप्पी साधे रखी तब भारत ने खुलकर इसका विरोध किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान में तालिबानी शासन को पूरी दुनिया के लिए खतरा बताया था। आखिरकार दुनिया को नरेंद्र मोदी की बात की हकीकत का एहसास हुआ और संयुक्त राष्ट्र महासभा में तालिबान के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वृद्ध महिला की हत्या जांच में जुटी पुलिस

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के पानबारी थाना अंतर्गत एनसी काहीतामा इलाके में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक वृद्ध महिला की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात बाइक पर आए हमलावरों द्वारा अंतरा बोडो (65) नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। मृत महिला बाक्सा जिला के सामठाईबारी की रहने वाली थी। हाकोवा नदी के तट-कटाव की वजह से अपना घर-बार गंवाने के बाद वह चिरांग के काहीतामा गांव में अपने पति मेब्रो बोडो के साथ रह रही थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हालंकि, वृद्ध महिला की गोली मारकर हत्या क्यों कि गई, इसका पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बुजुर्ग महिला की किसी के साथ क्या दुश्मनी हो सकती है, जो स्वयं अनाथों की तरह जीवन यापन कर रही है। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है।

महबूबा ने भाजपा पर बोला हमला

लगाया चुनाव आयोग को कमजोर करने का आरोप

श्रीनगर (हि.स.)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को भाजपा पर चुनाव आयोग को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पर अब भाजपा का एकाधिकार हो गया है। भाजपा जो भी करने को कहेगी, आयोग वही करेगा। महबूबा मुफ्ती ने अनंतनाग जिले के खिरम इलाके में संवाददाताओं से कहा कि चुनाव आयोग को इस हद तक उलट दिया गया है कि अब वह स्वतंत्र निकाय नहीं है, जिस पर देश को गर्व था। हमारे चुनाव आयुक्तों को चुनाव कराने के लिए विशेषज्ञ सलाह लेने के लिए अन्य देशों द्वारा आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है, भले ही सत्ता पक्ष ने कानूनों का उल्लंघन किया हो। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा नेतृत्व ने धार्मिक आधार पर चुनाव प्रचार किया। मुसलमानों को खुलेआम धमकाया जा रहा है लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव तभी होंगे, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसके लिए हरी झंडी दिखाएगी। उन्होंने कहा कि मैं कैसे कह सकती हूं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव कब होंगे ? यह चुनाव आयोग द्वारा तय किया जाएगा और जब भाजपा ऐसा कहेगी तो आयोग चुनाव की घोषणा करेगा। शासन के मुद्दे पर मुफ्ती ने कहा कि मौजूदा सरकार सब कुछ उलटने पर तुली हुई है। महबूबा ने कहा कि हमारे कश्मीरी पंडितों को देखिए जो कई महीनों से जम्मू में डेरा डाले हुए हैं। वे मांग कर रहे हैं कि कश्मीर में हालात में सुधार होने तक उन्हें जम्मू स्थानांतरित किया जाए लेकिन सरकार कभी उनका वेतन रोक रही है तो कभी उनका राशन रोक रही है। पीडीपी अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा चुनाव में वोट बटोरने के लिए केवल कश्मीरी पंडितों के दर्द का फायदा उठा रही है। महबूबा ने कहा कि उन्हें किसी की परवाह नहीं है चाहे वह कश्मीरी पंडित हों या कोई और, वे केवल चुनाव जीतना चाहते हैं।

फंदे से लटककर श्रमिक ने की आत्महत्या

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के जखलाबंधा के केरीबाकरी इलाके में स्थित एसबीआई भट्टे के एक श्रमिक द्वारा फंदे से लटक कर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मोबिनुल इस्लाम नामक व्यक्ति धिंग के धुपगुरी से अपने पत्नी के साथ आकर एसबीआई भट्टे में श्रमिक के तौर पर काम कर रहा था। इस्लाम ने ईंट भट्टा परिसर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। हालांकि, युवक ने आत्महत्या क्यों की इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। इस्लाम की की पत्नी का कहना है कि परिवारिक कलह की वजह से उसने आत्महत्या की है। वहीं मृतक के परिजनों का कहना है कि उसकी पत्नी का दूसरे के साथ अवैध संबंध था। पत्नी ने ही पति की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया है। घटना के संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पंचायत चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे : रिपुन बोरा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने शनिवार को ऑनलाइन सदस्यता प्रक्रिया का उद्घाटन किया। बोरा ने कहा कि पार्टी मुख्यालय में शुरू की गई इस प्रक्रिया का लक्ष्य 31 दिसंबर तक कुल पांच लाख सदस्यों को शामिल करना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में इस संबंध में बढ़ा हुआ लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा। असम तृणमूल कांग्रेस के ऑनलाइन सदस्यों के लिए पंजीकरण करने का लिंक जारी किया गया- आज के कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रिपुन बोरा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी की जिला समितियों, ब्लॉक समितियों के गठन की प्रक्रिया संतोषजनक रूप से आगे बढ़ रही है। बोरा ने कहा कि पार्टी राज्य में आगामी पंचायत चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगी।

मायुंम कामाख्या शाखा का स्थाई कार्यक्रम आहार संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा ने उलुबाड़ी स्थित शाखा द्वारा गोद ली हुई स्कूल बापूजी प्राथमिक विद्यालय के 140 बच्चों के बीच शाखा का एक कार्यक्रम आहार संपन्न किया। इस महीने इस कार्यक्रम की संयोजिका बबीता हरलालका ने अपने बेटी वंशिका के जन्म दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम को प्रायोजित किया। इस अवसर पर शाखा सदस्याओं ने बच्चों के साथ कुछ पल बिताते हुए कई मनोरंजक खेल खिलाए। सभी छात्रा छात्राओं को उपहार देकर उन्हें चॉकलेट, बिस्कुट, केक, जूस आदि वितरित किए। कार्यक्रम मे शाखाध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया ,उपाध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव इंदु पारीक के अलावा नम्रता सुराणा, किरण अग्रवाल, नेहा जैन, नमिता दूधोरिया, रजनी पगारिया, मैना जैन, गुलाब दुग्गड ,बबीता अग्रवाल, जया पारीक, ममता सेठी और अर्चिता दाधीच,सबिता अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग दिया।

कंट्रोल में नहीं है महंगाई : आरबीआई गवर्नर ने बताई वजह, जल्द राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व बैंक की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में महंगाई कंट्रोल में नहीं है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2022 में केंद्रीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई बढ़ने के कारणों का जिक्र किया है। इसके साथ ही उन्होंने रुपया, डिजिटल करेंसी, विदेशी मुद्रा भंडार समेत इकोनॉमी से जुड़े अहम मुद्दों पर बात की। शक्तिकांत दास ने बताया कि दुनियाभर की इकोनॉमी तनाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने इस हालात के लिए मुख्यतौर पर 3 वजह को जिम्मेदार ठहराया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि कोविड महामारी, यूक्रेन-रूस के बीच जंग और वित्तीय बाजार की वजह से उभरे संकट की वजह से भारत समेत दुनियाभर की इकोनॉमी स्ट्रेस में है। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक वर्तमान में देश की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े ठीक हैं। वैश्विक स्तर के मुकाबले भारत की इकोनॉमी का ग्रोथ तेजी से हो रहा है। महंगाई के आंकड़े भी अब धीरे-धीरे कंट्रोल हो रहे हैं। अक्तूबर के आंकड़ों से राहत की उम्मीद: उन्होंने उम्मीद जताई कि सितंबर के मुकाबले अक्तूबर के महंगाई आंकड़े राहत देने वाले होंगे। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 7 फीसदी से कम होने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने यह भी कहा कि अगर लगातार तीन तिमाहियों के लिए मुद्रास्फीति 6 फीसदी से ऊपर है, तो इसे मौद्रिक नीति की विफलता है। रिजर्व बैंक अधिनियम के तहत अगर मुद्रास्फीति के लिए तय लक्ष्य को लगातार तीन तिमाहियों तक हासिल नहीं किया गया है, तो आरबीआई को केंद्र सरकार को रिपोर्ट देकर उसका कारण और महंगाई को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी देनी होगी। मौद्रिक नीति रूपरेखा के 2016 में प्रभाव में आने के बाद से यह पहली बार इस तरह की नौबत आई है कि केंद्र सरकार को रिपोर्ट देनी पड़ेगी। शक्तिकांत दास ने कहा कि इस समय भी हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बहुत अच्छी स्थिति में है। वैश्विक स्तर पर बदलती परिस्थितियों की वजह से रुपया कमजोर हुआ और केंद्रीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप की जरूरत थी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि दुनिया बदल रही है, जिस तरह से व्यापार किया जाता है वह बदल रहा है। आपको समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। कागज के नोटों की छपाई, छपाई की लागत, कागज खरीदना, रसद, भंडारण आदि में खर्चे ज्यादा हैं। आगे चलकर डिजिटल करेंसी कम खर्चीली होगी। सीमा पार लेनदेन और सीमा पार भुगतान के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होगा।

पृष्ठ एक का शेष

हिमाचल में 65.50 ...

लिखा फर्जी लेटर वायरल किया जा रहा है। जिसमें भाजपा को ज्यादा और कांग्रेस को कम सीटें मिलने की बात लिखी गई है। कांग्रेस ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताया। पूरे हिमाचल से 412 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य के करीब 56 लाख मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। इनमें 28 लाख 54 हजार 945 पुरुष, 27 लाख 37 हजार 845 महिलाएं और 38 थर्ड जेंडर वोटर हैं। मतगणना 8 दिसंबर को होगी। 2017 में राज्य में 75.57 फीसदी मतदान हुआ था।

शशि थरूर को वोट...

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि शशि थरूर को वोट देने वाले कुछ अच्छे लोग कांग्रेस में हैं। मुझे उम्मीद है कि वे लोग आने वाले दिनों में भाजपा ज्वाइन करेंगे। वे एक हजार लोग जिन्होंने शशि थरूर को वोट दिया वे ही लोग होंगे जो भाजपा में शामिल होंगे। इससे पहले उन्होंने कहा कि जब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तमिलनाडु और केरल नहीं जीतती है, तब तक पार्टी का सैचुरेशन नहीं आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पूर्वी राज्यों में भाजपा अभी तक क्लाइमेक्स तक नहीं पहुंची है। उन्होंने कहा कि पार्टी सीटें तो जीतती है, लेकिन एक लेवल पर भी नहीं पहुंची हैं। उन्होंने उम्मीद जताई की 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने क्लाइमेक्स तक पहुंच जाएगी। असम सीएम ने कहा कि 2024 तक, हम 2-3 और राज्यों की सत्ता में होंगे। पार्टी का विस्तार चालू है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने हाल ही में पीएम मोदी के बारे में बहुत कुछ बोला। मैं इसमें ज्यादा नहीं पड़ना चाहता क्योंकि वह भाजपा में शामिल नहीं होंगी। प्रधानमंत्री मोदी हर मुख्यमंत्री के लिए प्रधानमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री के बीच बहुत अच्छे संबंध होने चाहिए।

भाजपा ज्वाइन ...

बाद लोग पूछने लगे कि क्या धोनी भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं ? सोशल मीडिया पर शनिवार को वायरल हुई तस्वीर में धोनी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हाथ मिलाते हुए दिख रहे हैं। यह तस्वीर इंडिया सीमेंट्स के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित किए गए एक इवेंट की है। इसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि भी शामिल हुए। मालूम हो कि इंडिया सीमेंट के मालिक एन श्रीनिवास हैं, जिनकी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स टीम भी है। कार्यक्रम के लिए चेन्नई पहुंचे अमित शाह का एयरपोर्ट पर भाजपा के कई नेताओं ने स्वागत किया। धोनी और अमित शाह की एक साथ तस्वीर देखकर लोग तरह-तरह के कॉमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने पूछा कि क्या महेंद्र सिंह भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं ? हालांकि, यह सवाल मजाकिया लहजे में ही पूछा गया। वहीं, एक यूजर ने लिखा कि धोनी और शाह की हुई मुलाकात। इस पर एक अन्य यूजर ने कोट करते हुए कहा कि धोनी जी ने किया है तो कुछ सोच-समझकर ही किया होगा। वहीं, एक यूजर ने दोनों को देश का ग्रेट फिनिशर बताया। यह कोई पहली बार नहीं है, जबकि किसी क्रिकेटर के भाजपा में शामिल होने को लेकर अटकलें लगी हों। इससे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सौरव गांगुली को लेकर ऐसी अटकलें कई बार लगती रही थीं। गांगुली को बीसीसीआई अध्यक्ष भी बनाया गया था, जिसके बाद अटकलों को और बल मिला था। उनकी भी अमित शाह के साथ मुलाकात की कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। हालांकि, बाद में गांगुली किसी भी दल में शामिल नहीं हुए थे।

विदेशी आक्रमण के ...

आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के लिए खड़ा है। कार्यक्रम में केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद थे। संघ प्रमुख ने आगे कहा कि विदेशियों के आक्रमण के कारण लोगों में आयुर्वेद का प्रचार रुक गया था। लेकिन आयुर्वेद को फिर से मान्यता मिल रही है। अब आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का विस्तार करने का समय आ गया है। भागवत ने आगे कहा कि हमें आयुर्वेद को आगे कैसे ले जाना चाहिए ? रास्ता यह है कि हर किसी को सस्ती और सरल स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए। इसके लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को उसके शुद्धतम रूप में अपनाया जाना चाहिए, ताकि इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। वहीं, इस मौके पर आयुष मंत्री सोनोवाल ने कहा कि पिछले सात वर्षों से आयुर्वेद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। केंद्रीय मंत्री ने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए अलग आयुष मंत्रालय बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि चिकित्सा की इस प्रणाली पहले उपेक्षा की गई थी। सोनोवाल ने आगे कहा, 2014 तक आयुष उद्योग, बाजार आकार के केवल तीन अरब डॉलर था। लेकिन बीते आठ वर्षों में यह वैश्विक स्तर पर 1.1 अरब डॉलर हो गया है। 2023 तक यह 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। वहीं, गोवा के मुख्यमंत्री सावंत ने कहा कि आयुर्वेद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में *अच्छे दिन* देख रहा है।

आयुर्वेद के अनुसंधान और ...

सावंत, आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा मुख्य रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। 21वीं सदी में आयुर्वेद को वैज्ञानिक प्रमाणों के जरिये स्थापित करने की जरूरत है। बतौर सोनवाल आयुर्वेद के अनुसंधान और विकास में पर्याप्त काम करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पहले आयुष एक विभाग था, लेकिन 2014 के बाद इस विभाग के मंत्रालय बनने के बाद आयुष देश भर में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है। *हर दिन, हर घर आयुर्वेद* अभियान के माध्यम से मंत्रालय प्रयास कर रहा है। जनसंचार एवं जनभागीदारी से परिवार का प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहे, यह सुनिश्चित करना है। सोनोवाल ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि केंद्र सरकार के एम्स में आयुर्वेदिक उपचार और आधुनिक उपचार दोनों एक साथ उपलब्ध हों। इस मौके पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए उसका शुद्ध रूप में अभ्यास किया जाना आवश्यक है। अगर आयुर्वेद को पूरी दुनिया से डिमांड मिलेगी तो उसे स्वत: ही संरक्षण मिल जाएगा। मोहन भागवत ने अपील की कि आयुर्वेद से अगले 25 वर्षों में वैश्विक दर्जा हासिल करने का संकल्प लेने की जरूरत है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि महाराष्ट्र से शुरू हुआ *आयुर्वेद व्यासपीठ* संस्था का काम पूरे देश में फैल चुका है। सावंत ने कहा कि आयुर्वेद के अच्छे दिन आ गए हैं।

आईआरबी जवान को...

के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं। एटे ने इस बात को खारिज करते हुए कहा कि आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर था। यदि वह उचित मानसिक स्थिति में नहीं था, तो उसे सेवा में नहीं होना चाहिए था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और दो खाली पेटी और 28 जिंदा राउंड के साथ हथियार को जब्त कर लिया। मृतक के शव को आरकेएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पीएम मोदी की ...

शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण तेलंगाना के लिए हुआ है। ये परियोजनाएं यहां खेती और उद्योग दोनों को बल देने वाली हैं। उन्होंने कहा कि कई विशेषज्ञ कह रहे हैं कि 1990 के बाद 30 साल में जितना विकास हुआ, उतना विकास अब सिर्फ कुछ वर्षों में होने वाला है। इतना अभूतपूर्व विश्वास आज दुनिया को भारत पर है इसका कारण है पिछले 8 वर्ष में भारत में हुआ बदलाव। पीएम मोदी ने कहा कि विकास हमारे लिए 24 घंटे, सातों दिन, 12 महीने, पूरे देश में चलने वाला मिशन है। हम एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण करते हैं तो अनेक नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर देते हैं। 2014 के बाद केंद्र सरकार ने पहला काम ये किया कि यूरिया की शत प्रतिशत नीम कोटिंग कर दी। इससे यूरिया की कालाबाजारी रुक गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो-तीन साल से दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही है। दूसरी ओर संघर्ष हो रहे हैं, सैन्य कार्रवाइयां हो रही हैं और उसका असर देश और दुनिया पर भी पड़ रहा है। इन विकट परिस्थितियों में भी दुनिया भर में एक और बात सुनने को मिल रही है। दुनिया भर के जानकारों का कहना है कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और उस दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पाक में नष्ट होती ...

किसी का निजी मामला हो सकता है। वो ये भी नहीं मानते हैं कि एक इस्लामिक देश में सभी का समान अधिकार होना चाहिए। उनके इस बयान में सीधेतौर पर निशाना अल्पसंख्यक समाज ही रहा है। इनमें भी हिंदू समुदाय के लोग वहां के कट्टरपंथियों के निशाने पर हमेशा ही रहे हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान में हिंदू और दूसरे धर्म के लोग भी अपना वजूद बचाने की कोशिश में जुटे हैं। पाकिस्तान में हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों का ग्राफ भी काफी डराने वाला रहा है। पाकिस्तान में ईश निंदा कानून में आरोपी के लिए बचना बेहद मुश्किल है। इसमें जुर्माना, कठोर कारावास से लेकर उम्रकैद और फांसी की सजा तक का प्रावधान है। इस कानून की खास बात ये है कि इसमें किसी भी तरह के ठोस सबूत की अदालत के समक्ष पेश करने की भी जरूरत नहीं पड़ती है। इस तरह से ये कानून पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के हर व्यक्ति के ऊपर लटकी उस तलवार की तरह है तो कभी भी उसकी गर्दन को धड़ से अलग कर सकती है। 1997 में पाकिस्तान की कुल आबादी का करीब 10 फीसद अल्पसंख्यक थे, जिसमें महज 1.6 फीसद हिंदू थे। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की खराब स्थिति पर समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र भी नाराजगी दर्ज करवाता रहा है। 2017 के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में हिंदुओ की आबादी 4.5 लाख से भी कम है। आंकड़ों के मुताबिक साल दर साल अल्पसंख्यंक समुदाय के खिलाफ होने वाले अपराध बढ़ते ही गए हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक और इनमें भी हिंदुओं की स्थिति की अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वर्ष 2016 में सिंध में जबरन धर्म परिवर्तन को कानूनी जामा पहनाने के लिए एक बिल असेंबली में रखा गया था, हालांकि गवर्नर ने इसे पास नहीं किया, जिसकी वजह से ये कानून नहीं बन सका था।

सभी देशों ने तालिबान...

दुनिया के सभी देशों ने एक प्रस्ताव पारित कर दिया। इससे पीएम मोदी की कही गई पूर्व की बातों पर मुहर लग गई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तालिबान पर अफगान महिलाओं तथा लड़कियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को यह प्रस्ताव पारित किया है। उसने तालिबान पर एक प्रतिनिधि सरकार स्थापित करने में नाकाम रहने तथा देश को गंभीर आर्थिक, मानवीय और सामाजिक स्थिति में डालने का आरोप लगाया है। भारत ने तालिबान के खिलाफ और प्रस्ताव के पक्ष में खुलकर वोट किया, लेकिन पाकिस्तान, चीन, रूस और उत्तरकोरिया समेत दुनिया के 67 देश मतदान ने करके अफगानिस्तान के साथ खड़े दिखे। बावजूद भारी बहुमत से तालिबान के खिलाफ यह प्रस्ताव पारित हो गया। तालिबानियों का अफगानिस्तान में शासन आते ही भारत ने अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, हक्कानी नेटवर्क जैसे खूंखार आतंकी समूहों से इनका गठजोड़ होने की आशंका जाहिर की थी। इससे पूरे विश्व में आतंकवाद बढ़ने को लेकर भी आशंका जताई थी। तालिबान के खिलाफ पारित हुए प्रस्ताव में कहीं न कहीं भारत द्वारा कही गई इन्हीं बातों को सच माना गया है। यह एक तरीके से भारत की बड़ी जीत है। प्रस्ताव में 15 महीने पहले अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश में निरंतर हिंसा और अल-कायदा तथा इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी समूहों के साथ ही विदेशी आतंकवादी लड़ाकों का भी जिक्र किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में जर्मनी की राजदूत अंतजे लींदर्त्से ने उम्मीद जताई थी कि 193 सदस्यीय महासभा आम सहमति से जर्मनी द्वारा प्रस्तावित इस प्रस्ताव को पारित कर देगी। आखिरकार वही हुआ और इस प्रस्ताव को 116 सदस्यों ने मंजूरी दी। रूस, चीन, बेलारूस, बुरुंडी, उत्तर कोरिया, इथियोपिया, गिनी, निकारागुआ, पाकिस्तान और जिम्बावे समेत 10 देश प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे। इस प्रकार 67 देशों ने वोट नहीं दिया। सुरक्षा परिषद की तुलना में महासभा के प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं, लेकिन वे दुनिया की राय को दर्शाते हैं। मतदान से पहले जर्मन राजदूत ने महासभा में कहा कि अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान ने *बड़े पैमाने पर आर्थिक तथा मानवीय संकट* देखा है, जिससे आधी आबादी *गंभीर खाद्य असुरक्षा* का सामना कर रही है। प्रस्ताव में महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा समेत मानवाधिकारों के उल्लंघन पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है।

फिर भूकंप से हिला...

यूपी, बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल था। यहां के दोती में एक घर गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप आने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। जो काफी देर तक वापस नहीं गए। नेपाल में डेढ़ घंटे में दो झटके महसूस किए गए। देर रात एक बजकर 57 मिनट के बाद 3 बजकर 15 मिनट पर भूकंप रिकॉर्ड किया गया। इसकी तीव्रता 3.6 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, 8 नवंबर की रात 9 बजे भी नेपाल में भूकंप आया था। तीव्रता 4.9 रही। 8 नवंबर को ही दिन में करीब 12 बजे मिजोरम में भी भूकंप आया था। यहां तीव्रता 4.4 थी। भारत में जनवरी से सितंबर तक बीते 9 महीनों में 948 बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। क्या ये किसी बड़े खतरे की चेतावनी है ? भूकंप की तीव्रता जब 4 से कम होती है, तो आमतौर पर वे महसूस नहीं होते हैं। भारत में पिछले 9 महीनों में 240 ऐसे भूकंप के झटके महसूस किए गए, जो 4 तीव्रता से ज्यादा थे। बीती रात को नेपाल में आए भूकंप के झटको की तीव्रता भी 4 से अधिक थी। नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकंप में 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

क्रूज पर 800 यात्री ...

लोगों के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर मिली है। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री क्लेयर ओ-नील ने ने शनिवार को जनता को आश्वस्त करने की मांग की है। बता दें कि बड़ी संख्या में यात्रियों के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर मिलने के बाद जल्दी में जहाज के परिचालन को रोका गया। क्लेयर ओ-नील ने कहा कि अधिकारियों ने नियमित प्रोटोकॉल बनाए हैं और न्यू साउथ वेल्स हेल्थ यह निर्धारित करने का नेतृत्व करेगा कि मैजेस्टिक प्रिंसेस जहाज से यात्रियों को कैसे निकाला जाए। एजेंसी ने कहा कि वह यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए क्रूज शिप के कर्मचारियों के साथ काम कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष मारगुएरिट फिट्जगेराल्ड ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बता दें कि वर्ष 2020 की शुरूआत में भी इसी कपंनी के रूबी प्रिंसेस क्रूज शिप में लगभग 900 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसमें लगभग 28 लोगों की मौत हो गई थी।

स्वर्वेद भाष्य

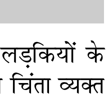

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

परोक्ष अपरोक्ष का, ज्ञान भेद है दोय।
साधन दोय प्रकार का, आश्रय सद्गुरु होय॥ 09॥

शब्दार्थ : (परोक्ष) अप्रत्यक्ष (अपरोक्ष), साक्षात्कार (आश्रय) अवलंब।

भाष्य : परोक्ष और अपरोक्ष ज्ञान के दो भेद होते हैं और दोनों के साधन सद्गुरु द्वारा प्राप्त होते हैं।

सेवाजित वर शिष्य में, सद्गुरु का उपदेश।
वे परोक्ष तत्वज्ञान है, ग्रहण परम आदेश॥ 10॥

शब्दार्थ : (सेवाजित) सेवा में उत्तीर्ण (शिष्य) सद्गुरु-शरणागति, उपदिष्ट (आदेश) वाक्य, आज्ञा।

भाष्य : सेवाजीत परीक्षोत्तीर्ण महान शिष्य सद्गुरु के उपदेश द्वारा बाह्य समस्त तत्वों का विवेक करता है और उनके महान वाक्यों को ग्रहण कर समस्त तत्वों का परोक्ष ज्ञान करता है। बाह्यतत्वज्ञान को परोक्ष ज्ञान करते हैं।

फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने की पर्यावरण व वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी से मुलाकात

एएफडी की परियोजनाएं अहम भूमिका निभाएंगी : पटवारी

गुवाहाटी (हि.स.)। एजेंसी फ्रांसेइस डे डेवलपमेंट (एएफडी) इंडिया के कांट्री डायरेक्टर ब्रूनो बोसले के नेतृत्व में एक फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को असम सरकार के पर्यावरण और वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी से जनता भवन (असम सचिवालय) में उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की और असम में जैव-विविधता संरक्षण के क्षेत्र में परियोजना कार्यान्वयन स्थिति के बारे में चर्चा की। उल्लेखनीय है कि वन और जैव विविधता संरक्षण पर असम परियोजना को एएफडी और असम सरकार द्वारा सह-वित्तपोषित किया गया है ताकि वनों पर निर्भर समुदायों की आजीविका में सुधार करते हुए वनों और राज्य की जैव विविधता के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो सके। परियोजना का पहला चरण 2012 से 2019 तक लागू किया गया था। दूसरा चरण 2019 में एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रकृति के संरक्षण में योगदान करने और समग्र दृष्टिकोण को एकीकृत करके वन में रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया था। द्वितीय चरण का कुल बजट 62.5 मिलियन यूरो (500 करोड़ रुपए) है जिसमें एएफडी का हिस्सा कुल बजट का 80 प्रतिशत यानी 50 मिलियन यूरो (400 करोड़ रुपए) और 20 प्रतिशत यानी 12.5 मिलियन यूरो (100 करोड़ रुपए) राज्य का शेयर है। परियोजना के 12,500 हेक्टेयर लक्षित वृक्षारोपण में से 8,992 हेक्टेयर पहले ही हासिल किया जा चुका है। समग्र उपलब्धि लक्ष्य का 71.88 प्रतिशत है। 2,039 घरों को कवर करने वाला एक बेसलाइन सर्वेक्षण और 65 जेएफएमसी और ईडीसी को कवर करने वाला एक बाजार मूल्यांकन अध्ययन, वन पर निर्भर समुदायों की विकास आवश्यकताओं को समझने के लिए भागीदारीपूर्ण ग्रामीण मूल्यांकन के साथ आयोजित किया गया है। इसके अलावा, 265 समुदायों के अभिसरण और आजीविका वृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अभिसरण रणनीति के साथ एक आजीविका और बाजार रणनीति विकसित की गई है। असम की अपनी यात्रा के दौरान, एएफडी टीम ने 11 नवंबर को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित ओएनएफआई (फ्रेंच फ़ॉरेस्ट सर्विस इंटरनेशनल) किक-ऑफ कार्यशाला में भी भाग लिया था।

काज़ीरंगा के अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने असम में ओरांग राष्ट्रीय उद्यान, पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, मानस राष्ट्रीय उद्यान, नामेरी राष्ट्रीय उद्यान, लैंडस्केप कनेक्टिविटी, बाढ़ प्रबंधन, कार्यात्मक गलियारों, मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन, आवास प्रबंधन और अवैध शिकार विरोधी तंत्र के पहलुओं को समझने के लिए भी दौरा किया था। बैठक के दौरान, फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने जैव-विविधता के संरक्षण और राज्य में हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए असम सरकार के प्रयासों को मजबूत करने के लिए फ्रांसीसी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। टीम ने प्रोजेक्ट फंड के तेजी से वितरण पर भी जोर दिया ताकि लक्ष्यों को समय पर हासिल किया जा सके। वन मंत्री पटोवरी ने एएफडी प्रतिनिधिमंडल को परियोजना के लिए निरंतर समर्थन और अग्रिम धन जारी करने के लिए धन्यवाद देते हुए आश्वासन दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वन विभाग की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्वरित संवितरण के लिए दिसंबर में असम विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पूरक बजट में परियोजना के लिए एएफडी से प्राप्त धन को शामिल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। असम के वन क्षेत्र को वर्तमान 36 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत करने के राज्य सरकार के लक्ष्य के बारे में सूचित करते हुए पटवारी ने कहा कि एएफडी और फ्रांसीसी सरकार की परियोजनाएं लक्ष्य की प्राप्ति में बहुत आगे बढ़ेंगी। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से जैव-विविधता और पारिस्थितिकी का संरक्षण से जुड़ी असम में इस तरह की और परियोजनाओं को लांच करने का आग्रह किया। वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रविशंकर प्रसाद, पीसीसीएफ और एचओएफएफ एमके यादव भी बैठक के दौरान मौजूद थे। एएफडी पेरिस की टास्क टीम लीडर लौरा बुइस, सेक्टर पोर्टफोलियो मैनेजर अक्षिता शर्मा, अर्थशास्त्री एएफडी इंडिया के इमानुएल फोरमैन, एएफडी पेरिस, एएफडी प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य इस मौके पर मौजूद थे।

माल लोडिंग में पूसीरे लगातार कर रहा वृद्धि

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) माल लोडिंग में लगातार वृद्धि दर्ज कर रहा है और अक्टूबर माह के दौरान 0.935 मिलियन टन (एमटी) की लोडिंग की है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि है। पूसीरे ने इस वित्त वर्ष के अप्रैल से अक्टूबर तक 6.823 मिलियन टन लोडिंग की है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19.8 प्रतिशत की वृद्धि है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शनिवार को एक बयान में बताया है कि अक्टूबर के दौरान कोयला लोडिंग में 800 प्रतिशत की वृद्धि और कुछ अन्य वस्तुओं की लोडिंग में भी पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। इस महीने के दौरान उर्वरक लोडिंग में 11.1 प्रतिशत, डोलोमाइट लोडिंग में 4.3 प्रतिशत और अन्य वस्तुओं की लोडिंग में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से अक्टूबर के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कोयला लोडिंग में 1054.5 प्रतिशत, डोलोमाइट लोडिंग में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उर्वरक लोडिंग में 14 प्रतिशत, पीओएल लोडिंग में 8.7 प्रतिशत, कांटेनर लोडिंग में 8.6 प्रतिशत और अन्य वस्तुओं में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह कुल मिलाकर 19.8 प्रतिशत की वृद्धि है। माल ढुलाई प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए पूसीरे सभी संभावित तरीकों की तलाश कर रही है। बेहतर टर्मिनल हैंडलिंग सुविधा और रखरखाव के प्रयासों में वृद्धि एवं सभी स्तरों पर निरंतर निगरानी के कारण गतिशीलता में सुधार के परिणामस्वरूप लोडिंग में वृद्धि हुई है।

असम से फरार सीएफआई का सदस्य बेंगलुरु से गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। फरार सीएफआई (पीएफआई की छात्र शाखा) के सदस्य अमीर हमजा (27) को असम पुलिस ने कर्नाटक में भूमिगत रहने के दौरान बेंगलुरु पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। अमीर हमजा बाक्सा जिला के सालबाड़ी थानांतर्गत डीटीबीएम नबजागरन हाई स्कूल, भाकुमारी का निवासी है। गुवाहाटी पुलिस ने बताया कि हमजा को बीती रात गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध केस संख्या 02/2022 के तहत 120बी/124ए/153ए/353 आईपीसी आर/डब्ल्यू की धारा 18 के यूए(पी) अधिनियम, 1967 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसे बेगलुरू के बेल्लंदूर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद हमजा को आज अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट बेंगलुरु की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 3 दिनों की ट्रांजिट रिमांड न्यायालय ने असम पुलिस को सौंप दिया। उसे सोमवार को सीजेएम कोर्ट गुवाहाटी के समक्ष पेश किया जाएगा। पीएफआई पर बैन के बाद से वह फरार था। हमजा त्रिपुरा के कुछ परिवारों के साथ बेंगलुरु में छिपा हुआ था। असम पुलिस ने बेंगलुरु पुलिस की मदद से उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

रंगिया पुलिस की गिरफ्त में दो साईबर अपराधी

रंगयिा (निसं)। रंगिया महकमा पुलिस ने शुक्रवार को दो साईबर अपराधियों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी सुशांत सिंह के नेतृत्व में चलाये गए अभियान में रंगिया पुलिस की एक टीम द्वारा इन अपराधियों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार किए गए साईबर अपराधियों के नाम बाहरूल इस्लाम और आसादुल इस्लाम बताया गया है जोकि मोरिगाँव के रहने वाले है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों अपराधी गुवाहाटी के एक भाड़े के घर मे रहकर साईबर अपराध को अंजाम देते थे और बैंक ग्राहकों के एकाउंट हैक कर उसे खाली कर देते थे। मिली जानकारी के अनुसार कुछ महीनों पूर्व बाक्सा जिला के देउलकुची विद्यालय के अवसरप्राप्त शिक्षक तथा धुहीवाला के निवासी अब्दुल मतीन के बैंक से हैकरों ने 8 लाख 80 हजार रुपयों की लूट की। जिसकी शिकायत के मद्देनजर पुलिस द्वारा खोजबीन करते हुए यह अभियान चलाया और हैकरों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा पकड़े गए दोनों अपराधियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

वृद्ध महिला की हत्या

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के पानबारी थाना अंतर्गत एनसी काहीतामा इलाके में अज्ञात बदमाशों द्वारा एक वृद्ध महिला की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात बाइक पर आए हमलावरों द्वारा अंतरा बोडो (65) नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। मृत महिला बाक्सा जिला के सामठाईबारी की रहने वाली थी। हाकोवा नदी के तट-कटाव की वजह से अपना घर-बार गंवाने के बाद वह चिरांग के काहीतामा गांव में अपने पति मेब्रो बोडो के साथ रह रही थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हालंकि, वृद्ध महिला की गोली मारकर हत्या क्यों कि गई, इसका पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बुजुर्ग महिला की किसी के साथ क्या दुश्मनी हो सकती है, जो स्वयं अनाथों की तरह जीवन यापन कर रही है। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है।

प्रख्यात चित्रकार और असमिया फिल्म निर्देशक पुलक गोगोई का निधन

सीएम एंड केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने जताया शोक

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रख्यात चित्रकार और असमिया फिल्म निर्देशक पुलक गोगोई (84) का शनिवार को यहां निधन हो गया। उन्होंने सुबह साढ़े आठ बजे गुवाहाटी के जू-रोड नारंगी स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है। पुलक गोगोई का जन्म 1938 में जोरहाट में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन काल में कई फिल्में बनाईं। उन्होंने खोज, श्रीमती महिमामयी, रेल आलीर दुबरी वन, सुरुज, ममताज, सदरी, सेंदूर, मरमर नदीर गाभरू घाट आदि जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि 1938 में जन्मे गोगोई ने कई असमिया फिल्मों का निर्देशन करके असमिया सिनेमा की दुनिया को समृद्ध किया है। कई लोकप्रिय असमिया फिल्मों के निर्देशक पुलक गोगोई का निधन सांस्कृतिक क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ. शर्मा ने दिवंगत कलाकार की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गोगोई के निधन पर कहा कि प्रसिद्ध चित्रकार और फिल्म निर्देशक पुलक गोगोई ने लोकप्रिय रचनाओं के साथ असम की कला और संस्कृति की दुनिया को समृद्ध किया है। पुलक गोगोई की विभिन्न पेंटिंग्स के साथ-साथ उनकी विभिन्न फिल्मों को बहुत सराहना मिली। उनके निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में मैं पुलक गोगोई के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। हम उनकी रचनाओं को श्रद्धा के साथ हमेशा संजोकर रखेंगे। 1938 में जोरहाट में जन्मे सोमेश्वर गोगोई के बेटे पुलक गोगोई ने असमबानी समाचार पत्र में कार्टूनिस्ट के रूप में अपना करियर शुरू किया और बाद में दैनिक असम अखबार के लिए एक पत्रकार कार्टूनिस्ट के रूप में कार्य किया। अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने असम सरकार के जनसंपर्क विभाग में काम किया लेकिन कुछ महीने बाद उन्होंने वह नौकरी छोड़ दी और एक कार्टूनिस्ट पत्रकार के रूप में अपनी जीवन यात्रा को आगे बढ़ाया। 1972 तक एक चित्रकार के रूप में सक्रिय रूप से काम करने के बाद 1974 में उन्होंने फिल्म खोज के निर्माता निर्देशक के रूप में फिल्म निर्माण की अपनी यात्रा शुरू की। खोज फिल्म बनाने पर उन्हें न सिर्फ प्रतिष्ठा मिली बल्कि वह क्रिटिक्स के फेवरेट भी बने। उन्होंने फिल्में बनाकर व्यावसायिक सफलता भी हासिल की। फिल्म रेल आलीर दुबरी वन के लिए उन्हें भारतीय फिल्म श्रेणी में श्रेष्ठ असमिया फिल्म का रजत कमल पुरस्कार मिला। इसके अलावा पुलक गोगोई को उनकी 2013 की फिल्म मुमताज के लिए फिल्म फेयर (ईस्ट) में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने जिन अन्य फिल्मों का निर्देशन किया है, उनमें सादरी, सेंदूर, सुरुज, श्रीमती महिमामयी, मरम नदीर गाभरू घाट और पत्नी शामिल हैं। गोगोई को फिल्म निर्माता और निर्देशक के साथ ही एक चित्रकार के रूप में भी लोकप्रियता हासिल हुई। दिल्ली ललित-कला अकादमी, कोलकाता के अकादमी आफ फाइन आर्ट, गुवाहाटी आर्टिस्ट्स गिल्ड से लेकर देश की सीमाओं को तोड़ते हुए सुदूर वाशिंगटन में होजेस गैलरी आईएनसी में उनकी कला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। उनके कार्टूनों ने एक समय सामाजिक राजनीति के कई पहलुओं को व्यंग्यात्मक रूप से चित्रित किया था।

एक करोड़ की लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के श्रीरामपुर में पुलिस ने अभियान चलाते हुए एक करोड़ रुपए की मूल्य की लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात भारी मात्रा में लाल चंदन की लकड़ी जब्त की गई है। लकड़ी को घर के अंदर छुपा कर रखा गया था। लाल चंदन लकड़ी को 3 हजार रुपए प्रति कुंदा बेचने की कोशिश करने के दौरान पुलिस ने जब्त कर लिया। चंदन लकड़ी की तस्करी मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जारागुरी गांव निवासी कनक ब्रह्म, गणक बसुमतारी, मालागुरी गांव निवासी अजीत कुमार नार्जारी और कचुगांव नंदीपुर गांव निवासी मनोज नार्जारी के रूप में की गई है। चंदन की लकड़ी को कनक ब्रह्म के घर में छुपाकर रखा गया था।

लायंस क्लब गुवाहाटी ग्रेटर का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की अध्यक्ष लायन बेला नाउका के नेतृत्व में आज दृष्टि कार्यक्रम के अंतर्गत पलटन बाजार स्थित गोरखा रूश्व स्कूल में छात्रों के लिए एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। गुवाहाटी लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से आज नि:शुल्क नेत्रजांच शिविर में 147 बच्चों की आंखों का परीक्षण किया गया, जिसमें से 21 बच्चों की आंखों की रोशनी कम पाई गई, उन्हें गुवाहाटी लायंस आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क चिकित्सा उपलब्ध करायी जाएगी द्ब आज के शिविर में तकनीशियन भावेश शर्मा एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के निर्मल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा द्ब क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने बताया कि आज के शिविर में लायन सुरेश गग्गड एवं लाइन नीरू काबरा के अलावा क्लब के अन्य सदस्यों का भी भरपूर सहयोग रहा।

अवैध बांग्लादेशी युवक गिरफ्तार

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज जिला शहर में एक अवैध बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार किया गया है। पड़ोसी राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से बदरपुर के बीच चलने वाली ट्रेन से अवैध बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया है कि बीती रात गिरफ्तार किये गए युवक की पहचान मोहम्मद हासन के रूप में की गई है। आशंका जतायी गई है कि गिरफ्तार युवक रोहिंगिया नागरिक हो सकता है, संभवत: बांग्लादेश के काकस बाजार स्थित रोहिंगिया शरणार्थी कैंप से भागकर आया होगा। रेलवे पुलिस ने बताया है कि ट्रेन में सफर कर रहे कुछ यात्रियों ने संदेह के आधार पर करीमगंज रेलवे पुलिस को इसके बारे में सूचित किया। जिसके बाद रेलवे पुलिस ने पूछताछ के बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास किसी भी प्रकार के कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए हैं। उसने बताया है कि वह अगरतला में ट्रेन में सवार हुआ था। पूछताछ में उसने अपने आपको बांग्लादेशी नागरिक बताया है।

स्टार सीमेंट की ओर से इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट्स मीट-स्टारटेक 2022 आयोजित

गुवाहाटी। महानगर में स्टार टेक-2022 नामक इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट्स मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक में इंजीनियरों और टेक्नोक्रेट्स के साथ सिविल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में ढाई सौ से अधिक इंजीनियरों के अलावा विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में असम इंजीनियरिंग कॉलेज के एचओडी सिविल डॉ. जयंत पाठक उपस्थित थे। डॉ. पाठक ने कांक्रीट की अद्भुत दुनिया नामक विषय पर अपनी अंतदृष्टि साझा की। उनके विषय में कांक्रीट के विकास, आधुनिक समय के कांक्रीट और कांक्रीट संरचनाओं और बुनियादी ढांचे के लिए इसकी यात्रा, सीमेंट की भूमिका कैसे महत्वपूर्ण है, और कांक्रीट से वांछित प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए सीमेंट की हैंडलिंग और भी अधिक महत्वपूर्ण कैसे है, इस पर उन्होंने प्रकाश डालते हुए चर्चा की। असम इंजीनियरिंग कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिगंता गोस्वामी ने भी इस बैठक में भाग लिया और उन्होंने मिट्टी और नींव - सिद्धांत से अभ्यास तक विषय पर एक व्याख्यान प्रदान किया। स्टारटेक-2022 पर टिप्पणी करते हुए, मुख्य विपणन अधिकारी, ज्योति स्वरूप अग्रवाल ने कहा की इंजीनियर इतिहास का निर्माता रहा है, और है। अपनी स्थापना के समय से, 2006 में स्टार सीमेंट की स्टारटेक इंजीनियरिंग प्रथाओं के एक विविध सेट को बढ़ाने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श कर रही है। स्टार सीमेंट की और आयोजित स्टारटेक 2022 आयोजन की सभी इंजीनियर्स ने सराहना की।

2022-2023 में भारत के शीर्ष 500 स्कूलों में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल

गुवाहाटी (विभास)। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, गुवाहाटी को ब्रेनफीड और ईटी टेक एक्स द्वारा आयोजित किया जानेवाले टीचिंग, लर्निंग एंड लीडरशिप पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्ष 500 स्कूल ऑफ इंडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्कूल को तीन प्रमुख श्रेणियों- बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर स्कूल, एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स एजुकेशन, एक्सीलेंस इन लाइफ स्किल एजुकेशन और बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग स्कूल के तहत सम्मानित किया गया हैं। यह बुधवार, 09 नवंबर 2022 को इंडिया एक्सपो सेंटर-ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया था। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की ओर से फैमिली अवार्ड जोनाली दास, प्रिंसिपल, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, कहलीपारा, गुवाहाटी ने प्राप्त किया हैं। सम्मेलन दो साल के सीखनेवाले संकट के बाद शिक्षण और सीखने के दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन पर केंद्रित रहा। यह उद्योग के विशेषज्ञों, निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाकर भारत में उन्नत शिक्षा की सुविधा के लिए एक मंच भी प्रदान करता हैं । कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विचार नेताओं और सम्मानित अतिथियों ने शिक्षा में विकास और नवाचार पर अपना अपना विचार प्रस्तुत किया । इस सम्मेलन में नवीन शिक्षा समाधान, नए जमाने की शिक्षाशास्त्र, और सर्वोत्तम शैक्षणिक संस्थानों के विकास पर चर्चा देखा गया हैं।

कावेरी अस्पताल ने कई हृदय दोषों वाली एक मरीज का सफलतापूर्वक इलाज किया

गुवाहाटी (विभास)। कावेरी हॉस्पिटल चेन्नई, कावेरी ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स की एक इकाई, जो तमिलनाडु में एक प्रमुख मल्टीस्पेशलिटी हेल्थकेयर चेन है, ने सात घंटे से अधिक समय तक चलने वाली सिंगल स्टेज सर्जरी में कई हृदय दोषों वाली एक महिला के सफल उपचार की घोषणा की। 55 वर्ष की महिला को उच्च रक्तचाप के साथ सीने में तेज दर्द और पीठ दर्द के साथ आपातकालीन देखभाल के लिए भर्ती किया गया। एक कोरोनरी एंजियोग्राम किया गया क्योंकि उसका ईसीजी असामान्य था। जब कैथेटर को ग्रोइन में धमनी के माध्यम से पारित किया जा रहा था, हाथ के पास पहुंचकर एंजियोग्राम किया गया। इससे बाएं वेंट्रिकल (कोरोनरी धमनियों) की आपूर्ति करने वाली धमनी में एक महत्वपूर्ण ब्लॉक का पता चला और इसके लिए भी हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, डॉ के.पी. सुरेश कुमार, मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ, कावेरी अस्पताल, चेन्नई ने बताया। आगे के मूल्यांकन ने उसके महाधमनी वाल्व में जन्मजात असामान्यता के रूप में एक और आश्चर्य प्रकट किया। महाधमनी वाल्व एक महत्वपूर्ण रिसाव (महाधमनी रेगुर्गिटेशन) के साथ बाइसीपिड (तीन के बजाय दो पत्रक वाले) था। दुनिया की आबादी के 0.5-1.4 प्रतिशत के बीच एक बाइसीपिड महाधमनी वाल्व मौजूद है। उसके दिल में दोषों को सुधारने के लिए उसे चार प्रक्रियाओं की आवश्यकता थी। पहली बायपास सर्जरी थी जो बाधित बायीं पूर्वकाल अवरोही धमनी में पर्याप्त रक्त प्रवाह प्रदान करती थी। दूसरा महाधमनी के समन्वय की मरम्मत और तीसरा, टपका हुआ महाधमनी वाल्व का प्रतिस्थापन था। चीजों को और अधिक जटिल बनाने के लिए, सर्जरी के दौरान यह पाया गया कि उसके पास एक बहुत ही संकीर्ण आधार था जिससे महाधमनी वाल्व जुड़ा हुआ था। इसे तकनीकी रूप से संकीर्ण महाधमनी जड़ कहा जाता है। इसके लिए एक कृत्रिम वाल्वप्रत्यारोपण के लिए जड़ को चौड़ा करने की एक और प्रक्रिया की आवश्यकता होती है, डॉ ए आर रघुराम, वरिष्ठ सलाहकार कार्डियो-थोरेसिक सर्जन, कावेरी अस्पताल, चेन्नई ने बताया। सभी चार प्रक्रियाओं को छाती के सामने एक 15 सेमी चीरा के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा किया गया और इस प्रक्रिया को पूरा होने में सात घंटे लगे। सर्जरी के बाद हाई ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित हो गया। प्रक्रिया के बादरोगी ने कार्डियक आईसीयू में लगातार सुधार किया। महिला पूरी तरह से ठीक हो गई और एक उत्कृष्ट सर्जिकल परिणाम, सामान्य रक्तचाप और अच्छे हृदय के साथ पांचवें पोस्ट-ऑपरेटिव दिन महिला को छुट्टी दे दी गई।

बॉलीवुड से अच्छी फिल्में ईडी व सीबीआई बना रही है: मुख्यमंत्री

-दिल्ली में चालू रहे योगा क्लास, मुख्यमंत्री ने आमलोगों से मांगा सहयोग

नई दिल्ली (हि.स.)। नगर निगम (एमसीडी) चुनाव को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर तंज कसते हुए कहा कि पीएमओ से स्क्रिप्ट भेजा जाता है, वही स्क्रीप्ट पढ़ी जाती है और फिल्म बनाई जाती है। आजकल बॉलीवुड से अच्छी फिल्में ईडी व सीबीआई बना रही है। वहीं मनीष सिसोदिया के फोन बदलने के मामले पर उन्होंने कहा कि अगर कुछ किया है तो जेल भेज दो। ईडी आजकल फिल्म प्रोडक्शन कम्पनी बन गई है। ईडी के डायरेक्टर अब फिल्म डायरेक्टर बन गये है। वहीं केजरीवाल ने सुकेश चंद्रशेखर को भाजपा स्टार प्रचारक बताते हुए कहा कि उसे भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना देना चाहिए। जिससे भाजपा की रैली में भीड़ आ सके।

दिल्ली में चालू रहे योगा क्लास, मुख्यमंत्री ने आमलोगों से मांगा सहयोग - प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल (एलजी) पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरफ दिल्ली सरकार जहां दिल्ली की जनता के हित के लिए योजनाएं बना रही है और उसे लागू कर रही हैं, तो दूसरी तरफ एलजी उन योजनाओं को लागू करने में अड़ंगा डालना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली की जनता को योग कराने के लिए दिल्ली सरकार ने जो योजनाएं शुरू की थी उसे एलजी ने बंद कराने के आदेश दिए। 2 दिनों तक योगा की क्लास बंद भी रही। लेकिन फिर आम लोगों ने ही मिलकर पर योगा की क्लासेस शुरू करवा दी। अब सरकार की इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए समाज के कई लोग सहयोग करना चाहते हैं। सभी ने तय किया कि योगा क्लास बंद नहीं होने देंगे। उन्होंने लोगों से भी सहयोग मांगा है। उन्होने ने कहानी सुनाते हुए कहा कि देवदत्त बाग में हंस को देख उस पर तीर चला मारने की कोशिश की, तो वहीं दयालु स्वभाव के सिद्धार्थ ने उसकी जान बचाई। केजरीवाल बोले हंस किसका हो ? मारने वाले का या बचाने वाले का तो मामला राजा के दरबार में पहुंचा। राजा ने हंस पर छोड़ दिया कि वह तय करे कि हंस किसके साथ रहेगा। हंस ने सिद्धार्थ के चुना। इस कहानी को सुनाते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक तरफ दिल्ली सरकार जहां जनता के हितों के लिए काम कर रही है, वहीं एलजी देवदत्त की तरह जनता के प्रति भाव रखते हैं। देवदत्त की तरह एलजी ने जनता पर तीर चलाया। हमने सिद्धार्थ की तरह योग क्लास जारी रखवाई। बाकी रोजाना की तरह सुबह और शाम योगा की क्लास चल रही है। कई लोगों को मैसेज आए हैं कि कंट्रीब्यूट करना चाहते हैं। कुछ लोगों ने कहा कि योग का खर्चा हम देंगे। केजरीवाल कहा कि वह आज एक फोन नंबर जारी कर रहे हैं, एक योगा टीचर को सुबह शाम के 15 हजार रुपये महीना देते हैं। जो-जो लोग एक, दो या तीन टीचर का वेतन उठाना चाहते हैं, वो वाट्सएप पर मैसेज करें। इसका नंबर 7277972779 है। हर महीने के अंत में टीचर्स का नाम बता देंगे। उनके हाथ से चेक दिलवा देंगे। केजरीवाल ने लोगों से अपील की है कि ऐसा कर ज्यादा से ज्यादा लोग पुण्य के काम में लगें।

राकांपा नेता जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई

-मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा- कानून तोड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एवं पूर्व मंत्री जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने इस कार्रवाई को गलत तथा अवैध बताया है। राकांपा ने जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी के विरोध में ठाणे में शनिवार को प्रदर्शन किया। शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्री एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूबे में किसी भी कीमत पर गुंडागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई भी फिल्म किसी को पसंद नहीं है तो उसके विरोध के कई तरीके हैं। फिल्म थिएटर के बाहर गले में फिल्म न देखने का बैनर लटकाकर लोगों से अपील की जा सकती है। कोई विचार अगर पसंद नहीं है तो उसे सभी पर नहीं लादा जा सकता है। राज्य में मारपीट का किसी भी कीमत पर समर्थन नहीं किया जाएगा। बालासाहेब की शिवसेना के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि जीतेंद्र आव्हाड के मामले में पुलिस पर किसी भी तरह का दबाव नहीं है। इस मामले में पुलिस खुद अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही है। ठाणे के एक मॉल में फिल्म की स्क्रीनिंग रुकवाने और तोड़फोड़ के मामले में आव्हाड को ठाणे की वर्तकनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों और राकांपा कार्यकताओं के बीच मारपीट हुई थी। इस सिलसिले में ठाणे पुलिस ने केस भी दर्ज किया था। वर्तकनगर पुलिस ने आज आव्हाड को अदालत में पेश किया। आव्हाड ने अदालत परिसर में पत्रकारों को बताया कि उनकी जमानत न हो, इसलिए "चाणक्य" का बार-बार पुलिस को फोन आ रहा है। आव्हाड ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में गलत जानकारी देने वालों का विरोध करने पर उन्हें जेल में भी जाना पड़ा तो वे तैयार हैं। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है, जबकि इस घटना में घायल व्यक्ति ने खुद बयान दिया है कि उसे मैंने (जीतेंद्र आव्हाड) ही बचाया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति संभाजी राजे ने कहा कि फिल्म 'हर हर महादेव' में जो कुछ भी दिखाया गया है, वह वास्तविकता से परे है। वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और राकांपा नेता सुप्रिया सुले, कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने भी आव्हाड की गिरफ्तारी को सरकार की ओर से दबाव के तहत की गई कार्रवाई बताया है।

13 नवंबर को ब्लू लाइन पर प्रभावित रहेगी मेट्रो सेवा

नई दिल्ली (हि.स.)। ब्लू लाइन मेट्रो के तहत द्वारका सेक्टर 21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी के रूट पर मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच होने वाला मेंटेनेंस वर्क 13 नवंबर को होगा। इसलिए 13 नवंबर की सुबह 7 बजे तक रमेश नगर मेट्रो स्टेशन से कीर्ति नगर मेट्रो स्टेशन तक की सेवा बाधित रहेगी। यह जानकारी दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल ने दी है। ब्लू लाइन रूट के मोती नगर और कीर्ति नगर मेट्रो स्टेशन के बीच मेंटेनेंस के काम की शुरूआत 13 नवंबर को होगी। इस वजह से रमेश नगर मेट्रो स्टेशन से कीर्ति नगर सेक्शन पर सुबह 7 बजे तक मेट्रो सेवा रद्द रहेगी। इस दौरान मोती नगर मेट्रो स्टेशन भी बंद रहेगा। मेट्रो से जानकारी के अनुसार बाकी स्टेशनों पर सेवा पहले की तरह ही बहाल रहेगी। 13 तारीख को द्वारका सेक्टर 21 से नोएडा जाने वाली रूट पर मेट्रो का परिचालन द्वारका सेक्टर 21 से रमेश नगर तक होगी और फिर कीर्ति नगर से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी और वैशाली तक सेवा बहाल रहेगी। हालांकि 7 बजे के बाद स्टेशनों पर भी सेवा पहले की तरह बहाल कर दी जाएगी। हालांकि इस दौरान रमेश नगर और कीर्ति नगर के बीच मेट्रो यात्रियों के लिए मेट्रो की तरफ से फ्री फीडर बस सेवा का इंतजाम किया गया है। मेट्रो की तरफ से मिली जानकारी में यह कहा गया है कि इस दिन यात्रा करने वाले अपना रूट इस हिसाब से तय कर लें।

गजानन कीर्तिकर के पार्टी छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा: संजय राउत

-गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर शिवसेना (उबाठा) में

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि सांसद गजानन कीर्तिकर के पाला बदलने से पार्टी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर शिवसेना (उबाठा) में ही हैं। राउत ने कहा कि गजानन कीर्तिकर आगामी चुनाव भी नहीं जीत सकेंगे। संजय राउत ने कहा कि अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट के उप चुनाव में पार्टी की उम्मीदवार ऋतुजा लटके को 66 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। इस चुनाव ने बता दिया कि नेताओं ने भले ही पार्टी छोड़ दिया, लेकिन कार्यकर्ता शिवसेना (उबाठा) के साथ ही हैं। गजानन कीर्तिकर को पार्टी ने बहुत कुछ दिया, लेकिन उन्होंने जीवन के अंतिम क्षणों में पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। पार्टी छोड़ने के बाद उनकी बात का कोई महत्व नहीं है। उनके बेटे अमोल कीर्तिकर ने पार्टी के साथ रहने का निर्णय लिया है। दरअसल शुक्रवार शाम मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद गजानन कीर्तिकर शिवसेना के शिंदे गुट-बालासाहेब की शिवसेना में शामिल हो गए। गजानन कीर्तिकर ने कहा कि उनके पुत्र अमोल कीर्तिकर शिवसेना (उबाठा) में ही रहेंगे। इससे उनके घर में किसी भी तरह का मतभेद नहीं होने वाला है। गजानन कीर्तिकर के बालासाहेब की शिवसेना में शामिल होने के बाद शिंदे समूह के सांसदों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। शिवसेना (उबाठा) में अब सिर्फ 5 सांसद रह गए हैं।

राष्ट्रपति पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर करें ममता बनर्जी: अर्जुन मुंडा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मांग की है कि राष्ट्रपति पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री अखिल गिरि को वे अपने मंत्रिमंडल से बाहर करें। मुंडा ने यहां अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आश्चर्य की बात ये है कि पश्चिम बंगाल की सरकार, जहां स्वयं एक महिला मुख्यमंत्री है और उसके मंत्रिमंडल के सदस्य खुलेआम देश के महिला जनजाति राष्ट्रपति के ऊपर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार के मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता अखिल गिरि ने देश के राष्ट्रपति के ऊपर जिस तरीके से अभद्र टिप्पणी की है, वह निंदनीय है और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में ममता बनर्जी को स्वयं स्पष्टीकरण देना चाहिए। क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के मंत्री ने इस तरह का गलत बयान दिया है। यह बयान उन्होंने किसके कहने पर दिया है, यह बयान देश का अपमान करने वाला है। ऐसे मंत्री को ममता बनर्जी को अपने मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त करना चाहिए और इस तरह के बयानों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। मुंडा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता के बयानों से स्पष्ट होता है कि यह टीएमसी के चरित्र में है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सरकार, देश के आदिवासियों और पश्चिम बंगाल के आदिवासियों का भी शोषण करती रही है, इसकी घोर निंदा करता हूं, क्योंकि ये बयान अशांति फैलाने वाले हैं।

राकांपा नेता जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई

-मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा- कानून तोड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एवं पूर्व मंत्री जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने इस कार्रवाई को गलत तथा अवैध बताया है। राकांपा ने जीतेंद्र आव्हाड की गिरफ्तारी के विरोध में ठाणे में शनिवार को प्रदर्शन किया। शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्री एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूबे में किसी भी कीमत पर गुंडागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई भी फिल्म किसी को पसंद नहीं है तो उसके विरोध के कई तरीके हैं। फिल्म थिएटर के बाहर गले में फिल्म न देखने का बैनर लटकाकर लोगों से अपील की जा सकती है। कोई विचार अगर पसंद नहीं है तो उसे सभी पर नहीं लादा जा सकता है। राज्य में मारपीट का किसी भी कीमत पर समर्थन नहीं किया जाएगा। बालासाहेब की शिवसेना के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि जीतेंद्र आव्हाड के मामले में पुलिस पर किसी भी तरह का दबाव नहीं है। इस मामले में पुलिस खुद अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही है। ठाणे के एक मॉल में फिल्म की स्क्रीनिंग रुकवाने और तोड़फोड़ के मामले में आव्हाड को ठाणे की वर्तकनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों और राकांपा कार्यकताओं के बीच मारपीट हुई थी। इस सिलसिले में ठाणे पुलिस ने केस भी दर्ज किया था। वर्तकनगर पुलिस ने आज आव्हाड को अदालत में पेश किया। आव्हाड ने अदालत परिसर में पत्रकारों को बताया कि उनकी जमानत न हो, इसलिए "चाणक्य" का बार-बार पुलिस को फोन आ रहा है। आव्हाड ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में गलत जानकारी देने वालों का विरोध करने पर उन्हें जेल में भी जाना पड़ा तो वे तैयार हैं। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है, जबकि इस घटना में घायल व्यक्ति ने खुद बयान दिया है कि उसे मैंने (जीतेंद्र आव्हाड) ही बचाया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति संभाजी राजे ने कहा कि फिल्म 'हर हर महादेव' में जो कुछ भी दिखाया गया है, वह वास्तविकता से परे है। वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और राकांपा नेता सुप्रिया सुले, कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने भी आव्हाड की गिरफ्तारी को सरकार की ओर से दबाव के तहत की गई कार्रवाई बताया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर शाहरुख खान को कस्टम ने रोका

मुंबई, (ईएमएस)। बीती रात मुंबई एयरपोर्ट पर फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को कस्टम विभाग के अधिकारियों ने रोका। दरअसल शाहरुख ने महंगी घड़ी के कवर को लगेज में डिक्लेयर नहीं किया था। हालांकि शाहरुख को ड्यूटी भरने के बाद छोड़ दिया गया। बताया गया है कि शाहरुख एक इवेंट में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) गए थे। वहां से शाहरुख अपनी टीम के साथ एक प्राइवेट प्लेन से मुंबई पहुंचे। तभी मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने शाहरुख खान के सामानों की जांच की। शाहरुख खान को यूएई में सिनेमा में योगदान और ग्लोबल आइकन के एक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। शाहरुख यूएई के शारजहा में आयोजित शारजहां इंटरनेशनल बुक फेयर 2022 में पार्टिसिपेट करने पहुंचे थे. शाहरुख को यहां ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नैरेटिव अवार्ड से सम्मानित किया गया. शाहरुख खान लगभग 2 दिन तक यूएई में रहे. इवेंट के बाद वह एक प्राइवेट प्लेन से शुक्रवार देर रात मुंबई एयरपोर्ट पर उतरे, जहां उन्हें कस्टम विभाग के अधिकारियों ने रोक लिया. शाहरुख ने अपने लगेज में लग्जरी वॉच के कवर को मेंशन नहीं किया था, जिसकी वजह से उन्हें रोका गया. मगर ड्यूटी भरने के बाद वह एयरपोर्ट से निकल पाए.

पीएम के दौरे के विरोध पर किशन रेड्डी ने कहा- क्या तेलंगाना भारत का हिस्सा नहीं

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से चलाई जा रही हैं विरोध की गतिविधियां: रेड्डी

हैदराबाद, (हि.स.)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले के रामागुंडम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के विरोध पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने सवाल किया कि क्या तेलंगाना भारत का हिस्सा नहीं है? क्या यहां निजाम का निरंकुश शासन है या स्पेशल स्टेटस है, जिसके कारण प्रधानमंत्री को राज्य में आने से रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम करीब साढ़े 4 बजे रामागुंडम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उनके दौरे के विरोध में रामागुंडम के विभिन्न क्षेत्रों में "नो एंट्री मोदी" के बैनर लगाए गए हैं। वामदलों और कुछ छात्र संगठनों ने प्रधानमंत्री के दौरे के विरोध में रामागुंडम बंद का आह्वान किया है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर आज सुबह वामदलों के कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया है। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी एक बयान में केंद्रीय राज्यमंत्री किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि विरोध की ये सारी गतिविधियां मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय प्रगति भवन से चलाई जा रही हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि बैनर की डिजाइन, ड्राफ्टिंग तथा विरोध का छद्म षड्यंत्र वहीं से रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कुछ छात्र बैनर को हटाने गये तो पुलिस ने उनकी पिटाई की, क्या यह सही है? केसीआर सरकार का ऐसा व्यवहार देश एवं तेलंगाना के लिए खतरनाक है। रेड्डी ने कहा कि यदि कोई समस्या हो तो उसके समाधान के लिए मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सूचित किया है कि उनके एक मंत्री प्रधानमंत्री के स्वागत में एयरपोर्ट पर रहेंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि प्रोटोकॉल के मामले में तेलंगाना का रवैया इतना खराब है कि राज्यपाल जैसे संवैधानिक ओहदे पर बैठी महिला का भी लिहाज न करते हुए कदम-कदम पर उन्हें अपमानित किया जा रहा है। राज्यपाल किसी कार्यक्रम में जाएं तो कलेक्टर उपस्थित नहीं होते। मंदिर जाएं तो कार्यकारी अधिकारी और विश्वविद्यालय जाने पर वाइस चांसलर उपस्थित नहीं होते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। संवैधानिक पद की मर्यादा का भी सम्मान नहीं किया जा रहा है।

आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए तीसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 18-19 नवंबर को

नई दिल्ली, (हि.स.)। आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए, आकंतवाद के लिए धन नहीं विषय पर तीसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 18-19 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है। केंद्र की मोदी सरकार की ओर से इस सम्मेलन की मेजबानी अंतराष्ट्रीय आतंकवाद के मुद्दे को महत्व देने के साथ-साथ इस खतरे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दर्शाती है। केंद्रीय गृह अमित शाह सम्मेलन में भाग लेंगे और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत के दृढ़ संकल्प से अवगत कराएंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। आतंकवाद के लिए धन नहीं विषय पर आयोजित यह सम्मेलन राष्ट्रों के बीच समझ और सहयोग कायम करने के लिए भारत के द्वारा किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि सम्मेलन का उद्देश्य पेरिस (2018) और मेलबर्न (2019) में संपन्न पिछले दो सम्मेलनों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा आयोजित आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने पर हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाना है। इसमें आतंकवाद के वित्तपोषण के सभी पहलुओं के तकनीकी, कानूनी, विनियामक और सहयोग पहलुओं पर चर्चा शामिल होगी। इस सम्मेलन के जरिए आतंकवाद वित्तपोषण का मुकाबला करने पर केंद्रित अन्य उच्च स्तरीय आधिकारिक और राजनीतिक विचार-विमर्श को गति देने का प्रयास किया जाएगा। तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन में आतंकवाद और आतंकवादी वित्तपोषण में वैश्विक रुझानों, आतंकवाद के लिए धन के औपचारिक और अनौपचारिक चैनलों के उपयोग, उभरती प्रौद्योगिकियों और आतंकवादी वित्तपोषण और संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर चर्चा केंद्रित होगी। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विस्तारित विचार-विमर्श के लिए 75 देशों और अंतरराष्ट्रीय निकायों के प्रतिनिधियों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा।

तमिलनाडु में भारी बारिश की चेतावनी

- 26 जिलों में स्कूल बंद किए

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है जिसके चलते 26 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह चेतावनी जारी की है। चेतावनी के मद्देनजर राज्य के कम से कम 26 जिलों ने चेन्नई सहित स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। आईएमडी ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। जिसके कारण 13 नवंबर तक तमिलनाडु और पुडुचेरी के कुछ क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कई इलाकों में रात भर हुई बारिश शुक्रवार को भी जारी रही। तंजावुर जिला एवं दक्षिणी रामनाथपुरम सहित विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कावेरी डेल्टा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और चेंगलपेट, तटीय क्षेत्रों और चेन्नई के लगभग सभी हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। गुरुवार की रात को रुक-रुक कर बारिश होने से राज्य की आवाजाही बाधित हो गई। बता दें कि चेन्नई सहित कम से कम 23 जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद थे और धर्मपुरी एवं शिवगंगा सहित छह जिलों में स्कूल बंद थे।

तिहाड़ में थ्री लेयर सुरक्षा में रखा गया है महाठग सुकेश, 24 घंटे सीसीटीवी से रखी जा रही निगरानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यमुनापार की मंडोली की जेल नंबर-14 में बंद 200 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर की सुरक्षा के लिए तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपनी ओर से पुख्ता प्रबंध किए हैं। उसे थ्री लेयर के सुरक्षा कवच में रखा गया है। जहां पहला सुरक्षा घेरा आईटीबीपी जवानों का होता है, जबकि दूसरा सीआरपीएफ जवानों का और तीसरी लेयर में जेल के सुरक्षा जवान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा करीब 20 सीसीटीवी कैमरों से इसकी हर गतिविधि को रिकॉर्ड किया जा रहा है। इस काम के लिए आईटीबीपी, सीआरपीएफ और जेल के करीब 25 जवानों को लगाया गया है। जो निगरानी के साथ-साथ यह भी देखते हैं कि कोई अन्य कैदी उस पर हमला न कर दे। तिहाड़ जेल सूत्रों ने बताया कि मंडोली की जेल नंबर-14 के सेल में उसे अकेले रखा गया है। 15 बाई 15 फुट वाले सेल के अंदर ही टॉयलेट है। इसके मनोरंजन के लिए टीवी भी दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आए दिन जेल से पत्र लिखकर किसी न किसी अफसर और मंत्री के खिलाफ पैसा लेने और जेल के अंदर अपनी जान को खतरा बताने जैसे आरोप लगाने वाले सुकेश के एक मामले की सुनवाई इस साल 31 अगस्त से भी हुई। सूत्रों का कहना है कि इसी मामले को लेकर सुकेश ने सीआरपीएफ के उपर उसके साथ मारपीट का आरोप लगाया था।

सूत्रों ने कहा कि असल में इसके पास मोबाइल फोन या अन्य कोई प्रतिबंधित सामान होने के शक में जेल अधिकारियों ने सीआरपीएफ के जवानों को साथ लेकर इसके सेल में तलाशी ली थी। इसी क्रम में सीआरपीएफ के जवान ने इसकी भी तलाशी ली थी। बताया जाता है कि इसी बात को लेकर इसने सीआरपीएफ के जवानों पर उसके प्राइवेट पार्ट को जोर से दबाने और अन्य तरह से प्रताड़ित करने आरोप लगाया था। जेल सूत्रों का कहना है कि इसकी तमाम फुटेज इसके सेल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। जिसे संबंधित कोर्ट को भी दिखा गया। अब जेल अधिकारी इसके खिलाफ सीआरपीएफ और अधिकारियों पर झूठा आरोप लगाने के मामले में इसके खिलाफ पनिशमेंट टिकट काटने की प्रक्रिया कर रहे हैं। जिसमें इसके ऊपर जेल में रहते हुए मिल रही कुछ सुविधाओं पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। काफी हद तक संभावना है कि शुरूआत में इसके जेल कैंटीन से खरीदे जाने वाले सामान पर रोक लगा दी जाए। इसका खुलासा भी जल्द हो जाएगा।

डेंगू से बचाव के लिए हर जिले में बनेंगे डेडिकेटेड हॉस्पिटल : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में डेंगू व अन्य संचारी रोगों की स्थिति की समीक्षा करते हुए रोकथाम के लिए प्रयासों को और तेज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत कुछ सप्ताह के बीच डेंगू व अन्य संचारी रोगों के दुष्प्रभाव में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इनकी बेहतर स्क्रीनिंग के लिए सर्विलांस को बेहतर करने की आवश्यकता है। आशा बहनों का सहयोग लें। घर-घर स्क्रीनिंग कराएं। लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कराते हुए उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाए। डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल की भांति डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल एक्टिव किये जाएं। कम से कम हर जिले में एक ऐसा डेडिकेटेड अस्पताल जरूर क्रियाशील हो। यहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता हो, जांच की सुविधा हो, उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। इसे आइसीसीसी से भी जोड़ा जाना चाहिए। सभी मंत्री फील्ड में बने रहें। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, उसकी विधिवत चिकित्सकीय जांच हो और समय पर इलाज किया जाए। हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों सहित जिला अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी व अन्य उच्च स्तरीय संस्थान साधन संपन्न हैं। इसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा अथवा सुरक्षा में तैनात कार्मिकों से मरीजों के तीमारदारों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाने की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज और सूचना विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव आदि के बारे में लोगों को सही जानकारी दी जाए। अखबारों में जागरूकता परक विज्ञापन, दीवार पेंटिंग, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि के माध्यम से इस बीमारी के कारण प्रभाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए। डेंगू मरीजों के लिए हर शासकीय अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। स्थानीय जरूरतों के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई जाए। हर जिले में डेंगू टेस्टिंग और प्लेटलेट्स की जांच की सुविधा होनी चाहिए। नगर विकास व पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी साफ-सफाई व फॉगिंग का कार्य नियमित कराया जाए। प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। हर श्रद्धालु-हर कल्पवासी अपने व्रत-संकल्प की पूर्ति अपनी आस्था अनुरूप कर सकें, इसके लिए हमें अच्छी व्यवस्था देनी होगी, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना होगा। साधु-संतों और कल्पवासियों से संवाद बनाएं। मेला स्थल पर अस्थायी निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण कर लें। प्रयागराज माघ मेला के सुचारु आयोजन के लिए विशेष सचिव और पुलिस अधीक्षक स्तर के एक-एक अधिकारी की तैनाती तत्काल कर दी जाए। मेले की व्यवस्था के प्रति इन अधिकारियों की जवाबदेही होगी। कोविड, डेंगू व अन्य संचारी रोगों से जुड़े एहतियात को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता-सैनिटाइजेशन का कार्य हर दिन जारी रखना होगा। मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएं। प्रयागराज माघ मेले सहित सभी मेलों, पर्वों व त्योहारों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अक्टूबर से प्रारंभ चालू सत्र में अब तक किसानों से 2.60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। सभी क्रय केंद्र क्रियाशील रहें। धान क्रय केंद्रों पर किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। क्रय केंद्र तक आने वाले हर पात्र किसान से धान खरीद की जाए। भुगतान में कतई विलंब न हो। खाद की कहीं कमी न हो, कालाबाजारी करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। अतिवृष्टि के कारण जिन भी जिलों में किसानों की फसल का नुकसान हुआ है, उनकी क्षतिपूर्ति बिना विलंब कराई जाए। बुन्देलखण्ड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों सहित 50 जिलों के किसान प्रभावित हुए हैं। एक भी प्रभावित किसान क्षतिपूर्ति से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को निःशुल्क टैबलेट, स्मार्टफोन वितरण का कार्य सुचारु रूप से जारी रखा जाए। हमें अगले पांच वर्षों में दो करोड़ युवाओं को डिजिटल शक्ति से लैस करना है। बिना भेदभाव हर छात्र-छात्रा को टैबलेट, स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाए।

महिलाओं का तो हर हाल में सम्मान करना चाहिए: जयाप्रदा

वाराणसी, (हि.स.)। फिल्म अभिनेत्री व पूर्व सांसद जयाप्रदा और प्रयागराज की भाजपा सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी शनिवार को महमूरगंज स्थित शुभम लॉन में तेजस्विनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान जयाप्रदा ने वाराणसी में आयोजित हो रहे काशी-तमिल संगमम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर और दक्षिण में लगातार संवाद होना चाहिए। सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होना चाहिए। इस कार्यक्रम से उत्तर और दक्षिण के लोग और ज्यादा करीब आएंगे। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की विधानसभा की सदस्यता कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा के कारण रद्द होने से जुड़े सवाल पर जयप्रदा ने कहा कि आजम खान ने जो बोया था, वहीं काट रहे हैं। आजम खान के साथ जो हो रहा है वह एक मिसाल है। राजनीति हो या कोई भी फील्ड हो, हर इंसान को इंसान का सम्मान करना चाहिए। महिलाओं का तो हर हाल में सम्मान करना चाहिए। कभी भी किसी के लिए हमें अभद्र शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। रामपुर में किस पार्टी के जीत से जुड़े सवाल पर जयाप्रदा ने कहा कि रामपुर का चुनाव भाजपा जीत रही है। सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े सवाल पर बोलने से मना कर दिया। इसके पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर जयाप्रदा और रीता बहुगुणा जोशी का फाउंडेशन की कार्यकताओं ने फाउंडेशन की रश्मि रॉय और मीनू उपाध्याय के नेतृत्व में गर्मजोशी से स्वागत किया।

जबरिया रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर से मैनपुरी लोकसभा सीट पर उतारा प्रत्याशी

इटावा, (हि.स.)। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जबरिया रिटायर्ड करने के बाद एक राजनैतिक दल अधिकार सेना का गठन करने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने मैनपुरी लोकसभा सीट से सत्येंद्र कुमार उर्फ रोली यादव को प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अधिकार सेना योगी सरकार के पुलिस प्रशासन के अत्याचार और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जंग लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस निरंकुश होकर काम कर रही है । बदले की भावना से पुलिस पैसे लेकर हाफ और फुल एनकाउंटर करने में जुटी है। उनके साथ पहुंची उनकी पत्नी समाज सेविका नूतन ठाकुर ने भी सरकार की नीतियों पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कानून की धाराओं का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी देश में गलत नीतियों के साथ काम कर रही है। उत्तरप्रदेश में पुलिस और प्रशासन निरंकुश होकर काम कर रहा है। रिटायर्ड होने के बाद राजनैतिक दल बना चुके पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने इटावा पहुंचकर मैनपुरी लोकसभा सीट पर अधिकार सेना से सत्येंद्र उर्फ रोली यादव को प्रत्याशी घोषित किया उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस प्रशासन निरंकुश होकर काम कर रहा है । यूपी में पुलिस पैसे लेकर बदले की भावना से लोगों के हाफ और फुल एनकाउंटर करने में जुटी है। जिस तरीके से शोले फिल्म में चुन चुन कर मारने वाला डायलॉग था, उसी तरह प्रदेश की पुलिस सरकार की नीतियों के खिलाफ थोड़ा सा भी बोलने पर चुन चुन कर मार रही है। प्रदेश में कानून की धाराओं का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सरकार की गलत नीतियों और पुलिस और प्रशासन के द्वारा किए अत्याचार के खिलाफ जंग लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर एक छोटा सा ट्वीट करने पर मुकदमा लिखकर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह लोगों के बीच जाकर अपनी पार्टी का विस्तार कर रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी समाज सेविका नूतन ठाकुर भी मौजूद रही। उन्होंने भी सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की पुलिस और प्रशासन निरंकुश होकर काम कर रही है। प्रदेश में जमकर भ्रष्टाचार चल रहा है और किसी भी तरह की सूचना मांगने पर सूचना आयोग सूचना भी उपलब्ध नहीं करवा रहा है। उल्टा सूचना मांगने वाले के पर अनर्गल आरोप लगाकर सूचना मांगने वाले की मंशा पर ही सवाल खड़े कर दिए जाते हैं।

पूर्व प्रधान पर दलित महिला ने लगाया झूठा केस, पीड़ित परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

– प्रधान ने गैर जनपद से जांच कराने की उठाई मांग

उन्नाव, (हि.स.)। असोहा थाना क्षेत्र में प्रधानी चुनाव की रंजिश में पूर्व प्रधान और उसके परिवार को एक दलित महिला ने झूठे केस में फंसा दिया है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की जगह उन्हें उल्टा परेशान किया जा रहा है। जबकि परिवार मामले की निष्पक्ष जांच गैर जनपद से कराये जाने की मांग उठा रहा है। ग्राम पंचायत सेखइया के रहने वाले पूर्व प्रधान सतीश त्रिपाठी की पत्नी मीना त्रिपाठी वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं। उन्होंने थाना में अपनी शिकायत देते हुए बताया कि गांव की एक दलित महिला सवेर्शा ने उनके पति सतीश मिश्रा पर झूठा आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान ने उसे बदनियति से दबोचा लिया है। उसे बचाने के लिए जब उसका बेटा आया तो सतीश का लड़का सुयश त्रिपाठी और भतीजा आकार त्रिपाठी ने मिलकर उनके बेटे को मारापीटा। जातिसूचक गालियां भी दी। उसे और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देकर आरोपित भाग निकले। प्रधान का आरोप है कि कई सालों तक उनके पति गांव के प्रधान रहे हैं। वे भी प्रधान हैं और इसी राजनीतिक रंजिश के चलते विपक्षी लोगों के कहने पर महिला ने उनके पति, बेटे और भतीजे को फंसाया है। जबकि महिला जिस दिन और समय की घटना बता रही है उस वक्त उनके पति और बेटा घर पर ही थे। इसके प्रमाण भी उन्होंने पुलिस को दिए हैं, बावजूद पुलिस न्याय न करके परिवार को ही प्रताड़ित कर रही है। प्रधान का कहना है कि वह पत्रकारों के माध्यम से अपनी बात पुलिस अधिकारियों को पहुंचा चाहती है कि इस मामले की जांच गैरजनपद पुलिस से कराकर परिवार को न्याय दिलाए। वह पुलिस का सहयोग करेंगी।

अनुच्छेद 370 हटने के उपरान्त भी कश्मीर में हिंसा नहीं रूकी : डॉ. चारुदत्त

—हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन में हिन्दू राष्ट्र का आंदोलन प्रखर बनाने पर जोर

वाराणसी, (हि.स.)। भारत और नेपाल को संवैधानिक दृष्टि से हिन्दू राष्ट्र बनाने की योजना बनाने के लिए शनिवार को सारनाथ आशापुर स्थित एक बैंक्वेट सभागृह में हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन प्रारंभ हुआ । अधिवेशन में हिन्दू जनजागृति समिति के धर्म प्रचारक नीलेश सिंगबाळ ने बताया कि ज्ञानवापी क्षेत्र की मुक्ति के लिए चल रहे कानूनी संघर्ष को उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, दिल्ली आदि राज्यों तथा नेपाल, अमेरिका से 100 से अधिक संगठनों ने समर्थन देकर काशी-विश्वनाथ की सेवा करने का संकल्प लिया है। अधिवेशन में ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी की पूजा की अनुमति मिलने के लिए कानूनी संघर्ष कर रही महिला याचिककर्त्ता तथा डॉ. सोहनलाल आर्य, डॉ. रामप्रसाद सिंह तथा अधिवक्ता मदन मोहन यादव का सम्मान किया गया। जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक डॉ. चारुदत्त पिंगले ने अधिवेशन के बीज वक्तव्य में कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के उपरान्त भी कश्मीर में टार्गेट किलिंग नहीं रुकी है। पुनः घाटी से कश्मीरी हिंदू पलायन कर रहे है। कश्मीर के पश्चात अब गुजरात, देहली, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के हिन्दू समाज को भी अपने घरों पर मकान बिकाऊ के बोर्ड लगाने पड रहे हैं। ऐसी स्थिति हिन्दू समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए हिन्दू राष्ट्र का आंदोलन प्रखर बनाए। अधिवेशन में नेपाल के किशोर गौतम ने कहा कि आज की स्थिति में विश्व में एक भी हिन्दू राष्ट्र पृथ्वी पर नहीं है। नेपाल में ईसाइयत तीव्रता से फैल रही है । आने वाले काल में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश जैसा नेपाल एक ईसाई राज्य बनेगा। इस षड्यंत्र को रोकने के लिए भारत और नेपाल में संयुक्त प्रयास होने की आवश्यकता है। अधिवेशन के उदघाटन सत्र में भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी ब्रह्मयानंद और योगीराज पीठाधीश्वर राजकुमार ने भी मार्गदर्शन दिया। हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से आयोजित अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में सनातन पंचांग 2023 की हिंदी एन्ड्रॉइड अप का लोकार्पण किया गया।

गिरफ्तार पंकज मिश्रा से रिम्स में मिलने जाने वाले लोगों से ईडी करेगी पूछताछ

रांची, (हि.स.)। अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पंकज मिश्रा से रिम्स के पेइंग वार्ड में मिलने जाने वाले लोगों से भी ईडी पूछताछ करेगी। बताया जाता है कि रिम्स में भर्ती पंकज मिश्रा से पेइंग वार्ड में 12 अनजान लोगों के आने-जाने की जानकारी ईडी को मिली है। पेइंग वार्ड के सामने लगे सीसीटीवी फुटेज को ईडी ने खंगालना शुरू कर दिया है। रिम्स प्रबंधन से मिले सीसीटीवी फुटेज की प्रारंभिक जांच में 29 जुलाई से अबतक पंकज मिश्रा से करीब 12 अनजान लोगों के मुलाकात करने की जानकारी ईडी को मिली है। ईडी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिन लोगों ने पंकज मिश्रा से पेइंग वार्ड में जाकर मुलाकात की, उन्हें ईडी जल्द ही समन कर पूछताछ के लिए बुला सकती है। बताया जाता है कि ईडी को सूचना मिली थी कि पंकज मिश्रा से कई लोग मिलने आ रहे हैं। इसमें कुछ हाई प्रोफाइल लोग भी शामिल हैं। पंकज मिश्रा से जो लोग उनके पेइंग वार्ड में मिलने आते थे वे अपने मोबाइल से उसे राज्य के कुछ बड़े अधिकारियों से बात करवाते थे। इसके बाद ही ईडी ने रिम्स से 29 जुलाई से लेकर अबतक का सीसीटीवी फुटेज की मांग की थी, लेकिन शुरू में रिम्स ने सिर्फ एक महीने का ही सीसीटीवी फुटेज ईडी को उपलब्ध कराया था। लेकिन ईडी के दबाव के बाद रिम्स प्रबंधन ने 29 जुलाई से लेकर अबतक का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराया है। ईडी ने 20 अक्टूबर को पंकज मिश्रा के दो सहयोगियों चंदन यादव और सूरज पंडित को अपने मोबाइल से कई हाई प्रोफाइल लोगों से बात कराते पकड़ा था। दोनों पंकज मिश्रा के ड्राइवर हैं। 14 नवंबर को पंकज मिश्रा के स्वास्थ्य का रिव्यू रिम्स में किया जायेगा। पंकज मिश्रा ने पीएमएलए की अदालत में जमानत की याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

कॉमरेड उमेश यादव की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कटिहार, (हि.स.)। बारसोई से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के दिवंगत नेता उमेश यादव की याद में शनिवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन आज किया गया। इस अवसर पर भाकपा माले व महागठबंधन के सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यरूप से बलरामपुर से विधायक कॉमरेड महबूब आलम, माले नेत्री जूही महबूबा, जेडीयू के नेता रोशन अग्रवाल, सोनू यादव, जेडीयू युवा नेता मोनू यादव, कॉ. शिव कुमार यादव, काजिम इरफानी, शिकारपुर पंचायत के मुखिया अब्बन अंसारी, डॉ. विजय वर्मा, जेडीयू नेता सुमित यादव, अफरोज, शिवानंदपुर पंचायत के मुखिया नियाज अहमद अंसारी, लोजपा नेत्री संगीता देवी मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि बारसोई निवासी कॉमरेड उमेश यादव का 35 साल की छोटी सी उम्र में दिल का दौरा पड़ने से असामयिक निधन हो गया। एक किसान परिवार के उमेश विधायक महबूब आलम के बेहद करीबी और माले के जुझारू नेता थे। वे 2011 में पार्टी में शामिल हुए थे। उनका पारिवारिक घर बारसोई रेलवे स्टेशन के पास था।

राजनीति में आने से पहले उमेश यादव मोबाइल फोन का एक छोटी सी दुकान चलाते थे। बताया जाता है कि विधायक कॉमरेड महबूब आलम जब भी उधर से गुजरते थे तो उनके दुकान पर जाते थे। उमेश यादव इतने सरल स्वभाव के थे की उन्हें सभी वर्गों के लोग बहुत पसंद करते थे, और विशेष रूप से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एकता स्थापित करने और सांप्रदायिकता का विरोध करने में प्रभावी थे।

झारखंड की हवा हो रही खराब, 2023 में एरोसोल प्रदूषण में पांच फीसदी वृद्धि का अनुमान

रांची, (हि.स.)। झारखंड में प्रदूषण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि साल 2023 में एरसोल प्रदूषण में करीब पांच फीसदी की बढ़ोतरी होगी। एरसोल प्रदूषण झारखंड में अत्यधिक असुरक्षित रेड जोन में बना रहेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह है पावर प्लांट से होने वाला उत्सर्जन और गाड़ियों की लगातार बढ़ती संख्या और उससे बढ़ने वाला प्रदूषण। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 13 गीगावाट प्रदूषण सिर्फ गाड़ियों के कारण है। वहीं, थर्मल पावर प्लांट के कारण 49 फीसदी प्रदूषण है, जो पहले 41 फीसदी था। इसके अलावा सॉलिड फ्यूल और वेस्ट बर्निंग से भी 15 फीसदी प्रदूषण रहा है। राज्य में बढ़ते एरोसोल प्रदूषण से निपटने के लिए ताप विद्युत संयंत्रों के उत्सर्जन में कमी की अनुशंसा की गयी है। झारखंड में ठोस ईंधन का उपयोग दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। हालांकि, अध्ययन में पाया गया कि इसका योगदान 2005-2009 व 2015-2019 के बीच 18 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि के दौरान 16 प्रतिशत से 14 प्रतिशत की मामूली कमी के साथ वाहन उत्सर्जन तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। एरोसोल की उच्च मात्रा में समुद्री नमक, धूल, ब्लैक और आर्गेनिक कार्बन जैसे प्रदूषकों के साथ-साथ पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5 और पीएम 10) भी शामिल रहते हैं। सांस के साथ शरीर में प्रवेश करने से ये लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। एरसोल ऑप्टिकल डेप्थ (एओडी) वातावरण में मौजूद एरोसोल का मात्रात्मक अनुमान है और इसे पीएम2.5 के परिमाण के बदले में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में राज्यस्तरीय एरोसोल प्रदूषण का अध्ययन (अ डीप इनसाइट इनटू स्टेट-लेवल एरोसोल पोल्यूशन इन इंडिया) का अध्ययन किया गया है, जिसको बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता के शोधकताओं डॉ अभिजीत चटर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर और उनके पीएचडी स्कॉलर मोनामी दत्ता ने तैयार किया है। यह अध्ययन लंबे अवधि वर्ष 2005 से 2019 से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक किया गया है। इस अध्ययन में पाया गया है कि झारखंड वर्तमान में रेड जोन में है, जो 0.5 से अधिक एओडी वाला अत्यधिक असुरक्षित क्षेत्र है। राज्य में एरोसोल प्रदूषण में पांच फीसदी की वृद्धि का अनुमान है, जिससे वर्ष 2023 में एओडी परिमाण इस असुरक्षित क्षेत्र में बढ़कर 0.6 से अधिक हो जाएगा। एओडी का परिमाण 0 से एक की बीच आंका जाता है। 0 अधिकतम दृश्यता के साथ पूरी तरह साफ आकाश का संकेतक है जबकि एक बहुत धुंधले वातावरण को इंगित करता है। 0.3 से कम एओडी परिमाण ग्रीन जोन (सुरक्षित), 0.3 से 0.4 ब्लू जोन (कम असुरक्षित), 0.4 से 0.5 ऑरेंज जोन (असुरक्षित) है जबकि 0.5 से अधिक रेड जोन (अत्यधिक असुरक्षित) के अंतर्गत आता है।अध्ययन में, 0.4 तक के एओडी परिमाण को एरोसोल प्रदूषण के लिहाज से सुरक्षित माना गया है और इस सीमा से ऊपर के राज्यों को असुरक्षित माना गया है।

श्रमिकों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 28 से एनटीपीसी में होगी हड़ताल

बेगूसराय, (हि.स.)। एनटीपीसी बरौनी में श्रमिकों के साथ हो रहे शोषण एवं दोहन के विरोध में शनिवार को मुख्यद्वार पर गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश भवन एवं पथ निर्माण मजदूर संघ के महामंत्री सह बरौनी विद्युत श्रमिक संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए औद्योगिक विकास और शांति का पक्षधर रही है। दुर्भाग्य की बात है कि बरौनी एनटीपीसी के कुछ अधिकारी भ्रष्ट संवेदकों के साथ सांठगांठ कर श्रमिकों का शोषण एवं दोहन करवाने में सहयोग कर रहे हैं। जिसमें श्रमिकों के माध्यम से वसूले गए मासिक रकम का बड़े पैमाने पर बंदरबांट होता रहा है। उन्होंने कहा कि साईं इंजीनियरिंग के अंदर कार्य कर रहे कोल अनलोडिंग मजदूरों को गेट पास नहीं दिया गया और ना ही सेफ्टी की व्यवस्था की गई है। 220 मजदूरों में मात्र 61 को ही रखा गया, शेष को बगैर पूर्व सूचना के हटाकर भूखा मरने को विवश कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी 13 हजार के बदले सात हजार दिया जा रहा है और 24 घंटे ड्यूटी पर रहने को मजबूर किया जाता है। इतना ही नहीं एनआरजीओ, पावर लिंक लोटस कंपनी के कार्यरत मजदूरों का फाइनल पेमेंट नहीं दिया जा रहा है। रेलवे मेंटेनेंस में कार्यरत मजदूरों को मासिक दो हजार कमीशन नहीं देने पर नौकरी से हटाने की बात की जा रही है। 12 सितम्बर को भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि, एनटीपीसी प्रबंधन तथा सहायक श्रम आयुक्त पटना (केंद्रीय) के बीच त्रिपक्षीय समझौता कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन अभी कोई खास प्रगति नहीं हो सकी है। जिसके कारण मजदूरों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सुनील कुमार ने कहा कि 15 दिन के अंदर किए गए त्रिपक्षीय समझौता को लागू नहीं किया गया तो 28 नवम्बर से श्रमिक हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी एनटीपीसी प्रबंधन की होगी। मौके पर संघ के जिला मंत्री घनश्याम शर्मा, एनटीपीसी श्रमिक संघ के महामंत्री लालधारी राय, नवल यादव, रामेश्वर यादव, राजाराम एवं कार्यालय प्रभारी कौशल किशोर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

नरगाकोठी विद्यालय में मातृ सम्मेलन आयोजित

भागलपुर, (हि.स.)। गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर एवं पूरनमल सावित्री देवी बाजोरिया सरस्वती शिशु मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को मातृ सम्मेलन आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि मानस कथा वाचिका संगीता सुमन, प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक, उप प्रधानाचार्य अशोक मिश्र, शिशु मंदिर प्रभारी जितेंद्र प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि संगीता सुमन ने कहा कि माता बालकों का प्रथम गुरु है। आज का बालक कल का राष्ट्र निमार्ता है। शिक्षा से ही व्यक्ति उत्तम नागरिक बनाता है। अच्छा भैया बहनों के चरित्र का निर्माण होता है। उनके द्वारा रामचरितमानस की चौपाई का वाचन करते हुए माताओं को मातृ सम्मेलन के उद्देश्य की पूर्ति किया गया। प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने कहा कि आदर्श समाज निर्माण में माताओं की भूमिका अहम होती है।

जदयू संगठन चुनाव को लेकर बैठक सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किशनगंज, (हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड के सांगठनिक चुनाव को लेकर जिला कार्यालय कबीर चौक में शनिवार को प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक की बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह अधिवक्ता सत्य प्रकाश गुड्डू ने बताया कि जिला के प्रत्येक प्रखंड में अलग अलग छाव पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। किशनगंज प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी मो काजिस एवं पर्यवेक्षक जानकी सिन्हा, ठाकुरगंज प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी बांके बिहारी एवं पर्यवेक्षक अशोक कुमार, बहादुरगंज प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी मो डॉ नजीरूल इस्लाम एवं पर्यवेक्षक श्रीमती एलिस किस्कू, कोचाधामन प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी नूर इस्लाम नूरी एवं पर्यवेक्षक विजय झा, दिघलबैंक प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी कमरूल हुदा एवं पर्यवेक्षक एहतेशाम अंजुम, टेढागाछ प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सुदामा दास एवं पर्यवेक्षक मुज्जफर हुसैन, पोठिया प्रखंड के प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी नावेद आलम रॉकी एवं पर्यवेक्षक निजामुद्दीन बनाए गए है।

संपादकीय

अब क्या करेंगे इमरान खान

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हुआ हमला भयावह है। शुक्र है कि गोली उनके पांव में लगी और अस्पताल में उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हमलावरों में से एक मौके पर ही मार गिराया गया। दूसरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल उसका कहना है कि उसने इमरान पर हमला उन्हें मार डालने के मकसद से किया था और वह उनके कथित झूठे दावों से नाराज था। यह भी कि इस हमले की योजना उसने खुद बनाई थी और दूसरा कोई भी इसमें शामिल नहीं है। जाहिर है, इस आरोपी के इन बयानों को एक सीमा से ज्यादा तवज्जो नहीं दी जा सकती। लेकिन यह बात भी सही है कि मौजूदा हालात में इस हमले की सचाई किस हद तक बाहर आएगी, इस बारे में आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता। कारण यह है कि कोई ठोस सबूत भले ही न हो, लेकिन पाकिस्तान के अंदर और बाहर बहुत सारे लोग मान रहे हैं कि कहीं न कहीं हमले के पीछे सत्ता में बैठे ताकतवर लोगों का हाथ है। इसकी सबसे बड़ी वजह तो यह है कि पाकिस्तान में ऐसी साजिशों और हमलों का पुराना इतिहास रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है जिसमें सेना और आईएसआई का हाथ होने की बात पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने भी कही थी। उसके अलावा भी वहां सत्ता के लिए चुनौती बनने वालों के साथ निहायत अलोकतांत्रिक व्यवहार करने की रीत सी बनी हुई है। तमाम आरोप लगाकर चुनाव लड़ने पर रोक लगवाना या देश से निकलने पर मजबूर कर देना इसका सबसे 'सभ्य' तरीका रहा है। इमरान खान भी पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान, खासकर सेना की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। पद से हटाए जाने के बाद से इमरान की लोकप्रियता आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ी है। इसके सबूत उनकी सभाओं और रैलियों में जुट रही जबर्दस्त भीड़ के ही रूप में नहीं, उपचुनावों में उनकी पार्टी को मिलने वाली सीटों की संख्या में भी दिखे हैं। लोकप्रियता की इस लहर पर सवार इमरान खान वहां सरकार पर जल्दी चुनाव के लिए दबाव बढ़ाते जा रहे थे, जिसकी अनदेखी करना उसके लिए संभव नहीं रह गया था। जल्दी चुनाव की यह मांग शाहबाज शरीफ की अगुवाई वाली मौजूदा सरकार के लिए ही नहीं पाकिस्तानी सेना और इसके चीफ कमर जावेद बाजवा के लिए भी चिंताजनक है क्योंकि निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में इमरान नए सेना प्रमुख के रूप में कोई प्रतिकूल नाम चुनकर बाजवा की सत्ता पर पकड़ समाप्त कर सकते हैं। माना जा रहा है कि हमले से सरकार के खिलाफ इमरान का अभियान तात्कालिक रूप से ही सही थोड़ा कमजोर तो हुआ है। लेकिन देखने वाली बात यह होगी कि अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटने के बाद इमरान इस हमले से उपजी सहानुभूति का कैसा इस्तेमाल करते हैं और सेना उसकी काट के लिए किस तरह के उपाय अपनाती है।

पाकिस्तान के गुंजरावाला में रैली के दौरान पूर्व पाक पीएम और तहरीक-ए-इंसाफ चीफ इमरान खान पर हुए हमले ने पाक में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसा भी हो सकता है सेना के दखल देने की आशंका है। हालांकि इमरान खान खतरे से बाहर हैं। उन्हें पैर में गोली लगी थी। आरोपी ने कहा कि वह इमरान को मारने ही आया था।

मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे

राजनीतिक असंवेदनशीलता का परिणाम है प्रदूषण

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस की समस्याओं से ग्रस्त लोगों को घर से बाहर न निकलने का सुझाव जारी कर दिया है। पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 400 से 450 के बीच दर्ज किया जा रहा है। लगभग यही स्थिति गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद आदि की है। उत्तर भारत के अन्य अनेक इलाके भी प्रदूषण की चपेट में हैं। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये सरकारों ने ही नहीं गैर-सरकारी संगठनों ने भी व्यापक प्रयत्न किये हैं।

दिल्ली हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पराली एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घने कोहरे में डूबी हुई जानलेवा होती जा रही है। सब जानते हैं कि यह कोहरा नहीं, बल्कि प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। अस्पतालों के बाहर लम्बी कतारें देखने को मिल रही है। खासकर दिल्ली में दिवाली के बाद यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिये निर्देश जारी किये गये मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है, जिसके चलते स्कूल बंद करने और दिल्ली सरकार के आधे कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। दिल्ली और पंजाब सरकारें ने अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य दिये, सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस की समस्याओं से ग्रस्त लोगों को घर से बाहर न निकलने का सुझाव जारी कर दिया है। पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 400 से 450 के बीच दर्ज किया जा रहा है। लगभग यही स्थिति गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद आदि की है। उत्तर भारत के अन्य अनेक इलाके भी प्रदूषण की चपेट में हैं। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये सरकारों ने ही नहीं गैर-सरकारी संगठनों ने भी व्यापक प्रयत्न किये हैं। दिल्ली सरकार ने इसके लिये सख्ती बरती है एवं अणुव्रत विश्व भारती ने ईको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश जन जन के बीच पहुंचाया है, क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में इस साल कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती। पराली के प्रदूषण से "दीपावली" के गौरवपूर्ण सांस्कृतिक अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने की बजाय पराली का स्थायी हल निकाला जाना चाहिए। पराली के प्रदूषण को पटाखों के प्रदूषण के नाम पर ढकने की कुचेष्टा से बचना चाहिए। "दीपावली" हमारी संस्कृति है, सभ्यता है, आपसी प्रेम है, इतिहास है, विरासत है और दीपों की कतारों का आश्चर्य है। पराली से दीपावली के आसपास होने वाले प्रदूषण को पटाखे का प्रदूषण कहना, अतिश्योक्तिपूर्ण विडम्बना है। वास्तव में यह सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में यह साफ हो गया कि अगले कई दिनों तक वायु की गुणवत्ता बहुत गंभीर श्रेणी में रह सकती है, लेकिन दिल्ली और पंजाब की सरकार स्वयं को इसके लिए किंचित भी उत्तरदायी नहीं मानतीं। दिल्ली को सामाजिक-आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में गुजरात चुनाव में पेश कर रहे अरविंद केजरीवाल और उनके साथी ही इस बात की चर्चा नहीं करते कि इससे कितनी क्षति हो रही है। बल्कि इस महासंकट की जिम्मेदारी केन्द्र सरकार पर डालते हुए एक भारी भरकम बजट आवंटित करने की मांग की जा रही है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। हर दिन पराली जलाने की कई सौ घटनाएं दर्ज हो रहीं है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है। किसानों को विकल्प उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी है। केंद्र को प्रांत सरकारों के साथ एवं प्रांत-सरकारों को केन्द्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि यह पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है, यह आम जनजीवन से जुड़ा मुद्दा है। पराली जलाने की समस्या आज की नहीं है। स्वयं केजरीवाल इसके विरुद्ध आवाज उठाते रहे हैं, लेकिन पंजाब में सरकार बनने के बाद इस मामले पर अपने स्वभाव के अनुरूप उन्होंने यू-टर्न ले लिया। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता और सरकार किसानों को समझाने-बुझाने की कोशिश करती तो इस महासंकट से निजात पाया जा सकता था। करोड़ों लोगों की जीवन रक्षा का प्रश्न दलीय राजनीति से बड़ा है। सर्दियां आते ही दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं। प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

कुछ अलग

योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुईं सशक्त, मिली सुरक्षा

प्रदेश में महिलाओं और बेटियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाते हुए उनकी सभी समस्याओं का निदान योगी सरकार ने किया है। योगी सरकार के कार्यकाल में स्वर्णिम योजनाओं ने प्रदेश की महिलाओं और बेटियों के जीवन में आशा की किरण बिखेरी है। आज महिलाएं व बेटियां आत्मनिर्भर यूपी की पहचान बनी हैं। यूपी की महिलाओं और बेटियों के कदम सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश के साथ कदमताल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की महिलाओं व बेटियों के उत्थान, विकास, सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध हैं। योगी सरकार ने मिशन शक्ति जैसे वृहद अभियान की शुरूआत की। जिससे प्रदेश की महिलाओं व बेटियों को संबल मिला है। प्रदेश सरकार ग्रामीण व शहरी परिवेश से जुड़ी हुई महिलाओं और बेटियों को एक ओर आत्मनिर्भर बना रही है तो वहीं उनको सीधे तौर पर आर्थिक सहायता भी मुहैय्या करा रही है। प्रदेश की कमान जब से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाली है तब से आज तक प्रदेश में महिला अपराधों पर लगाम लगी है। शिक्षा, सवास्थ्य, सुरक्षा व रोजगार के क्षेत्र उनके लिए सुविधाओं का विस्तार किया है। सरकार ने प्रदेश में छह माह से छह वर्ष तक आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश के सभी जनपदों में समेकित बाल विकास सेवा योजना संचालित की। जिससे लाखों की संख्या में गर्भवती महिलाएं व कुपोषित बच्चे लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वयं सहायता योजना, उज्ज्वला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, शबरी संकल्प अभियान, महिला शक्ति केन्द्र, किशोरी बालिका योजना, सखी सेंटर, महिला हेल्पलाइन 1090, मिशन शक्ति, घरौनी योजना, कन्या सुमंगला योजना, एंटी रोमियो स्क्वॉड, स्वामित्व योजना से सीधे तौर पर ग्रामीण व शहरी महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी की महिलाओं को सुरक्षा का कवच मिला है। योगी सरकार प्रदेश में महिला बीट प्रणाली को और भी मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 3000 पुलिस पिंक बूथ खोले जाएंगे। जिसके तहत प्रदेश के 75 जनपदों में 40-40 पुलिस पिंक बूथ बनेंगे। प्रदेश में महिलाओं व बेटियों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। जिसके तहत प्रदेश में सेफ सिटी परियोजना शुरू की। महिला सुरक्षा के पिंक बूथ, महिला पुलिसकर्मियों के लिए टू व्हील पिंक पेट्रोल, विशेष सुविधा युक्त पिंक टॉयलेट का निर्माण के साथ डार्क स्पाटस को चिन्हित कर वहां पर प्रकाश की व्यवस्था की गई है जिससे रात में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा। इस परियोजना के तहत संचालित वीमेन पावर लाइन 1090 भी महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। जिसके बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश की महिलाओं व बेटियों के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई हेल्पलाइन नंबर 181, 112 व 1076 से उनकी समस्याओं का निस्तारण तेजी से हो रहा है। सरकार ने टेक्नोलॉजी को बढ़ाते हुए यूपी 112 से इंटीग्रेशन, साइबर फॉरेंसिक सुविधा, डाटा एनालिटिक केन्द्र भी स्थापित किए हैं जिससे महिलाओं की सुविधाओं में इजाफा हुआ है। हॉट स्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, कंट्रोलरूम, सिटी बसों में पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरे से सुविधाओं में काफी इजाफा हुआ है। निश्चित तौर पर सरकार ने जिस तरीके से प्रदेश की महिलाओं और बेटियों के लिए सकारात्मक कार्य किए हैं उससे आने वाले समय में प्रदेश दूसरे प्रदेशों की अपेक्षा बेहतर सुविधाएं व महिलाओं व बेटियों के लिए भयमुक्त माहौल वाला नंबर वन प्रदेश होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी की महिलाओं को सुरक्षा का कवच मिला है। योगी सरकार प्रदेश में महिला बीट प्रणाली को और भी मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 3000 पुलिस पिंक बूथ खोले जाएंगे।

ढहते पहाड़ से बिगड़ता प्राकृतिक संतुलन

बीते सात साल के आंकड़े बताते हैं कि भूस्खलन की घटनाओं में 10 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिक शोध कहते हैं कि बढ़ते भूस्खलनों के लिए जलवायु परिवर्तन के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में बदल रही बरसात की प्रकृति और मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतों के आकार और ढलान में हो रहे परिवर्तन इसकी प्रमुख वजह हैं। पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते। वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। जहां सरकार पहाड़ के प्रति बेपरवाह है, तो पहाड़ की नाराजगी भी समय-समय पर सामने आ रही है। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य है, तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी जंगल उजाड़ दिये गये पहाड़ों से ही हुआ है।

मानसून हमारी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का आधार है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के असर के गहराते ही पहाड़ों पर पावस एक त्रासदी के रूप में कहर बरपा रहा है। वर्ष 2015 से जुलाई, 2022 के बीच देश में पहाड़ों पर भूस्खलन की 2239 घटनाएं दर्ज हुईं। देश के लगभग 13 फीसदी क्षेत्र यानी 4.13 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अब भूस्खलन-संभावित माना गया है। बीते सात साल के आंकड़े बताते हैं कि भूस्खलन की घटनाओं में 10 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिक शोध कहते हैं कि बढ़ते भूस्खलनों के लिए जलवायु परिवर्तन के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में बदल रही बरसात की प्रकृति और मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतों के आकार और ढलान में हो रहे परिवर्तन इसकी प्रमुख वजह हैं। पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते। वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। जहां सरकार पहाड़ के प्रति बेपरवाह है, तो पहाड़ की नाराजगी भी समय-समय पर सामने आ रही है। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य है, तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी जंगल उजाड़ दिये गये पहाड़ों से ही हुआ है। यह विडंबना है कि आम भारतीय के लिए पहाड़ पर्यटन स्थल है या फिर उसके कस्बे का पहाड़ एक डरावनी सी उपेक्षित संरचना। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया, तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आये वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने या कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ को ही निशाना बनाया गया। भारत में भूस्खलन के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी घाट, दार्जिलिंग, सिक्किम और उत्तराखंड आते हैं। पूर्वोत्तर राज्य, पूर्वी घाट, कोंकण पर्वतमाला, नीलगिरी के पहाड़ को उच्च संवेदनशील इलाकों में गिना जाता है। जबकि हिमालय के उस पार के इलाके, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति, गुजरात से दिल्ली तक की अरावली पर्वत, दक्कन का पठार, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा को कम संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। सड़कों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ ढलानों से नीचे आता मलबा नदी-नाले को अवरुद्ध कर देता है। इस कारण दुर्घटनाएं होती हैं। जल धारा अवरुद्ध होने से उसके जल पर निर्भर आबादी को स्वच्छ जल मिलना मुश्किल हो जाता है। पहाड़ के क्षरण से गिरता मलबा नदियों को उथला बना देता है। ऐसे में यदि बरसात भी हो रही हो, तो बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है। भूस्खलन का सबसे बड़ा कारण धरती से हरियाली की छतरी का कम होना है। जिस अरुणाचल प्रदेश को भूस्खलन के लिए सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है, वहां 2021 में 2,57,500 वर्ग किलोमीटर में वनों की कटाई दर्ज की गयी। पूर्वोत्तर राज्य पहाड़ गिरने से अत्यधिक प्रभावित हैं और यहां वनों की कटाई भी सर्वाधिक है। पेड़ों की अनुपस्थिति में मिट्टी और चट्टानों को बांध कर रखने वाले प्राकृतिक गुण कम हो जाते हैं। बगैर पेड़ के धरती पर बरसात की बूंदें चोट करती हैं, जिससे मिट्टी की ऊपरी परत कमजोर हो जाती है। जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने भी पुष्टि की है कि अंधाधुंध वनों की कटाई के चलते पश्चिमी महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में भूस्खलन में इजाफा हुआ है। उत्तर पूर्व के राज्यों में पहाड़ ढहने का एक कारण झूम खेती भी है, जिसके लिए जंगलों को जलाने से धरती की ऊपरी परत को गंभीर नुकसान होता है और जब तेज बरसात होती है, तो जमीन का क्षरण होता है। हिमालय न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक भी चलती रहती हैं। हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है, जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरूपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिये सामने आती है। जब पहाड़ पर तोड़फोड़ या धमाके होते हैं, उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ होती है, तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं, यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है। जलवायु परिवर्तन के चलते भारी और अनियमित बरसात पहाड़ों के गिरने का बड़ा कारण है। उत्तराखंड में भूस्खलन की तीन-चौथाई घटनाएं बरसात के कारण हो रही हैं। कुमाऊं हिमालयी क्षेत्र का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा भूकंप के कारण भूस्खलन की चपेट में है। पहाड़ों की नाराजगी का बड़ा कारण खनन है। खनन जैसी इंसानी मनमानी हरियाली आवरण और मिट्टी की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचा रही है। इससे धरती की भूजल ग्रहण क्षमता कम हो जाती है, फलस्वरूप बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए भूकंप और भारी वर्षा के दौरान कमजोर हो गयी धरती के टुकड़े गिरने लगते हैं। पहाड़ को सबसे बड़ा खतरा बढ़ते शहरीकरण और निर्माण कार्यों से है। यदि पहाड़ से गिरने वाली आफत से निजात पाना है, तो पहाड़ों पर हरियाली को बढ़ाना होगा।

नागरिक बोध

धर्म का एक रूप और एक है इसका स्वरूप,राजस्थान में धर्मांतरण का खेल

धर्म के स्वरूप की पूर्णतः व्यख्या करने वाला कोई शब्द नही है। धर्म के संदर्भ में जितने भी परकीय शब्द है,वे सब एकांगी है,धर्म शब्द जितना विस्तृत है,उतना गहरा भी है। धर्म को एक शब्द में कहना चाहे तो उसे सत्य कह सकते है। धर्म न दूसरा सत्य समाना।धर्म तीनो कालो में अखण्ड और एक रस है,जो अनादि और अनन्त है,वह सत्य है। जो लोग धर्म को बकवास कहते है या कहते है कि धर्म निठल्लो का प्रलाप है। विडम्बना तो यह है कि आज वर्तमान में भी धर्म परिवर्तन की साजिशें भारत मे हो रही है। वह डरावनी है। हररोज हिन्दू धर्मावलम्बी इस क्रूर साजिश का शिकार होते है। राजस्थान में धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। ईसाई मशीनरी बीमारी दूर करने और हिन्दू मूर्ति पूजा से अनर्थ का डर दिखा कर ईसाई बना रहे है। जिसका खुलासा हुआ है। इस तरह की प्रवृति यूपी में फैली थी। जिसका पर्दाफाश किया गया। राजस्थान के सांगानेर में गरीब ग्रामीणों को लालच और डर दिखाकर ईसाई बनाने का प्रयास किया गया था। पूजा को खत्म कर हिन्दू देवी देवताओं को नही मानने और महिलाओं को व्रत से दूर रहने के संदेश दिए गए थे। ये यीशु की चरण में आने और बीमारी दूर करने का दावा कर रहे है। राजस्थान में मशीनरी मंडलियां बनकर धर्मांतरण में जुटे समूहों ने दिवाली में पूजा तक नही करने दे रहे थे। मूर्तियों को कुएं और पीपल पर फेंक कर आए। सीने पर क्रॉस का निशान बनाया गया। प्रार्थना से नही,भगवान को नही मानने की शर्त से दिक्कत है। और भगवान को मानना छोड़ना होगा। सदियों से अत्याचार झेल रहा हिन्दू आज 21वी सदी में भी असुरक्षित है। आतताइयों के शिकंजे से बाहर निकल कर आजादी की सांस लेने लगा ही था कि धर्मनिरपेक्षता की दुहाई देने वाले ही धर्मांतरण कराने में शामिल रहे। आज अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंगलादेश के बात की जाती है कि वहां हिन्दुओ पर अत्याचार हो रहा है। क्या भारत मे हिन्दू सुरक्षित है?यहां पर हर कदम पर भोलीभाली जनता को गुमराह किया जा रहा है। हिन्दुओ को बहला फुसला कर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार राजस्थान की शांति और भाईचारे की दुहाई देती है। लेकिन राजस्थान में कानून की अव्यवस्था देखने को मिल रही है। वह चिंताजनक है। कांग्रेस गुमान में है। कांग्रेस को कानून व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश देने चाहिए। धर्मांतरण के अनेक केस सरकार के नाक के नीचे बन रहे है। सरकार हाथ पर हाथ धर कर बैठी हुई प्रतीत होती है। विवादों के मकड़जाल में फंसी कांग्रेस के नेता एक दूसरे पर आरोप की झड़ी लगाने से बाज नही आते है। इस तरह की घटनाओ को नजरअंदाज किया गया है या कानून की पकड़ ही नही है। धर्म की लकीर पीटकर उसे कारोबार बनाने पर तुले है। धर्म को लाभ हानि का लेखा जोखा मत करो। धर्म को शुद्ध प्रेम करो और धर्म को ही जीवन का सहारा मानना होगा। चंद रुपए के लिए किसी का धर्म परिवर्तन कराकर उसके जीवन से खिलवाड़ करना बन्द करना चाहिए।भगवान के घर से धर्म सुनिश्चित होते है। भगवान की इस रचना को चुनौती मत दो।क्योकि स्व धर्म के प्रति प्रेम,पर धर्म के प्रति आदर और अधर्म के प्रति उपेक्षा मिलकर धर्म हो जाता है। जब भी कोई धर्म परिवर्तन करता है या किसी का धर्मांतरण होता है तो वह परिवर्तन और अंतरण सम्प्रदायो के होते है,धर्म के नही,धर्म मे धर्मांतरण जैसी कोई चीज नही होती। याद रखना जिस तरह से मनुष्य और मनुष्यता के साथ आपका व्यवहार है उसका हिसाब सबको देना पड़ता है। खुश होने से कुकर्म की सजा कम नही होती है।

देश दुनीया से

पूर्वोत्तर में कुपोषण की समस्या

भारत में पीढ़ीगत कुपोषण चिंता का विषय रहा है। बच्चों में इस समस्या का मुख्य कारण बाल विवाह और किशोरावस्था में गर्भधारण है, जिसके स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार पर दीर्घकालिक प्रभाव होते हैं। माता व शिशु तथा किशोरवय में स्वास्थ्य में निवेश के अच्छे परिणाम निम्न व मध्य आय के देशों में देखने को मिलते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल विवाह में ठहराव है, लेकिन किशोर आयु में गर्भधारण बढ़ा है। पिछले सर्वे की तुलना में इस बार त्रिपुरा और असम में राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक बाल विवाह और कम आयु में गर्भधारण के मामले सामने आये हैं। मणिपुर और मेघालय में राष्ट्रीय औसत से अधिक किशोरावस्था में गर्भधारण होता है। मेघालय में पांच साल से कम आयु के बच्चों के विकास में अवरोध की दर 46.5 है, जो पूर्वोत्तर और देश में सर्वाधिक है। इस मामले में त्रिपुरा की स्थिति भी चिंताजनक है। मणिपुर, सिक्किम और असम में भी यह दर बहुत अधिक है। कुपोषण के साथ-साथ पूर्वोत्तर में पांच साल से कम आयु के बच्चों में अधिक वजन की समस्या भी चिह्नित की गयी है। मेघालय के अलावा क्षेत्र के सात राज्यों में अधिक वजन की समस्या में वृद्धि के रुझान पाये गये हैं। सिक्किम में कम वजन के बच्चों की संख्या में तीन प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, लेकिन अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों में मोटापा की औसत दर 2.1 प्रतिशत है, पर पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में यह दर इससे अधिक है। स्त्रियों के पोषण को देखें, तो एक ओर दुबली महिलाओं की संख्या 2015-16 के 22.9 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 18.3 प्रतिशत हुई है, लेकिन मोटापा का स्तर 20 से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गया है। साथ ही, 15 से 45 साल के आयु वर्ग में खून की कमी से ग्रस्त महिलाओं की संख्या 53 से 57 प्रतिशत हो गयी है। तथ्य इंगित करते हैं कि किशोर महिलाओं से जन्मे बच्चों में बाधित विकास अन्य की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। गरीबी और लैंगिक भेदभाव पीढ़ीगत कुपोषण के चक्र को और अधिक मजबूत बनाते हैं, जिससे मानसिक और शारीरिक विकास बाधित होता है। कुपोषण की यह स्थिति माता और शिशु में समुचित निवेश की मांग करती है। खून की कमी के रुझान पांच साल से कम आयु के बच्चों, 15 से 49 साल के आयु वर्ग की महिलाओं तथा 15 से 19 साल की लड़कियों में बढ़ते हुए पाये गये हैं। मेघालय के अलावा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बच्चों में खून की कमी के मामले बढ़े हैं। यह असम में 68.4, मिजोरम में 46.4, मणिपुर में 42.8 और त्रिपुरा में 64.3 प्रतिशत है। खून की कमी से ग्रस्त महिलाओं की राष्ट्रीय दर 57 प्रतिशत है, जबकि असम में यह 65.9 प्रतिशत है। असम और त्रिपुरा में किशोर लड़कियों में भी यह समस्या बढ़ी है। यदि खून की कमी से ग्रस्त किशोर महिला गर्भधारण करती है, तो शिशु को जन्म देते समय उसकी मौत होने, शिशु का वजन कम होने तथा उसमें भी खून की कमी होने जैसे खतरे बहुत बढ़ जाते हैं। राष्ट्रीय कुपोषण सर्वे के अनुसार असम में 40 फीसदी किशोर लड़कियों में खून की कमी की समस्या है। लगभग 25 प्रतिशत किशोरियों को मिड-डे मील, साल में दो बार स्वास्थ्य जांच, आयरन एवं फोलिक एसिड की साप्ताहिक खुराक जैसी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली आयरन एवं फोलिक एसिड की साप्ताहिक खुराक जहां सिक्किम में 31.5 प्रतिशत महिलाओं को मिलती है, वहीं नागालैंड में यह आंकड़ा मात्र 4.1 प्रतिशत है। पूर्वोत्तर के आठ में से छह राज्यों में स्तनपान की दर में भी गिरावट आयी है।

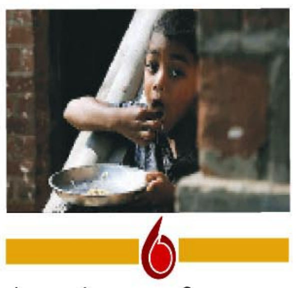

देशभर में बदलाव की सफल कहानियां इंगित करती हैं कि लड़कियों एवं महिलाओं में निवेश करने तथा पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की आवश्यकता है। अध्ययन बताते हैं कि जीवनभर पोषण में निवेश करने से कुपोषण के पीढ़ीगत चक्र से छुटकारा पाया जा सकता है।

दुनिया में गहराता ही जा रहा है उर्वरक संकट, अनाज की पैदावार पर होगा खराब असर

टोक्यो ।
एशिया और अफ्रीका के एक बड़े हिस्से में कम अनाज पैदा होने की आशंका गहरा गई है। इसके पीछे एक बड़ा कारण उर्वरकों की तेजी से बढ़ी कीमतें हैं, जिसकी वजह से किसानों के लिए इन्हें हासिल करना कठिन हो गया है। जानकारों ने राय जताई है कि फसल कम होने के कारण दुनिया में पहले खड़ा चुका खाद्य संकट और गंभीर रूप ले सकता है। यूक्रेन में रूस के विशेष सैनिक कार्रवाई शुरू करने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर बेहद सख्त प्रतिबंध लगा दिए। उर्वरकों की महंगाई उसका ही नतीजा है। रूस और बेलारुस पोटेशियम क्लोराइड के प्रमख निर्यातक हैं, जिसका उर्वरक उत्पादन में इस्तेमाल होता है। इसके अलावा रूस प्राकृतिक गैस का भी प्रमुख सप्लायर है, जिससे यूरोप में ज्यादतर उर्वरक कारखाने चलाए जाते हैं। प्राकृतिक गैस की महंगाई का असर उर्वरक उत्पादन और इनकी कीमत पर पड़ा है। बेलारुस रूस का खास सहयोगी देश है। इसलिए पश्चिमी देशों ने उस पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। गैर-ऑर्गेनिक खादों के उत्पादन में नाईट्रोजन, फॉस्फोरिक एसिड और पोटाशियम क्लोराइड का खास इस्तेमाल होता है। दुनिया भर में पोटेशियम क्लोराइड की जितनी खपत होती है, उसके 40 फीसदी हिस्से की आपूर्ति रूस और बेलारुस करते रहे हैं। विश्व बैंक ने बीते महीने एक रिपोर्ट में बताया कि इन दोनों देशों पर लगे प्रतिबंधों के कारण उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतों में इस वर्ष 60 से 70 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में कहा है कि विश्व बाजार में आपूर्ति घटने के साथ ही धनी देशों ने उर्वरकों और इनमें इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की जमाखोरी शुरू कर दी। अमेरिका ने बीते सितंबर में अपने घरेलू उर्वरक बाजार के लिए 50 करोड़ डॉलर की सब्सिडी का एलान किया। इसके पहले अमेरिका ने मार्च में 25 करोड़ डॉलर सब्सिडी का एलान किया था। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने कहा है कि देश के अंदर गैर-ऑर्गेनिक खादों की सप्लाई बनी रहे, इसके लिए वह खास इंतजाम कर रहा है। उधर जापान ने रूस से आपूर्ति रुकने के बाद अब मोरोक्को और कनाडा से उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का आयात शुरू किया है।

लेकिन बहुत से विकासशील देश इस तरह के कदम उठाने की स्थिति में नहीं हैं। उन देशों में उर्वरकों की भारी कमी होने की खबर है।

न्यूज ब्रीफ

मध्यावधि चुनाव के बाद भारत और अमेरिकी रिश्तों को मिलेगी नई गति

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव नतीजों के साथ ही देश में भारत को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। विशेषज्ञों ने भारत-अमेरिकी संबंधों को लेकर कहा है कि ये रिश्ते चुनाव नतीजों से पूरी तरह अप्रभावित रहेंगे। विशेषज्ञों ने कहा कि अगले साल दोनों देशों के रिश्ते और भी अधिक गति पकड़ेंगे। 'यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' ने जहां दोनों देशों में सुरक्षा और वाणिज्यिक रिश्तों को पहली प्राथमिकता बताया वहीं 'हडसन इंस्टीट्यूट' थिंक टैंक ने कहा कि मौजूदा चुनाव नतीजे विदेश नीति में निरंतरता सुनिश्चित करेंगे। 'सीएसआईएस' थिंक-टैंक के रिक रोसो ने कहा कि चुनाव के नतीजों और सीनेट में किसका बहुमत है इसका असर भारत-अमेरिकी रिश्तों पर नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि दोनों देशों के रिश्तों को दोनों दलों का समर्थन मिलता रहा है। 'भारत-अमेरिकी कारोबार परिषद' के अध्यक्ष अतुल कश्यप ने कहा, भारत-अमेरिकी रिश्तों को द्विदलीय समर्थन मिला हुआ है। कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर दोनों देशों को काम करने की जरूरत है। सीएसआईएस थिंक-टैंक के रिक रोसो ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को लेकर चिंता जैसे साझा हितों के मुद्दे अमेरिका को भारत से जोड़ते हैं और इस पर चुनाव नतीजों का कोई असर नहीं होगा। हालांकि सबसे पहले हम चाहेंगे कि सीनेट भारत में अमेरिकी राजदूत नियुक्त करे। भारतीय मूल की अमेरिकी नबीला सईद ने हाल ही में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में इतिहास रच दिया है। वह इलिनॉइस की जनरल असेंबली में पहुंचने वाली 23 साल की सबसे कम उम्र की सदस्य बन गईं हैं। उन्होंने रिपब्लिकन विपक्षी क्रिस बोस को हराया।

गर्भवती मां को 100 बार चाकू से गोदा, कोख चीरकर निकाल लिया बच्चा, अदालत ने सुनाई मौत की सजा

वाशिंगटन । अमेरिका की एक अदालत ने हत्या के आरोप में एक महिला को मौत की सजा सुनाई है। महिला ने एक बच्चे की चाहत में क्रूरता की सारी हदों को पार कर दिया। उसने एक गर्भवती महिला को पीट-पीटकर मार डाला। इतना ही नहीं, उसके पेट को चीरकर बच्चे को भी निकाल लिया, जिसकी बाद में मौत हो गई। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी महिला को दानव का नाम भी दिया। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के न्यू बॉस्टन की रहने वाली टायलर रेना पार्कर ने 21 साल की महिला सीमन्स हैनकॉक की हत्या कर दी थी। जिस समय यह हत्या की गई, हैनकॉक गर्भवती थीं। जांच में पाया गया कि पार्कर ने हैनकॉक की हत्या के लिए पहले हथौड़े से सिर पर वार किया और बाद में चाकू से उसका पेट चीर डाला। तीन अक्तूबर को आरोपी पार्कर को मामले में दोषी ठहराया गया था।

अमेरिका ने भारत को दो साल बाद अपनी करेंसी मॉनिटरिंग लिस्ट से किया बाहर, चीन अभी भी सूची में शामिल

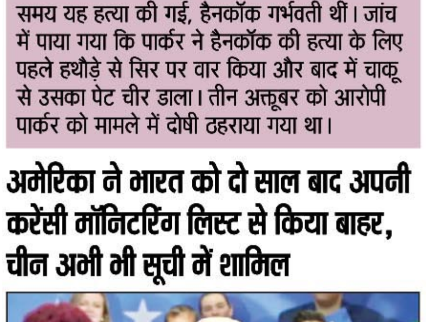

वांशिगटन । अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारत को अपनी करेंसी मॉनिटरिंग लिस्ट से बाहर कर दिया है। भारत पिछले दो सालों से अमेरिका की करेंसी मॉनिटरिंग लिस्ट में था। भारत के अलावा अमेरिका ने इटली, मैक्सिको, थाईलैंड और वियतनाम को भी इस सूची से बाहर कर दिया है। इन देशों के साथ ही अमेरिका ने शुक्रवार को भारत को अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की मुद्रा निगरानी सूची से बाहर कर दिया। ट्रेजरी विभाग ने कांग्रेस को दी गई अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया। गौरतलब है कि किसी देश की फॉरेन एक्सचेंज पॉलिसी पर संदेह होने पर अमेरिका उसे निगरानी सूची में डाल देता है। अमेरिका द्वारा यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब यूएस ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन नई दिल्ली के दौरे पर हैं। अपने दिल्ली दौरे पर उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुलाकात और वार्ता भी की। येलेन की भारत यात्रा से पहले अक्तूबर में भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका गई थीं।

जयशंकर ने नामपेन्ह में की यूक्रेन के विदेश मंत्री कुलेबा से मुलाकात, परमाणु खतरे पर की बात

नामपेन्ह ।
कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह में आयोजित आसियान-भारत स्मारक शिखर सम्मेलन के मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन जंग व परमाणु खतरे समेत तमाम मसलों पर बात की। जयशंकर ने ट्वीट कर बताया कि हमारी चर्चा में यूक्रेन संघर्ष, वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच अनाज पहल और परमाणु चिंता से जुड़े तमाम मसले शामिल थे।

परमाणु जंग का खतरा

यूक्रेन में जारी जंग के बीच रूस द्वारा परमाणु ताकत के इस्तेमाल की आशंका को लेकर मीडिया रिपोर्ट आती रहती है। हालांकि, रूस कई बार कह चुका है कि वह परमाणु विकल्प का इस्तेमाल नहीं करेगा। दूसरी ओर यूक्रेन के समीप परमाणु मिसाइलें दागने वाले लड़ाकू विमानों को भी तैयार रखा गया है। इससे जंग में परमाणु युद्ध में बदलने की आशंका गहराती रहती है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने रूस को परमाणु हमले की आशंका को लेकर कई बार चेतावनी दी है।

जंग में रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए

बता दें, रूस व यूक्रेन में बीते करीब नौ माह से जंग जारी है। हाल में एक शीर्ष अमेरिकी जनरल ने दावा किया है कि यूक्रेन जंग में रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं या जख्मी हुए हैं। जंग में दोनों देशों को इसमें भारी नुकसान व तबाही का सामना करना पड़ रहा है।

नाटो की सदस्यता पर अड़े पूर्व सोवियत संघ के सदस्य देश यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। उसके बाद से रूस ने यूक्रेन के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, नाटो की मदद के दम पर यूक्रेन रूसी फौज को कड़ी टक्कर दे रहा है। इसी कारण जंग लंबी खींच गई है।

शीर्ष अमेरिकी जनरल मार्क मिले ने बुधवार को न्यूयॉर्क के इकानॉमिक क्लब के कार्यक्रम में दावा किया था कि यूक्रेन में 1,00,000 से अधिक रूसी सैन्यकर्मी मारे गए हैं या घायल हुए हैं। यूक्रेन की सेना को भी इतना ही नुकसान होने की संभावना है।

रूस या यूक्रेन की जीत संभव नहीं

जनरल मिले ने यह भी कहा कि बातचीत से ही जंग खत्म हो सकती है। रूस या यूक्रेन यह जंग सैन्य तरीकों से जीत नहीं सकते। मिले ने कहा कि सैन्य साधनों से जीत हासिल नहीं की जा सकती, इसलिए इसे खत्म करने के अन्य तरीके आजमाने की जरूरत है।

खेरसान से हट रही रूसी फौज

जनरल मिले की यह टिप्पणी रूस द्वारा अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन के खेरसान शहर से हटने का आदेश देने के बाद आई है। खेरसान से रूसी सेना का पीछे हटना, मॉस्को के सैन्य अभियान के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने इस पर प्रतिक्रिया में कहा है कि रूसी सेना के बिना लड़ाई के खेरसान जैसा रणनीतिक शहर छोड़ने की संभावना नहीं थी। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि रूस का पीछे हटना इस बात का सबूत है कि युद्ध के मैदान पर वह समस्याओं का सामना कर रहा है।

सिंगापुर के कसीनो में भारतीय मूल के व्यक्ति ने चुराए कैश चिप्स, मिली पांच हफ्ते की सजा

सिंगापुर ।
सिंगापुर में एक भारतीय मूल के व्यक्ति को पांच सप्ताह कैद की सजा सुनाई गई है। उसे यह सजा वहां के एक कसीनो में दूसरे सट्टेबाजों के कसीनो कैश चिप्स चुराने के आरोप में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने 34 मौकों पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया। सिंगापुर की एक अदालत ने उसे यह सजा सुनाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 26 साल के आरोपी का नाम चिन्नासामी मुनिराज है। अदालत में दी गई जानकारी के मुताबिक, आरोपी मुनिराज वहां मजदूरी का काम करता था। उसे 14 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। चिन्नासामी मुनिराज इस साल जुलाई में चार दिन बेफ्रंट एवेन्यू में मरीना बे सैंड्स कैसीनो गया था। इन दिनों में उसने अपने सभी कैश चिप्स का उपयोग करने के बाद अन्य संरक्षकों से नकद चिप्स को धोखे से चुरा लिया। जानकारी के मुताबिक, इस साल 10 जुलाई से 14 जुलाई के बीच चिन्नासामी ने 34 मौकों पर 845 सिंगापुर डॉलर के कैश चिप्स चुराए। 10 जुलाई को जब वह कैसीनो में सिक-बो का खेल खेल रहा था। फिर उसने डीलर से झूठ बोला कि खेल का जीतने वाला दांव उसी का है। इस तरह धोखे से उसने अपनी जीत के रूप में 175 सिंगापुर डॉलर के कुल मूल्य कैश चिप्स प्राप्त किए। जबकि जीतने वाला दांव वास्तव में किसी अन्य जुआरी द्वारा लगाया गया था। बता दें कि कैसीनो नियंत्रण अधिनियम के तहत एक कैसीनो गेम में धोखाधड़ी से अपने लिए नकद चिप्स प्राप्त करने के आरोप में सात साल तक की जेल हो सकती है। इतना ही नहीं सजा के साथ ही 150,000 सिंगापुर डॉलर(108,000 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वहीं, एक अन्य मामले में सिंगापुर की अदालत ने भारतीय मूल के एक 59 वर्षीय व्यक्ति को आरोपी साबित किया गया है। उस पर धोखाधड़ी और फ्राड के आरोप हैं। अदालत ने शुक्रवार को 9.8 मिलियन एसजीडी से जुड़े भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों में भारतीय मूल के हरीश सिंघल को आरोपी करार दिया।

रूस की सेना पीछे हटी, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले- खेरसॉन अब हमारा है..

कीव।
रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर पूरी दुनिया की नजर है। ताजा खबरों के मुताबिक रूसी सेना खेरसॉन क्षेत्र से पीछे हट गई है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी दावा करते हुए कहा है कि खेरसॉन अब हमारा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति का यह भी कहना है कि यूक्रेनी सेना की विशेष इकाइयों ने खेरसॉन शहर में प्रवेश कर लिया है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के दक्षिणी खेरसान क्षेत्र में नीपर नदी के पश्चिमी किनारे से अपने सभी सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। यह कदम यूक्रेन में युद्ध के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए एक और झटका माना जा रहा है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि शुक्रवार सुबह 5 बजे सैनिकों की वापसी पूरी हुई और अब वहां एक भी सैन्य इकाई नहीं बची है। जिन क्षेत्रों से रूस की सेना ने वापसी की है उनमें खेरसान शहर भी शामिल है। इसके बाद यूक्रेन की सेना खेरसान शहर में दाखिल हो गई है। रूसी सेना के भागने के बाद नागरिकों ने यूक्रेनी सेना का राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वागत किया। यूक्रेनी सेना की खुफिया सेवा ने बताया कि खेरसान नियंत्रण में आ गया है। वहां सेना की टुकड़ियां पहुंच चुकी हैं। हालाकि रूसी सेना

खेरसान छोड़ने से पहले संग्रहालयों, सरकारी इमारतों, अस्पतालों और घरों में जमकर लूटपाट मचाई। रूस शुक्रवार को बचाव की मुद्रा में रहा और जोर देता रहा कि सैनिकों की यह वापसी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाली नहीं है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि मॉस्को अब भी खेरसान को रूसी हिस्सा मानता है। कहा, क्रेमलिन को करीब एक माह पूर्व खेरसान व तीन अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर खुशी मनाने पर कोई अफसोस नहीं है। अमेरिकी सरकार यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में और 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर भेज रही है। पेंटागन के अनुसार, इस सैन्य सहायता पैकेज में भारी मात्रा में हथियार और पहली बार चार अत्यंत सचल एवेंजर एयर डिफेंस सिस्टम भेजे जाएंगे।

दुनिया में बढ़ रही चीनी पुलिस स्टेशनों की संख्या: ड्रैगन ने 21 देशों के 25 शहरों में अवैध थाने खोले, यहां अपने ही नागरिकों को टॉर्चर कर रहा

टोरंटो(कनाडा)।
एक एक्टिविस्ट ग्रुप ने दावा किया है कि चीन दुनियाभर में अवैध पुलिस स्टेशन खोल रहा है। पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्स और दूसरे देशों में रहने वाले चीनी नागरिकों को यहां बंदी बनाकर रखा जा रहा है। चीन की दूसरे देशों में ऐसी दखलंदाजी खतरे की घंटी है।

इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट एंड सिक्योरिटी ने कुछ रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा- चीन ने नीदरलैंड, कनाडा, आयरलैंड, नाइजीरिया समेत 21 देशों के 25 शहरों में अवैध पुलिस स्टेशन बनाए हैं। ये सीधे तौर पर किसी भी देश की संप्रभुता और सुरक्षा के खिलाफ है।

इंटरनेशनल फोरम ने स्पेन के सिविल साइट ग्रुप का हवाला देते हुए कहा- चीन के फूजौ और किंग्टियन शहर में बैठे अधिकारी अवैध पुलिस स्टेशन को चला रहे हैं। उनके सुपरविजन में यहां लोगों को बंदी बनाया जा रहा है। इन पुलिस स्टेशनों

के दो ही मकसद हैं। पहला- दूसरे देशों में रह रहे चीनी प्रवासियों को वापस चीन जाने के लिए राजी करना। दूसरा- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और प्रेसिडेंट शी जिनपिंग के खिलाफ जाने वाले या आवाज उठाने वालों को डराना, धमकाना और टॉर्चर करना। इस मामले में चीन की तरफ से कोई साफ जवाब नहीं मिला है। हालांकि, चीन सरकार के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज भी नहीं किया है। कनाडा में स्थित चाइनीज ऐंबैसी का कहना है कि ये पुलिस स्टेशन देश में रहने वाले चीनी नागरिकों की मदद के लिए बनाए गए हैं। फोरम के मुताबिक, कुछ ऐसे डॉक्युमेंट्स भी सामने आए हैं जिसमें ये कहा गया है कि अवैध पुलिस स्टेशन कई साल पुराने हैं, इनकी जानकारी अभी सामने आई है। चीन अफ्रीका में ऐसे ही जासूसी करता था। अब दूसरे देशों में भी जाल बिछा रहा है। 2018 में इथोरिया की राजधानी में अदीस अबाबा में अफ्रीकन यूनियन बिल्डिंग में कुछ सर्वर मिले थे। चीन ने एक ऐसा डिजिटल नेटवर्क बनाया था जिनसे सीक्रेट डेटा और वीडियोज चीनी सरकार के पास ट्रांस्फर किए जाते थे। ये पहली बार नहीं है जब चीन अपने ही नागरिकों को परेशान कर रहा हो। इसके पहले एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया था कि चीन पॉलिटिकल प्रिजनर्स और एक्टिविस्ट्स को मनोरोगी हॉस्पिटल में सजा दे रहा है। उन्हें वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर और साइकेट्रिक हॉस्पिटलों में इलाज के बहाने से भर्ती कराया जाता है। यहां उनके साथ मार-पीट की जाती है, इलेक्ट्रिक शॉक दिया जाता है। कई बार तो उन्हें महीनों तक कमरे में बंद कर दिया जाता है। चीनी सरकार के अधिकारी डिटेंशन सेंटर में अल्पसंख्यकों को कैद करके रखते हैं। यहां उन्हें जबरन दवाइयां देते हैं। उन पर परिवार नियोजन और बर्थ कंट्रोल नीतियों की भेदभावपूर्ण नीति लागू की जाती है।

वैश्विक स्तर पर अति-आवश्यक टीकों की सुलभ उपलब्धता में कई अड़चनें, डब्लूएचओ की रिपोर्ट में सामने आई बात

जिनेवा।
यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने अपनी 'वैश्विक वैक्सीन बाजार' रिपोर्ट बुधवार को प्रकाशित की जिसमें पहली बार वैक्सीन बाजारों पर कोविड-19 महामारी से उपजे प्रभावों की पड़ताल की गई है। साथ ही, विश्व भर में टीकों के विषमतापूर्ण वितरण को भी रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार टीकों की सीमित आपूर्ति और असमान वितरण, वैश्विक विषमताओं की मुख्य वजह है।

उदाहरणस्वरूप, सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध विश्व स्वास्थ्य संगठन वैक्सीन को केवल 41 फीसदी निम्न-आय वाले देशों में ही शुरू किया गया है, जबकि इन्हीं देशों में इस बीमारी के अधिकांश मामले सामने आते हैं। इसके विपरीत, उच्च-आय वाले 83 प्रतिशत देशों में यह वैक्सीन उपलब्ध है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने जोर देकर कहा कि उत्तम स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को पाने के अधिकार में, वैक्सीन उप्लब्धता के अधिकार को भी शामिल किया जाना होगा। उनके अनुसार यह रिपोर्ट दर्शाती है कि मुक्त-बाजार व्यवस्था व तौर-तरीकों के कारण, विश्व के कुछ

निर्धनतम देश और सर्वाधिक निर्बल समुदाय इस अधिकार से वंचित हो रहे हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने वैक्सीन वितरण में अति-आवश्यक बदलाव किए जाने पर बल दिया है, ताकि लोगों की जिंदगी की रक्षा, बीमारी की रोकथाम और भावी संकटों से निपटने की तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

हालांकि दुनिया भर में वैक्सीन उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है, लेकिन यह अब भी कुछ ही देशों में केंद्रित है। कोविड-19 से इतर, अन्य टीकों के लिए दस निर्माता कंपनियां वैक्सीन की 70 प्रतिशत खुराक प्रदान करती हैं। विश्व भर में सर्वाधिक इस्तेमाल में लाई जाने वाली शीर्ष 20 वैक्सीन में से अनेक टीके, मुख्यत: केवल दो आपूर्तिकर्ताओं पर ही निर्भर हैं। सीमित संख्या में विनिर्माता होने के कारण टीकों की किल्लत होने और क्षेत्रीय स्तर पर आपूर्ति न हो पाने का खतरा होता है। वर्ष 2021 में, अफ्रीकी और पूर्वी भूमध्यसागर क्षेत्र में स्थित देश अपने 90 फीसदी टीकों के लिए किसी अन्य देश में स्थित विनिर्माता कंपनी पर निर्भर थे। वैक्सीन की सुलभता में एक बड़ा अवरोध उनकी कीमत भी है जोकि कुछ देशों की पहुंच से बाहर है।

टीकों की कीमतों को अक्सर आय के आधार पर तय किया जाता है मगर अनेक वैक्सीन उत्पादों के लिए मध्यम-आय वाले देशों को अक्सर, संपन्न देशों जितने, या कभी-कभी उससे अधिक दाम चुकाने पड़ते हैं। पिछले वर्ष 141 अरब डॉलर मूल्य की 16 अरब वैक्सीन खुराकों की आपूर्ति की गई थी। यह आंकड़ा वर्ष 2019 में पांच अरब 80 करोड़ खुराकों का लगभग तीन गुना और उसी दौरान 38 अरब डॉलर बाजार मूल्य का साढ़े तीन गुना है।

कोविड-19 वैक्सीन के कारण मुख्यत: यह वृद्धि देखी गई, जो यह भी दर्शाता है कि स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैक्सीन विनिर्माता किस तरह अपने उत्पादन का स्तर बढ़ा सकते हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने सरकारों, विनिर्माता कंपनियों और साझेदार संगठनों से महत्वाकांक्षी कदम उठाने की मांग की है, ताकि टीकों की सुलभता सुनिश्चित की जा सके और भावी महामारियों से निपटने की कार्रवाई को बेहतर बनाया जा सके।

गुजरात विस चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान गायब

जयपुर (हिंस)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची में से राजस्थान गायब है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी के बाद जारी हुई 40 स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान के किसी भी नेता को जगह नहीं दी गई है। सूची में राजस्थान से एकमात्र सांसद भूपेंद्र यादव का नाम जरूर है, लेकिन उन्हें भी गुजरात चुनाव प्रभारी के कारण सूची में जगह दी गई है। गुजरात से पहले हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए जारी हुई स्टार प्रचारकों की सूची में भी राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के नाम साइडलाइन थे। उम्मीद की जा रही थी कि *पड़ोसी* राज्य होने के नाते ही सही, गुजरात में स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान के नेताओं को जगह मिल सकती है, लेकिन इस बार भी नाउम्मीदी हाथ लगी है। गुजरात विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच पिछले कुछ दिनों से राजस्थान में भी खासी हलचल देखने को मिली थीं। पड़ोसी राज्य होने के कारण प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और अन्य कुछ नेताओं का गुजरात प्रवास भी हुआ। गुजरात में बड़ी संख्या में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों के बीच पार्टी पक्ष में माहौल बनाने के लिए राजस्थान से कुछ नेताओं को स्टार प्रचारक बनाने की चर्चा भी परवान पर रहीं। लेकिन, इसके बावजूद 40 स्टार प्रचारकों की सूची में प्रदेश के किसी भी नेता को जगह नसीब नहीं हुई है। गुजरात चुनाव प्रचार के लिए जारी स्टार प्रचारकों की सूची में न तो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम है और न ही राजस्थान से केंद्र सरकार में शामिल तीन मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और कैलाश चौधरी का ही नाम है। चौंकाने वाली बात इस लिहाज से भी है कि गुजरात से पहले हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए जारी स्टार प्रचारकों की सूची में भी राजस्थान के किसी नेता को जगह नहीं दी गई थी। हिमाचल प्रदेश के बाद गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की जारी स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान प्रदेश के किसी भी नेता को जगह नहीं मिल पाने से ये विषय राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। चर्चा इस बात की हो रही है कि कांग्रेस पार्टी ने तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को *स्टार* मानते हुए अपने प्रचार अभियान की सूची में शामिल किया है, जबकि भाजपा ने सीनियर नेताओं की फौज होने के बावजूद किसी भी नेता को जगह नहीं दी है। माना ये जा रहा है कि राजस्थान में धड़ों में बंटी भाजपा और नेताओं में बेवजह चल रही खींचतान के कारण केंद्रीय संगठन खफा है।

शांतिपूर्वक हुआ मतदान एसपी डीसी ने किया निरीक्षण

सोनीपत (हिंस)। जिला सोनीपत में शनिवार को मतदान शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो गया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त ललित सिवाच ने पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग के साथ लगभग एक दर्जन मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात संबंधित अधिकारियों तथा मतदाताओं के साथ चर्चा की। उन्होंने बैंयापुर-लहराड़ा से होते हुए वे सीधे रोहट गांव में पहुंचे। सिसाना, गढ़ी सिसाना, सिलाना, फरमाणा माजरा, गुहणा, तिहाड़ मलिक, पिनाना, बीधल, बड़ौता, छिछड़ाना और मोहाना आदि गांवों में स्थापित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। एक जगह पर 102 साल की अंगूरी वोट डालने के लिए लेकिन व्हील चेयर नहीं मिली तो युवाओं ने उसको कुर्सी पर बैठाकर मतदान करवाया।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5057 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा

जयपुर (हिंस)। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को वनरक्षक भर्ती परीक्षा की शुरुआत सुबह 10 बजे से हुई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से वनरक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रदेश में 5057 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 2300 पदों के लिए हो रहा है। बोर्ड की ओर से जारी की गई गाइडलाइन को देखते हुए परीक्षार्थियों ने सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना शुरू कर दिया था। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आरंभ होने से आधा घंटा पहले परीक्षार्थियों का प्रवेश बंद कर दिया गया। बोर्ड ने परीक्षार्थियों को निर्देश दिए थे कि वे परीक्षा आरंभ होने के निर्धारित समय से डेढ़ घंटा पहले ही परीक्षा केंद्र पहुंच जाएं। ऐसे में जो परीक्षार्थी देरी से पहुंचे वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए। बोर्ड ने मास्क पहन कर आने के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन अधिकांश परीक्षार्थी बिना मास्क के ही परीक्षा में शामिल हुए। दो दिन चलने वाली इस परीक्षा का आयोजन चार पारियों में किया जा रहा है। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 16 लाख 36 हजार 516 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें से 3 लाख 20 हजार से ज्यादा अकेले जयपुर शहर में हैं। शनिवार को पहले दिन दो पारियों में सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरी पारी में दोपहर में दूसरी पारी में 2.30 से 4.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के अतिरिक्त यह परीक्षा अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बूंदी, बारां, झालावाड़, पाली, धौलपुर, सीकर, झुंझुनू, नागौर, दौसा, सवाईमाधोपुर, चूरू, चित्तौडगढ़, राजसमंद, हनुमानगढ़ और प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय पर ली जा रही हैं। राजस्थान रोडवेज की ओर से परीक्षार्थियों को मुफ्त यात्रा का तोहफा दिया गया है। ऐसे में अत्यधिक यात्रीभार की संभावना को देखते हुए रोडवेज की ओर से शहर के चार कोनों में अस्थाई बस स्टैंड आज से शुरू किए गए हैं। दोपहर 12 बजे तक सिंधीकैंप बस स्टैंड से ही सभी श्रेणी की बसें संचालित होंगी। लेकिन, उसके बाद कल देर रात तक सिंधीकैंप से केवल स्लीपर और वोल्वो बसें ही संचालित होंगी। साधारण एवं द्रुतगामी बस सेवा संबंधित रूट के अस्थाई बस स्टैंड से संचालित होगी। बोर्ड ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया था, पुरुष परीक्षार्थियों के पूरी बांह की शर्ट और जूते पहनने पर रोक लगाई गई थी। अधिकांश परीक्षार्थी आधी आस्तीन की शर्ट टी शर्ट व पेंट तथा हवाई चप्पल यानि स्लीपर पहनकर आए।

पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी, चार नंबरदारों सहित 10 को नोटिस जारी

फतेहाबाद (हिंस)। पराली जलाने के जिले में मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिले में अब तक 719 एक्टिव फायर लोकेशन मिली है। जिला प्रशासन ने शनिवार को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए ग्राम स्तर की इंफॉर्समेंट एवं मॉनिटरिंग टीम के 10 सदस्यों को प्राली प्रबंधन में सुचारू कार्य न करने पर नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उपायुक्त जगदीश शर्मा ने गांव नाढोड़ी व लोहाखेड़ा के 4 नम्बरदारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उक्त नंबरदारों ने अपने गांवों में पराली प्रबंधन जागरूकता कार्य में ढिलाई बरती है। इसके अलावा इन्हीं गांवों के 2 ग्राम सचिव, 2 पटवारी, एक खंड तकनीकी प्रबंधक तथा एक कृषि सुपरवाइजर को नोटिस जारी किया व उनसे जवाब तलब किया है कि उन्होंने अपनी ड्यूटी में ढिलाई बरती है और किसानों को पराली ना जलाने बारे जागरूक नहीं किया। उपायुक्त ने बताया कि अब तक 719 एक्टिव फायर लोकेशन प्राप्त हुई है जिनमें से 625 हरसेक व 94 अन्य स्त्रोत से मिली है। इस पर कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन द्वारा गठित की टीमों ने 261 चालान किए है। उन्होंने बताया कि 6 लाख 60 हजार रुपए जुर्माना राशि वसूल की गई है। 37 एक्टिव फायर लोकेशन गैर कृषि भूमि पर मिली है। जिला प्रशासन की ओर से जिन किसानों ने पराली प्रबंधन न करके फसल अवशेषों में आगजनी की है।

हमें अपने युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर गर्व है : गुलाम नबी आजाद

जम्मू। गुलाम नबी आजाद के आवास पर एक सादे समारोह में खेल के क्षेत्र में उनकी उपलब्धि के लिए उन्हें सम्मानित करते हुए प्रसन्नता हुई। विक्रमजीत सिंह (पावरलिफ्टिंग) – सीनियर नेशनल क्लासिक पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2019 में दो बार गोल्ड मेडलिस्ट और 2 बार सिल्वर मेडलिस्ट, अमिता देवी-(पॉवरलिफ्टर) पावरलिफ्टिंग 2022 में सीनियर नेशनल क्लासिक गोल्ड मेडलिस्ट, उधवीर सिंह (पावरलिफ्टिंग) जूनियर नेशनल बेंच प्रेस गोल्ड मेडलिस्ट पावरलिफ्टिंग -2021 में, बनुआ विधान – बेंच प्रेस (जूनियर) 2022 में स्वर्ण पदक विजेता, राशव शर्मा – बेंच प्रेस में स्वर्ण पदक विजेता – 2022 जेबी आजाद साहब ने उन्हें संबोधित करते हुए उन्हें बधाई दी और खेलों में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने युवा खिलाड़ियों पर गर्व है, जो खेल के क्षेत्र में अच्छा कर रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों में आर एस चिब महासचिव-डीएपी, विक्की महाजन, अनूप खजूरिया, राजिंदर सिंह-पिंकी, एचएल अबरोल, इमरान जफर और कीर्तन सिंह शामिल थे। एक अन्य कार्यक्रम में निम्नलिखित सहित कई अन्य व्यक्तियों को भी जेबी द्वारा पार्टी में शामिल किया गया। गुलाम नबी आजाद उनके नाम हैं चंदर प्रकाश-पंच-खरियन, सुदेश कुमार शर्मा-पंच-खरियान, शरुदा राम-नायब सरपंच कोटली-मियां-फतेह, अरुण खजूरिया मेडिकल रैप, एडवोकेट चंदर भान, ओम प्रकाश रैना, रमेश लाल, अशोक चौधरी को गुलाम नबी आजाद साहब ने डीएपी में भर्ती कराया और उनसे बात करते हुए आजाद साहब ने उनसे कहा कि कड़ी मेहनत करो, लोगों की समस्याओं का ध्यान रखो और पार्टी की सफलता के लिए, वे सभी बिश्ना विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हैं।

गेस्ट टीचरों को आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है सरकार

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के गेस्ट टीचर आज अपनी मांगों को लेकर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी से मिले और ज्ञापन सौंपा। शिक्षा अधिकारी से मिलने पहुंचे गेस्ट टीचर सर्वजीत सिंह, लादेश कुमार, गौरव, नंद किशोर, संदीप गर्ग सहित दर्जनों टीचरों ने कहा कि मुख्यमंत्री व निदेशक मौलिक शिक्षा के साथ मीटिंग में यह तय हुआ था कि गृह जिले से बाहर गेस्ट टीचर को उनके जिले में समायोजित किया जाएगा। सामान्य स्थानांतरण से प्रभावित गेस्ट टीचर्स को भी उनके जिले में समायोजित किया जाएगा परंतु जिले की पसंद मांगने के बाद भी पसंदीदा जिला ना देते हुए अन्य जिलों की पसंद भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सरकार बार-बार वायदाखिलाफी करके करके गेस्ट टीचर्स को आंदोलन करने के लिए मजबूर कर रही है। सरकार ने गेस्ट टीचर्स की मांगे मानने के बाद भी आज 2 वर्ष बीत गए परन्तु लाभ का कोई पत्र जारी नहीं किया इस बात का भी गेस्ट टीचर्स ने विरोध दर्ज करवाया। उन्होंने कहा कि जो गेस्ट टीचर सामान्य स्थानांतरण से प्रभावित नहीं हुए, उनको भी गृह जिले से बाहर भेजने का काम सरकार कर रही है जोकि सरासर गलत है। इस तानाशाही नीति का विरोध करते हुए सभी गेस्ट टीचर ने अपने गृह जिला देने की मांग उठाई तथा यह भी मांग रखी की टीजीटी गणित को टीजीटी साइंस के पद पर, टीजीटी हिंदी को टीजीटी संस्कृत पद पर तथा टीजीटी सामाजिक विज्ञान को टीजीटी इंग्लिश पर समायोजित किया जाए तथा सभी विषयों के कैप्ट पदों को खोल कर उन पदों पर समायोजित किया जाए ताकि सभी गेस्ट टीचर्स को उनके चयनित गृह जिले में ही समायोजित किया जा सके।

सभ्य समाज में अमानवीय घटनाएं बेहद शर्मनाक : रेनु भाटिया

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने शनिवार पुलिस विभाग फरीदाबाद के साथ महिला सुरक्षा को लेकर बैठक का आयोजन किया। उन्होंने फरीदाबाद में घटित दो घटनाओं पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाएं होना बेहद की शर्मनाक है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को अपनी मानसिकता का बदलना बेहद जरुरी है। उन्होंने पुलिस विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस की तत्पर्ता से एक घटना के आरोपी को 24 घंटे के अंदर ही पकड़ लिया गया और दूसरी घटना के आरोपी को भी बहुत जल्द पुलिस पकड़ लेगी। उन्होंने कहा कि महिला अयोग पुलिस विभाग के साथ मिलकर स्कूली बच्चों और कामकाजी महिलाओं को जागरूक करने का कार्य कर रही है अब उसमें और तेज गति से कार्य किया जाएगा। रोजाना कम से कम 10 स्कूलों में जाकर वहां दो पीरियड लेकर पढ़ रहे लड़के और लड़कियों को कुछ लीगल बातें और साइबर क्राइम की अवेयरनेस के लिए जागरूक किया जाएगा। वैसे तो मोबाइल एक बहुत ही अच्छा माध्यम है पढ़ने के लिए लेकिन कई बार छोटे बच्चे गलत राह पर चले जाते हैं और वह और ज्यादा फंसते ही चले जाते हैं। हम दोनों लोगों की टीम बनाकर अलग-अलग स्कूलों में जाएंगे वैसे तो महिला पुलिसकर्मी समय-समय पर बच्चों को जागरूक करने का कार्य कर रही है लेकिन हमारा उद्देश्य है कि लड़कियां सबसे ज्यादा सुरक्षित रहे माननीय मुख्यमंत्री का नारा है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तो बेटियों को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में उनको सुरक्षा देना भी हमारा कर्तव्य है। हमारा उद्देश्य है कि लड़कियों को सतर्क किया जा सके ताकि वह किसी गलत व्यक्ति के चंगुल में ना फसे। बैठक में डीसीपी बल्लभगढ़ कुशल सिंह, एसीपी सिटी बल्लभगढ़ मुनीश सहगल, एसीपी महिला सुरक्षा मोनिका, एसीपी क्राइम सुरेंदर सोरान, एसीपी मुजेसर दलबीर सिंह, सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता, महिला थानों से एसएचओ सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

लिव इन में रहने वाली महिला ने मिलाया था जहर : एक की मौत

चूरू (हिंस)। संपत्ति हड़पने के लिए लिव इन में रहने वाली महिला ने साथ में रहने वाले व्यक्ति सहित पांच जनों को खाने में जहर दे दिया। इससे एक युवक की मौत हो गई और एक को गंभीर हालत में जयपुर में भर्ती कराया गया है। मामला चूरू के सदर थाना इलाके का है। डीएसपी राजेंद्र बुरड़क ने बताया कि चांदरतन पत्नी मनोज कुमार बेनीवाल ने रिपोर्ट दी है कि उसका पति शादी विवाह में डीजे, घोड़ी और ऊंट किराए पर देने का काम करता है। उसने बिसाउ रोड पर एक नोहरा किराए पर ले रखा है। कुछ दिन पहले में अपने पति के नोहरे में गई थी। जहां सुमन नाम की एक महिला बिना मेरे पति की इजाजत के वहां रहने लगी थी, जो मेरे पति को बार-बार संपत्ति हड़पने की धमकी भी देती थी और कहती कि मैं तुम्हें मारकर पूरी संपत्ति हड़प लूगी। सुमन हमारे नोहरे पर एक पंडित को बार-बार बुलाया करती थी। मनोज ने बताया था कि सुमन के कहने पर उसने पंडित को काफी रुपए उधार दे रखे हैं। 10 नवंबर को भी पंडित हमारे नोहरे में आया हुआ था। सुमन और पंडित ने मेरे पति की संपत्ति हड़पने और उधार दिए रुपए वापस नहीं देने पड़े इसके लिए अपने फूफा प्रेम, काम करने वाले लड़के करण और अर्जुन के साथ मिलकर खाने में जहर मिला दिया। घटना के दिन सुमन, प्रेम, पंडित, करण और अर्जुन ने पहले ही खाना खा लिया था, जबकि मनोज कुमार, बाबूलाल व अन्य मजदूरों को बाद में खाना खिलाया, जिसमें जहर मिला हुआ था। जिससे मनोज कुमार और बाबूलाल की तबीयत बिगड़ गई। इससे सदर थाना के गांव ढाणी मनिमजी निवासी बाबूलाल (23) की मौत हो गई, जबकि कोदेसर हाल पूनिया कॉलोनी निवासी मनोज कुमार बेनीवाल जयपुर में भर्ती है।

शास्त्री मेमोरियल क्रिकेट क्लब ने प्रेस क्लब को 40 रनों से हराया

जम्मू। कंट्री क्रिकेट स्टेडियम घरोटा में आज जीएसएसएस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से क्रिकेट जम्मू 22 सीजन 1 का आगाज किया गया, जिसमें आज प्रदर्शनी मैदान प्रेस क्लब जम्मू और शास्त्री मेमोरियल क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें बेहतरीन प्रदर्शनकरते हुए शास्त्री मेमोरियल क्रिकेट क्लब ने मैच अपने नाम किया। टॉस जीतकर शास्त्री मेमोरियल क्रिकेट क्लब के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लेते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 148 रनों का लक्ष्य प्रेस क्लब टीम के सामने रखा जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए कपिल ने 3 रनों की पारी खेली हरीश ने 30 रन अंकित ने 15 रन बनाए। जबकि सिंपू ने 12 बालों मैं 26 रन बनाए। प्रेस क्लब की ओर से गेंदबाजी में नवीन ने 1 विकेट, वरुण ने दो,ऋषि ने एक, अनिल ने एक, रुपेश ने एक और तेजस ने 1 विकेट ली। लक्ष्य को भेदने के इरादे से उतरी प्रेस क्लब जम्मू की टीम लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई और 40 रनों से मैच को गवा बैठी। प्रेस क्लब की ओर से तेजस का बल्ला बखूबी चला जिन्होंन 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। टीम के बाकी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल पाए मात्र वनीत ने 10 टीम के लिए जोड़ें। शास्त्री मेमोरियल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में मंटू ने 4 विकेट चटकाए और अंकित ने दो विकेट लिए। मंच के उम्दा प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

आशियाना फ्लैटों में मिल रही सुविधाओं का एससी ने लिया जायजा

फरीदाबाद (हिंस)। खोरी बस्ती के लोगों को पुनर्वास योजना के तहत डबुआ कालोनी में दिए गए फ्लैट में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लेने को शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पैनल की टीम पहुंची। इस टीम में सिविल इंजीनियर कंकल चक्रवर्ती, स्टेक्चर इंजीनियर के चक्रवर्ती तथा आरेटैक्ट इशिक्ता मंडल शामिल रहे। सर्वप्रथम टीम ने यहां बने फ्लैटों का जायजा लिय, जिसमें कमरे, किचन व शौचालयों में जमा गंदगी व बदहाली को लेकर टीम ने निगम के अधिकारी को जमकर फटकार लगाई और इनकी फोटोग्राफी भी की। इसके बाद टीम ने यहां बने पानी सप्लाई के टैंक के पानी का भी जायजा लिया, जिसमें लोगों ने बताया कि इस पानी को उन्हें पीने के लिए दिया जाता है, जिसमें मच्छर व कीड़े इत्यादि होते है, ऐसे में वह इस पानी को कैसे पीने सकते है, जिस पर टीम ने पानी के टैंक की फोटो भी खींची। गौरतलब है कि नगर निगम की ओर से पिछले वर्ष अरावली क्षेत्र में अवैध रूप से बसी खोरी बस्ती में अवैध निर्माण ढहाए गए थे। लोगों ने विरोध किया, तो सरकार ने पुनर्वास योजना के तहत डबुआ कालोनी में फ्लैट देने की घोषणा की थी। इसके बाद लोगों ने पुनर्वास योजना के तहत नगर निगम में आवेदन किए थे। दस्तावेजों की जांच के बाद नगर निगम ने 1009 लोगों को आवंटन पत्र जारी किए थे। उस समय नगर निगम की शर्त के अनुसार आवेदक को 10 हजार रुपए जमा कराने थे। पुनर्वास योजना के तहत यह भी शर्त थी कि आवेदक को 20 वर्ष तक 1950 रुपए प्रति माह देने होंगे। नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार अब तक 141 लोगों ने 10 हजार रुपए जमा कराए हैं। इनमें से 104 लोग फ्लैट में आकर रहने लगे हैं। खोरी रेजिडेंटस वैलफेयर एसोसिएशन ने पिछले वर्ष ही सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी कि डबुआ कालोनी के फ्लैट जर्जर हालत में हैं और यहां सुविधाओं की कमी है। पहले फ्लैट की खिड़कियां और दरवाजे टूटे थे। साफ-सफाई नहीं थी।

हरियाणा के हर जिले में मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव : सुधा

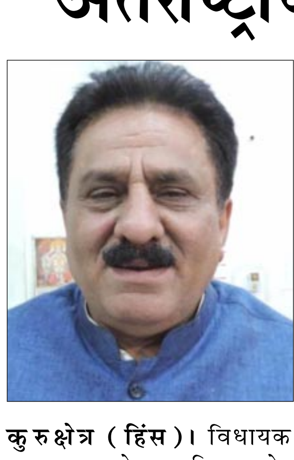

कुरुक्षेत्र (हिंस)। विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 के क्राफ्ट और सरस मेले का आयोजन 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक किया जाएगा और इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार की तरफ से प्रदेश के प्रत्येक जिले में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को लेकर 3 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के भव्य आयोजन के लिए सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से 15-15 लाख का बजट भी उपलब्ध करवाया जाएगा। विधायक सुभाष सुधा ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को एक बडा दर्जा मिला। इस महोत्सव का आयोजन जहां विदेशों में किया गया वहीं हर जिला स्तर पर गीता जयंती को मनाया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों के चलते इस वर्ष कुरुक्षेत्र में 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक क्राफ्ट और सरस मेले का आयोजन ब्रह्मसरोवर के तट पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से जिला स्तर पर 2 से 4 दिसंबर तक 3 दिवसीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव का थीम आजादी के अमृत महोत्सव पर आधारित होगा। इस महोत्सव के भव्य आयोजन के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी के मार्गदर्शन में ही जिला स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

पूर्व मंत्रियों ने लोकल कलाकारों के उत्थान की दिशा में काम करने का किया वादा

11 डोगरी म्यूजिकल सांग वीडियो लांच

जम्मू। कुलदीप शर्मा और राघव शर्मा के स्वामित्व वाली तेरा ग्रुप की इकाई तेरा एंटरटेनमेंट ने आज यहां तेरा फार्म्स में 11 डोगरी म्यूजिकल सांग वीडियो लांच किए। इन गीतों को बनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य जनता के बीच डोगरा संस्कृति को बढ़ावा देना और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी योग्यता दिखाने का अवसर प्रदान करना है। संगीत वीडियो गाने पूर्व मंत्री श्री द्वारा लांच किए गए थे। सत शर्मा, पूर्व मंत्री श्री सुरजीत सिंह सलाथिया और भाजपा पार्षद लकी पुरी। इस अवसर पर बोलते हुए श्री. सुरजीत सिंह सलाथिया ने मौसमी कलाकारों के सहयोग से डोगरा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तेरा एंटरटेनमेंट द्वारा उठाए गए अनूठे कदमों की सराहना की। श्री। सत शर्मा ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि जम्मू में इतने युवा प्रतिभाशाली कलाकार मौजूद हैं। दोनों पूर्व मंत्रियों ने डोगरा संस्कृति को बढ़ावा देने वाले स्थानीय कलाकारों के उत्थान के लिए अपनी सेवाएं 24म7 देने का वादा किया और पारिवारिक वातावरण में डोगरी भाषा के उपयोग पर जोर दिया। इसके अलावा, इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक तेरा सर्विसेज प्रा. लिमिटेड। कुलदीप शर्मा ने कहा कि जम्मू संस्कृति के मामले में बहुत समृद्ध है और इसे व्यापक रूप से बढ़ावा देना हर डोगरा की जिम्मेदारी है। मैंने देखा है कि जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश में फिल्म नीति को शामिल किए जाने के बाद अब जम्मू में कई चीजें हो रही हैं। वीडियो गाने बनाने का उद्देश्य जम्मू के स्थानीय पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देना भी था। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी भविष्य की योजना धान और दुग्गर ग्रान के डोगरा भोजन को हमारे खेत में सभी डोगरी प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित करने की है। प्रमोटरों ने लगभग 650 पौधे रोपे हैं जिनमें पारंपरिक पेड़ और फलदार पौधे शामिल हैं। इन गानों में नजर आने वाले कलाकारों में ब्रज मोहन-संगीत निर्देशक, सुरिंदर मन्हास – संगीत निर्देशक, समीर शर्मा – निर्देशक, देविंदर नंदा – निर्देशक, इरफान चौधरी – निर्देशक, तारिक खान – अभिनेता और निर्माता, राहत काजमी – अभिनेता-निर्देशक शामिल हैं। -निर्माता, मोहित गर्ग- फिल्म संपादक, कुलदीप सप्रू- संगीत निर्देशक, मुजफ्फर बट- निर्देशक, प्रिया दत्ता, जोगिंदर बरल, मनमोहन सिंह (मान)-कोरियोग्राफर, गायक: रियाज मलिक, लवली चंद्रा, वंशिका जराल, सोनाली डोगरा, अंतरिक्ष तारोच , कलाकार: नमित दुबे, ईशु शर्मा, रिधिमा कलसी, गुरप्रीत जामवाल, नाजुक भगत, भावना गुप्ता, नेहा शर्मा, मीनाक्षी भगत, उषा सलाथिया, राहुल शर्मा, अमर चौहान, सोनाली पंडिता, गरिमा परिहार, बिन्नी भारत, अभी बड़गोत्रा, सनम सूदन , सखी शाह, इफथेर मुगल, कोमल राजपूत, मोना संगठन, वर्षा बख्शी, फेजान खान, शिवानी कपूर, ऋतिका सौंत्रा, मनु, सोनिया, सुनिधि बनर्जी और शिवम शुक्ला। लॉन्चिंग के अंत में गाने में शामिल कलाकारों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया, जिसके बाद गणमान्य दर्शकों के लिए गीतों की लाइव प्रस्तुति की गई।

ट्विटर ने ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन पर लगाई रोक : तेजी से बढ़ते फेक अकाउंट के कारण 8 डॉलर वाली सब्सक्रिप्शन सर्विस को करना पड़ा बंद

वॉशिंगटन।

ट्विटर ने ब्लू सब्सक्रिप्शन को फिलहाल बंद कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार ट्विटर ने अपनी 7.99 डॉलर में दी जाने वाली की ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को रोक दिया है। ट्विटर ने अपने यूजर्स के लिए यह सेवा शुरू की थी। लेकिन मैशेबल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर के ऐप के साइडबार में ब्लू सब्सक्रिप्शन लेने के लिए जो ऑप्शन पहले उपलब्ध था, वह अब दिखाई नहीं दे रहा है। द वर्ज ने भी यह नोटिस किया की यूजर्स को यह सुविधा नहीं मिल रही है। यूजर्स को एक मैसेज मिला। जिसमें लिखा था कि आपकी रुचि के लिए धन्यवाद! ट्विटर ब्लू भविष्य में आपके देश में उपलब्ध होगा। कृपया बाद में देखें।

नई पेड सर्विस के बाद सामने आने लगे कई फेक अकाउंट – पेड वेरिफिकेशन फीचर के रोल आउट होते ही ट्विटर पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसी मशहूर हस्तियों के कई फर्जी अकाउंट सामने आ गए। इतना ही नहीं कुछ वेरिफाईड अकाउंट्स ने गेमिंग कैरेक्टर सुपर मारियो और बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स का भी फर्जी अकाउंट बना लिया।

एलन मस्क ने आने हाथ में लिया मामला – इसके बाद मामले को अपने हाथ में लेते हुए एलन मस्क ने ट्वीट किया कि किसी और को दर्शाने की कोशिश करने वाले किसी भी अकाउंट को तब तक के लिए बंद कर दिया जाएगा जब तक कि वे इसे एक पैरोडी अकाउंट घोषित नहीं करते। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार इसी तरह की परेशानियों को देखते हुई फिलहाल के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को बंद कर दिया गया है।

हाल ही में शुरू हुई थी ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस – एलन मस्क ने कुछ दिन पहले ही बताया था कि ट्विटर पर ब्लू टिक, यानी वेरिफाइड अकाउंट्स के लिए यूजर को अब हर महीने 8 डॉलर (करीब 660 रुपए) देने होंगे। यह चार्ज सभी देशों में अलग-अलग होगा। 27 अक्टूबर को ट्विटर खरीदने के पांच दिन बाद मंगलवार रात को एलन मस्क ने इसका ऐलान किया था।

ब्लू यूजर्स को ही मिलेगा ब्लू टिक बैज – एलन मस्क ने पिछले हफ्ते बताया था कि केवल ट्विटर ब्लू यूजर्स को ही अब अपने अकाउंट पर ब्लू टिक वेरिफाइड बैज मिलेगा। यहां तक कि मौजूदा यूजर्स जिनके पास वेरिफाइड बैज है, उन्हें ट्विटर ब्लू के लिए पेमेंट करके सब्सक्रिप्शन लेना होगा। हालांकि, इन यूजर्स को पेड सब्सक्रिप्शन पर स्विच करने के लिए लगभग 3 महीने का ग्रेस पीरियड मिल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

बाइनेंस क्रिप्टो एक्सचेंज पर ईडी की दबिश, 22.82 करोड़ रुपये के बिटकॉइन जब्त

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने कहा है कि उसने बाइनेंस क्रिप्टो एक्सचेंज के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया है। ईडी ने यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के तहत की है। केंद्रीय एजेंसी के अनुसार कार्रवाई के दौरान 22.82 करोड़ रुपये के लगभग 150.22 बिटकॉइन को फ्रीज कर दिया गया है। ईडी के अनुसार यह कार्रवाई ई-नगेट्स नाम के एक मोबाइल गेमिंग एप्लिकेशन की जांच से संबंधित मामले में की गई है। लंदन स्थित रोल्स रॉयस से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में धनशोधन रोधी कानून के तहत 8.7 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। कहा जाता है कि उसने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे एचएएल, ओएनजीसी और गेल से अनुबंध हासिल करने के लिए एक एजेंट को कमीशन के रूप में लगभग 80 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। मुंबई स्थित टर्बोटेक एनर्जी सर्विसेज इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (टर्बोटेक) और अशोक पाटनी के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था। इस मामले में रोल्स रॉयस ने स्वीकार किया कि उसने ओएनजीसी, एचएएल और गेल के समक्ष रखे गए विभिन्न खरीद आदेशों के संबंध में अखंडता समझौते का उल्लंघन करते हुए अशोक पाटनी और उनकी संबद्ध संस्थाओं को कमीशन का भुगतान किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि इसने ओएनजीसी, एचएएल और गेल को अशोक पाटनी को दिए गए कमीशन या फीस के बदले लगभग 80 करोड़ रुपये के भुगतान की पुष्टि की, जो इस मामले में अपराध की आय है।

सोना 294 रुपये चढ़ा, चांदी में 638 रुपये की बढ़त

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना 294 रुपये की तेजी के साथ 52,663 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबार में सोना 52,369 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 638 रुपये की तेजी के साथ 62,858 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट विनय रजनी ने कहा, 'एमसीएक्स गोल्ड दिसंबर फ्यूचर 52,100 रुपये के महत्वपूर्ण प्रतिरोध को पार कर 52,600 रुपये के अगले लक्ष्य की ओर बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,761 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 21.89 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटी रिसर्च के सीनियर वीपी नवनीत दमानी ने कहा, 'सोने की कीमत ढाई महीने के उच्च स्तर पर है। उनके अनुसार अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी आने से भी सोने को मजबूती मिली है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 8.71 लाख करोड़ रुपये, पिछले वर्ष की तुलना में 25.71 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली । देश में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक 8.71 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में संग्रहित कर की तुलना में 25.71 फीसदी अधिक है। वित्त मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 10 नवंबर 2022 तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 30.69 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 10.54 लाख करोड़ रुपये रहा है जो रिफंड के बाद यह राशि 8.71 लाख करोड़ रुपये है। चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह की यह राशि चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 61.31 फीसदी है। एक अप्रैल से लेकर 10 नवंबर 2022 तक कुल 1.83 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया जा चुका है।

ट्विटर, फेसबुक और अब अमेजन, इन कंपनियों को लगी किसकी नजर क्यों हो रही एक के बाद एक छंटनी

नई दिल्ली ।

ट्विटर के बाद मेटा और अब अमेजन जैसी बड़ी कंपनियों में छंटनी कॉरपोरेट जगत की सुर्खियां बनी हुई है। फेसबुक ने बीते बुधवार को अपने कार्यबल में करीब दस प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल दिया है। कंपनी इसे खर्च घटाने की कवायद बता रही है और यह परिस्थिति विज्ञापन से होने वाली आमदनी में आई गिरावट के कारण है। सितंबर महीने में फेसबुक के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों को कहा था कि सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी कर्मचारियों की छंटनी के जरिए अपने भविष्य की योजनाओं में बदलाव करने जा रही है। बता दें कि मेटा के पास इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का भी स्वामित्व है। फेसबुक में करीब 87,000 कर्मचारी है, जिनमें से करीब 10 फीसदी को हटा दिया गया है। आइए जानते हैं आईटी इंडस्ट्री में एक के बाद हो रही छंटनियों का क्या है कारण भविष्य में छंटनियों का दौर थमने वाला है या यह लंबे समय तक जारी रहने वाला है

मेटा से पहले मस्क ने ट्विटर के आधे कर्मचारियों को बाहर किया – मेटा से कर्मचारियों को बाहर करने की खबर ट्विटर में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के बाद आई है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद कंपनी के लगभग आधे कर्मचारियों की विदाई हो गई है। उनमें से कुछ कर्मचारियों को कंपनी ने वापस आने के लिए कहा है। हालांकि, ट्विटर में कर्मचारियों को अचानक बाहर करने की तुलना में मेटा ने कर्मचारियों को पहले से ही सूचना देकर निकलने को कहा है।

फेसबुक और ट्विटर ही नहीं पूरी आईटी इंडस्ट्री में जा रही हैं नौकरियां – सोशल मीडिया कंपनियों में केवल ट्विटर और फेसबुक ही नहीं हैं जो अपने कार्यबल को कम करने पर काम कर रही है। ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट अमेजन ने भी हायरिंग की प्रक्रिया रोक दी है। कर्मचारियों को बाहर निकाल रही है। कंपनी से जुड़े कुछ कर्मचारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इसकी पुष्टि की है। अमेरिका स्थित एक और सोशल मीडिया कंपनी स्नैप जिसके पास 363 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स हैं, ने भी इसी वर्ष अगस्त में अपने 20 प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया था। जैसे-जैसे सोशल मीडिया उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म पर बातचीत करने के तरीके को बदलते हैं, कंपनियां नई परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करके अपने उत्पादों में विविधता लाती हैं। कंपनियों की इस कवायद का लक्ष्य उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि करने के साथ ऊर्जा और संसाधनों का तर्कसंगत इस्तेमाल होता है। इसी कड़ी में फेसबुक के मेटावर्स जैसे गतिशील और इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है। इसके वित्त पोषण के लिए कंपनी ने कर्मचारियों को बाहर करने तक का कड़ा फैसला भी लिया गया है।

दुनिया में हर वर्ष टेक कंपनियां हजारों इंजीनियर्स को नौकरी पर रखते हैं। हर जो चीज जो हम इंटरनेट पर करते हैं और देखते हैं वह एक कोड से संभव हो पाता है। सोशल मीडिया कंपनियों को अपना कस्टमर बेस बढ़ाने के लिए हर समय अच्छे कोड्स की जरूरत होती है, और यही कारण है कि वे ऊंची सैलरी पर बाजार में उपलब्ध बेस्ट प्रोग्रामर्स और इंजीनियर्स को नौकरी पर रखते हैं। टेक इंडस्ट्री में ऊंची सैलरी के जॉब्स का यही रहस्य है। पर इस सिक्के का एक नकारात्मक पहलू भी है। एक प्रोग्रामर या कोडर अपनी जीवन का बेस्ट कोड एक ही बार लिख पाता है यही आईटी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी दिक्कत है। एक बार कोई कोड लिख लिया जाता है तो उसके बाद उसे लिखने वाला तकनीकी रूप से कंपनी के लिए काम के नहीं रह जाते यानी गैरजरूरी हो जाता है। अंतत: कंपनी को उन्हें बाहर करने का फैसला लेना पड़ता है। कुछ शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि न्यूरल नेटवर्क (ब्लॉकचेन व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकें) और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण की मदद से भविष्य में कोडिंग प्रक्रिया से मानवों की जरूरत पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। ऐसे मशीनों जिन्हें मानव की तरह कार्य करने के लिए डिजाइन किया जाएगा, उनके आने के बाद कोडिंग के कार्यों में मनुष्यों की भूमिका बहुत कम हो जाएगी। बीते कुछ महीनों में दुनिया भर की टेक कंपनियों को डिजिटल विज्ञापन राजस्व में भारी गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। कोविड -19 महामारी से उत्पन्न आर्थिक मंदी, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण विज्ञापनदाता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने व्यवसायों को बढ़ावा देने पर कम खर्च कर रहे हैं और प्रॉफिट को संरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्विटर, मेटा, गूगल, ऐप्पल, स्नैप और माइक्रोसॉफ्ट जैसी सिलिकॉन वैली की दिग्गज कंपनियों ने इस वर्ष मुद्रास्फीति से प्रेरित लागत दबाव, आर्थिक अनिश्चितता और बाजार में गिरावट के कारण विज्ञापन बजट में भारी गिरावट दर्ज की है। कंपनियों के राजस्व में गिरावट उन उपयोगकर्ताओं के बदलते व्यवहार के विपरीत है जो अपनी स्क्रीन पर कोविड महामारी के बाद अधिक से अधिक समय ऑनलाइन स्क्रीन पर बिताते हैं, कोविड ने लोगों को घरों की चहारदीवारी तक सीमित कर दिया। हालांकि, इस स्थिति का कंपनियों की बैलेंस शीट पर कोई फायदा नहीं दिखा। बाजार में जारी अनिश्चितता और मंदी की आशंकाओं के बीच आईटी कंपनियो में छंटनी की खबरें अभी आती रहेंगी इसमें कोई संदेह नहीं है, हालांकि हालांकि, फेसबुक के मेटावर्स जैसे नए उत्पादों के आकार लेने के बाद निश्चित तौर पर डिजिटल विज्ञापन के आंकड़ों में निश्चित तौर पर सुधार होगा ।

खाने पीने के सामान एक माह में हुए सस्ते, खुदरा महंगाई दर में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली।

खाने-पीने के सामानों की कीमतें एक महीने में कम होने या फिर स्थिर होने से अक्तूबर की खुदरा महंगाई में कमी आ सकती है। एक सर्वे के अनुसार, 14 नवंबर को जारी होने वाले महंगाई के आंकड़े 7 फीसदी से नीचे रह सकते हैं जो सितंबर में 7.41 फीसदी था। इससे अगले महीने आरबीआई रेपो दर को बढ़ाने में भी कमी कर सकता है।

पूरी दुनिया में महंगाई को कम करने के लिए केंद्रीय बैंक रेपो दर को बढ़ा रहे हैं। इसका असर अमेरिका में दिखा है जहां महंगाई अक्तूबर में 7.77 फीसदी रही जो कि सितंबर में 8.2 फीसदी थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार आटा की कीमतें मामूली तेजी के साथ 31.34 रुपये किलो रही। एक महीने में ज्यादातर सामानों की कीमतें स्थिर रहीं। चावल 38.06 रुपये किलो से घटकर शुक्रवार को 38.1 रुपये किलो हो गया। चना दाल का भाव 74 रुपये से घटकर 73.19 रुपये, उड़द दाल 108.77 रुपये से घटकर 108.25 रुपये, मूंग दाल 103.49 से घटकर 103.19 रुपये किलो पर रही।

अरहर दाल 112.02 से बढ़कर 112.82 रुपये किलो, मसूर दाल 95.76 से 95.89 रुपये किलो रही। दूध 29 पैसा बढ़कर 54.72 रुपये, वनस्पति तेल 147.69 से घटकर 145.14 रुपये और सोया तेल 169.97 से घटकर 168.59 रुपये किलो रहा। पाम तेल भी 119.23 से घटकर 117.38 रुपये किलो हो गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने होम लोन 0.25 फीसदी सस्ता कर दिया है।वहीं, यूनियन बैंक ने कर्ज की दर 0.30 फीसदी बढ़ा दी है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, इस कटौती के बाद अब उसके ग्राहक 8.25 फीसदी पर होम लोन ले सकेंगे।

साथ ही सीमित अवधि के लिएप्रोसेसिंग शुल्क भी नहीं देना होगा। बैंक का दावा है, उसके होम लोन की दर एसबीआई व एचडीएफसी से कम है।उधर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एमसीएलआर में 0.30प्रतिशत वृद्धि की है। नई दर 11 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच लागू रहेगी। इस बढ़त के बाद बैंक का 6 माह का एमसीएलआर 8प्रतिशत हो गया है।

रिजर्व बैंक ने बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस किया रद्द, ग्राहक नहीं निकाल सकेंगे पैसे

नई दिल्ली ।

आरबीआई ने एक और बैंक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने इस बैंक के कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करन करने का आदेश दिया है। आरबीआई ने जिस बैंक के खिलाफ कार्रवाई की है उसका नाम बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड है। यह बैंक महाराष्ट्र के यवतमाल का है।

आरबीआई के अनुसार बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं बची हैं। इसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है। बैंक के आंकड़ों का जिक्र करते हुए आरबीआई ने कहा है कि लगभग 79 जमाकर्ता, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) के तहत अपनी पूरी जमा राशि पाने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 16 अक्तूबर 2022 तक पहले ही कुल बीमित जमा राशि का 294.64 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। आरबीआई ने कहा है कि बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द होने के बाद उसे बैंकिंग व्यवसाय करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके जमा राशि लेने और भुगतान करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया गया है। शुक्रवार 11 नवंबर 2022 को कारोबार बंद होने के बाद बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करने की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक ने कहा है कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा है कि बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ होगा और अगर बैंक को अपना कारोबार आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाती है तो यह जनहित में नहीं होगा।

प्रॉपर्टी विवाद में हिंदुजा बंधुओं के बीच हुआ गोपनीय समझौता, यूके की अदालत में चल रहा था मामला

लंदन ।

अपने अरबपति परिवार की संपत्ति को लेकर यूके की अदालतों में कानूनी विवाद में फंसे ब्रिटेन के हिंदुजा बंधु शुक्रवार को लंदन में एक गोपनीय समझौते पर सहमत हो गए हैं। मामला शुरू में 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा द्वारा दर्ज कराया गया था, जो परिवार के पितामह समझे जाते हैं। उन्होंने अपने भाइयों जी पी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के खिलाफ और 2 जुलाई 2014 को मामला शुरू किया था। मामले में नवंबर 2019 से लंबी कानूनी कार्यवाही चल रही थी। आपसी झगड़े में पूरे परिवार को नुकसान पहुंच रहा था।

अदालत को समझौते के बारे में बताया गया

लॉर्ड जस्टिस पीटर जैक्सन, लॉर्ड जस्टिस बेकर और लॉर्ड जस्टिस वारबी की कोर्ट को शुक्रवार को बताया गया कि एक समझौता हुआ है और अगस्त से कोर्ट ऑफ प्रोटेक्शन के आदेश को बरकरार रखा गया है। इसमें रिपोर्टिंग प्रतिबंधों में से अधिकांश को हटाना भी शामिल है। 30 जून 2022 को परिवार विदेश में चांसरी की कार्यवाही और अन्य मुकदमों से संबंधित एक गोपनीय समझौते पर पहुंच गया और 1 जुलाई 2022 को एक सहमति आदेश दायर किया गया।

सब कुछ सभी का है और कुछ भी किसी का नहीं है

कई वर्षों तक परिवार ने इस समझौते का पालन किया कि सब कुछ सभी का है और कुछ भी किसी का नहीं है। ये समझौत साल 2014 में हुआ था।

स्टीव जॉब्स की 42 साल पुरानी सैंडल होगी नीलाम: 64 लाख से ज्यादा की उम्मीद, 13 नवंबर तक चलेगा ऑक्शन

नई दिल्ली ।

टेक दिग्गज कंपनी एपल के चेयरमैन, को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की 42 साल पुरानी सैंडल की जोड़ी को नीलाम किया जा रहा है। स्टीव जॉब्स ब्राउन सूड लेदर बीरकेनस्टॉक एरिजोना सैंडल की जोड़ी पहनते थे, जिसे अब ऑक्शन कंपनी जूलियन ऑक्शंस की ऑफिशियल वेबसाइट पर नीलामी के लिए रखा गया है।

64.43 लाख रु में नीलाम हो सकती है सैंडल

जूलियन ऑक्शंस के मुताबिक, स्टीव जॉब्स की सैंडल 60 हजार से 80 हजार डॉलर, यानी 48.32 लाख से 64.43 लाख रुपए में नीलाम हो सकती है। जूलियन ऑक्शंस की वेबसाइट पर सैंडल की फोटोज भी शेयर की गई हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं कि स्टीव जॉब्क की ब्राउन कलर की सैंडल काफी पुरानी नजर आ रही है।

सैंडल की नीलामी 13 नवंबर तक चलेगी

सैंडल की नीलामी 11 नवंबर को लाइव की गई थी और यह 13 नवंबर को खत्म होने की उम्मीद है। जूलियन की वेबसाइट पर लेटेस्ट

डिटेल्स के अनुसार, सैंडल के लिए बोली 15,000 डॉलर (12.08 लाख रुपए) से शुरू हुई थी। इसके बाद वर्तमान में 2 बोलियां 22,500-22,500 डॉलर (18.12 लाख रुपए) की लग चुकी हैं। अब देखना यह होगा कि अंत में स्टीव जॉब्स की सैंडल की बोली कहां तक जाती है।

जॉब्स यह सैंडल 70 से 80 के दशक में पहनते थे

जूलियन ऑक्शंस की वेबसाइट पर दी गई डिटेल्स के मुताबिक, स्टीव जॉब्स यह सैंडल की जोड़ी 1970 से 1980 के दशक में पहनते थे। इसके बाद स्टीव जॉब्स के होम मैनेजर मार्क शेफ ने बीरकेनस्टॉक सैंडल की इस जोड़ी को संभालकर रखा था।

सैंडल स्टीव के सिंपल साइड का हिस्सा थे: एक्स वाइफ

स्टीव जॉब्स की एक्स वाइफ क्रिसन ब्रेनन ने एपल के को-फाउंडर के वॉर्डीब के आइकोनिक स्टेपल के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, सैंडल उनके सिंपल साइड का हिस्सा थे, वे उनकी यूनिफॉर्म थे। यूनिफॉर्म के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि आपको इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं होती है कि सुबह क्या पहनना है।

सैंडल में वे खुद को बिजनेसमैन की तरह महसूस नहीं करते थे

क्रिसन ब्रेनन ने आगे कहा था, वे दूसरों से अलग दिखने के लिए कभी कुछ नया नहीं करते थे और न ही कभी कुछ खरीदते थे। वे बस डिजाइन की इंटेलिजेंस-प्रैक्टिकेलिटी और उसे पहनने के कंफर्ट के बारे में सोचते थे। बीरकेनस्टॉक्स में वे खुद को एक बिजनेसमैन की तरह महसूस नहीं करते थे, इसलिए उन्हें क्रिएटिवली सोचने की फ्रीडम थी।

स्टीव ने एपल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण पलों में इस सैंडल को पहना था

ऑक्शन हाउस का कहना है कि जॉब्स ने एपल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान इस सैंडल को पहना था। वेबसाइट में लिखा है, 1976 में उन्होंने एपल के को-फाउंडर स्टीव वोज्नियाक के साथ लॉस अल्टोस गैरेज में एपल कंप्यूटर की शुरुआत के दौरान भी इस सैंडल को पहना था। वे ओकेजनली इस सैंडल को पहनते थे। जब जॉब्स को बीरकेनस्टॉक्स की सरलता और प्रैक्टिकेलिटी का पता चला तो वे इसे लेकर फेसिनेटेड हो गए थे।

कंगना को आदर्श मानती हैं प्राची बोहरा, निभाना चाहती हैं उनके जैसा हरियाणवी किरदार

मुंबई (ईएमएस)। लोकप्रिय शो 'मैडम सर' में बिन्नी की भूमिका निभाने वाली प्राची बोहरा ने कहा कि वह 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के हरियाणवी कैरेक्टर से प्रेरित थीं। प्राची बोहरा ने मनोरंजन जगत अपने शुरूआती वर्षों के संघर्ष को भी याद किया। उन्होंने कहा मैं कंगना रनौत को आदर्श मानती हूं, इसलिए मैं हमेशा से हरियाणवी का किरदार निभाना चाहती थी, और यह वास्तव में मेरी रुचि के अनुरूप भी है। यह मेरा ड्रीम कैरेक्टर है। बिन्नी एक जिद्दी लड़की है, जो कंगना के किरदार की तरह ही असभ्य भाषा का इस्तेमाल करती है। इंडस्ट्री में अपने शुरूआती वर्षों के संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने साझा किया, मेरे शुरूआती दिन थे जब मुझे इस उद्योग के बारे में पता नहीं था और ज्यादातर समय मैं ऑडिशन, फर्जी मीटिंग आदि में फंस गई थी। प्राची ने कहा जब मुझे भूमिका के बारे में पता चला, तो मैं ऑडिशन के लिए गई। फिर मेरे ऑडिशन के अगले दिन, निमार्ताओं ने मुझसे संपर्क किया और उन्होंने मुझे बताया कि वे मेरे साथ मॉक शूट करना चाहते हैं। मैं जब मैं 'मैडम सर' के सेट पर गई तो बहुत उत्साहित थी। अभिनेत्री ने अपनी भूमिका को गहराई से जाना और कहा, बिन्नी का चरित्र बेहद चुनौतीपूर्ण है और मैं वास्तव में लंबे समय से इतना मजबूत चरित्र करना चाहती थी, चाहे वह फिल्मों में हो या धारावाहिकों में। कॉमेडी शो और दर्शकों के बीच उनकी लोकप्रियता के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा वास्तव में, अब टीवी पर महान सिटकॉम दुर्लभ हैं और केवल कुछ मुट्ठी भर चैनलों के शो हैं जो उनके शो में बुद्धि का संचार करते हैं। लेकिन मैं खुश हूं क्योंकि डिजाइन बदल रहा है। दर्शक भी लगातार सास-बहू के ड्रामे से ऊब चुके हैं।

उन्होंने अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में बात की। फिलहाल, मैं 'मैडम सर' से बिन्नी के अपने चरित्र से प्यार करती हूं, और मेरे पास मेरी भविष्य की परियोजनाओं के लिए दो या तीन चीजें हैं, लेकिन मैं अभी उनके बारे में बात नहीं करूंगी क्योंकि मैं सिर्फ अपने चरित्र बिन्नी पर फोकस करना चाहती हूं।

मैं हमेशा से फाइटर रही हूं, मैं लड़ूंगी मेरी मौत अभी नहीं होने जा रही है : सामंथा

चेन्नई। मायोजिटिस नामक ऑटो-इम्यून बीमारी का इलाज करवा रही दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री सामंथा का कहना है वह हमेशा से एक फाइटर रही हैं। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि वह मौजूदा संकटपूर्ण दौर से भी बाहर निकल आएंगी। सामंथा ने अपनी आगामी फिल्म 'यशोदा' के प्रचार के लिए अपने इलाज से एक दिन की छुट्टी लेने का फैसला किया। 'यशोदा' का प्रदर्शन 11 नवंबर को किया जाना है। अभिनेत्री ने कहा कुछ अच्छे दिन होते हैं, कुछ बुरे। कुछ दिन, बिस्तर से उठना मुश्किल होता है, कुछ दिन मैं लड़ना चाहती हूं। धीरे-धीरे मैं जिन दिनों से लड़ना चाहती हूं, उन दिनों की तुलना में अधिक से अधिक देना चाहती हूं। मीडिया में आई उन खबरों को उन्होंने खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि उनकी स्थिति बेहद नाजुक है। इस पर अभिनेत्री ने कहा अब 3 माह हो गए हैं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं जल्द ही नहीं मर रही हूं। मैंने बहुत सारे लेख देखे जिनमें ऐसा वैसा बहुत कुछ कहा गया था। हां, यह एक ऑटोइम्यून स्थिति है और इसमें समय लग रहा है, लेकिन मैं हमेशा लड़ाकू रही हूं और मैं लड़ने जा रही हूं। यह बताते हुए कि पिछले 3 महीने बहुत खराब रहे हैं, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उच्च खुराक वाली दवाएं ले रही हैं और डॉक्टरों के साथ संपर्क में लगातार बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आगे अपनी बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मैंने जीवन में हर चीज के बारे में बात की है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, "लोगों को पता होना चाहिए कि हर किसी का समय अच्छा होता है और हर किसी का बुरा समय होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अमीर हैं या प्रसिद्ध। हर कोई इसे जानता है।

अरबाज और सोहेल के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे बालीवुड अभिनेता सलमान खान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता सलमान खान को बड़े पर्दे पर देखने के लिए हमेशा उनके प्रशंसक उत्सुक रहते हैं, लेकिन सलमान खान के फैन्स की एक बहुत पुरानी ख्वाहिश है जो अभी तक पूरी नहीं हुई है। सलमान खान के फैन उन्हें उनके भाई अरबाज खान और सोहेल खान के साथ स्क्रीन शेयर करते देखना चाहते हैं। सलमान ने अपने दोनों भाइयों के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है, लेकिन कभी तीनों भाई किसी एक फिल्म में साथ नहीं आए हैं। सलमान ने अरबाज खान के साथ प्यार किया तो डरना क्या, गर्व और दबंग जैसी सुपर हिट फिल्में दी हैं, तो वहीं उन्होंने अपने छोटे भाई सोहेल के साथ मैंने प्यार क्यूं किया और वीर में स्क्रीन शेयर किया है, लेकिन अभी तक फैन्स इन तीनों ब्रदर्स को एक साथ नहीं देख पाए हैं। लेकिन, अब ऐसा कुछ हुआ है जिससे लगता है कि अब जल्द ही सलमान खान के फैन्स की सालों की ये ख्वाहिश पूरी होने वाली है। अरबाज खान ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में इस बात की तरफ इशारा किया है। इससे पहले सलमान खान अपने भाई अरबाज खान और सोहेल खान के साथ कॉफी विद करण और द कपिल शर्मा शो में शिरकत कर चुके हैं। इन तीनों की आपस की बॉन्डिंग कमाल की है। अरबाज खान ने पिछले दिनों कहा था कि तीनों खान ब्रदर्स का स्क्रीन शेयर करने का अवसर अब ज्यादा दूर नहीं है। उन्होंने बताया कि तीनों के साथ काम करने की बड़ी संभावना है और जब भी यह मौका आएगा, वे इसे हाथ से जाने नहीं देंगे। उन्होंने आगे बताया कि अभी वह तीनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन जल्द ही ऐसा मौका आएगा जब वह, सलमान और सोहेल किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगे।

'बिग बॉस 16': में नजर आएगें सनी और अर्जुन

'बिग बॉस 16' के आगामी सप्ताहांत एपिसोड में वरुण धवन, कृति सनोन, सनी लियोनी और अर्जुन बिजलानी जैसी हस्तियां अतिथि के रूप में दिखाई देंगी। सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले बिग बॉस-16 में सनी और अर्जुन सबसे पहले शो में शामिल होंगे क्योंकि वे युवा आधारित रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला' के अपने आगामी सीजन का प्रचार करेंगे। फिर वरुण और कृति अगले एपिसोड में अपनी आगामी कॉमेडी कॉमेडी 'भेड़िया' का प्रचार करते नजर आएंगे। गौरतलब है कि, 'बिग बॉस 16' में अर्चना गौतम को तड़के 3.00 बजे घर से बाहर निकलने का रास्ता दिखाया गया, जब उनका साथी हाउसमेट शिव ठाकरे से झगड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर कई सारे चर्चें हो रहे हैं। इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए सुंबुल तौकीर और प्रियंका चौधरी के साथ गौरी को नॉमिनेट किया गया था।

दीपिका का हाथ थामकर जीक्यू अवार्ड सेरेमनी में पहुंचे रणवीर, ब्रेकअप की खबरों पर लगा विराम

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को पॉवरफुल कपल कहा जाता है। दोनों जब भी साथ आते हैं, सबकी निगाहें उन पर टिक जाती हैं। हाल ही यह कपल जीक्यू अवॉर्ड सेरेमनी में साथ-साथ पहुंचा। रेड कार्पेट पर दीपिका जहां शांत दिखाई दीं, वहीं रणवीर हमेशा की तरह एनर्जी से भरे नजर आए। कार्यक्रम में एक साथ आकर उन्होंने ब्रेकअप की खबरों पर विराम लगा दिया। पिछले कुछ से मीडिया में खबरें चल रही हैं कि उनके संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं और अब उन्होंने संबंध तोड़ने का निर्णय लिया है। अवॉर्ड सेरेमनी के लिए रणवीर ने ब्लैक फंकी सूट पहना था। एनर्जी से भरपूर रणवीर अवॉर्ड सेरेमनी में दीपिका का हाथ पकड़कर पहुंचे। वे उनका हाथ थामकर आए, जिस पर हमेशा की तरह दीपिका मुस्कुरा दीं। इसके बाद रणवीर ने दीपिका की आंखों में देखा और फिर पैपराजी को पोज दिया। रणवीर सिंह का स्टाइलिश अंदाज तो हमेशा ही लोगों का ध्यान खींचता है, लेकिन दीपिका भी गजह ढा रही थीं। दीपिका ने अवॉर्ड सेरेमनी के लिए रेड सूट कैरी किया। इस आउटफिट को उन्होंने लिटिल ट्विस्ट के साथ कैरी किया, जिसमें उनका कॉन्फि-डेंस साफ झलक रहा था। ओवरसाइज्ड ब्लेजर के साथ उन्होंने सभी को अपनी तरफ अट्रैक्ट किया। रणवीर ने ग्रीन टी शर्ट के साथ ब्लैक ब्लेजर कैरी किया था। इसके साथ उन्होंने जो ट्राउजर पहना था उस रेड व्हाइट ड्रेगन बना हुआ था। वहीं, अपने लुक को उन्होंने सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड नेक चोकर के साथ स्टाइलिश बनाया था।

पुरानी यादे ताजा करेंगे मिथुन और पदमिनी

बालीवुड की 33 साल पुरानी फिल्म प्यार झुकता नहीं की यादें ताजा करने के लिए अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती और पद्मिनी कोल्हापुरे 'सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स' के सेट पर एक साथ आ रहे हैं। यह यादगार फिल्म 1985 में बनी थी। दोनों ही कुछ मजेदार पलों को साझा करते हुए और एक साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे। वहीं प्रतियोगियों ने फिल्म के कुछ हिट ट्रैक जैसे 'प्यार झुकता नहीं' गाया, जो वर्ष 1985 की एक ब्लॉकबस्टर फिल्म थी।शो में पद्मिनी मिथुन को सुपरस्टार कहती हैं, "आप सुपरस्टार हैं।" दूसरी ओर, मिथुन कहते हैं, "झूठ बोल रही है। पहले दिन से लाइन मार रहा हूं भाव नहीं दिया अभी तक। " 'सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स' को नीति मोहन, शंकर महादेवन और अनु मलिक जज कर रहे हैं। यह जी टीवी पर प्रसारित होता है। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे, डैनी डेन्जोंगपा, अस-रानी और बिंदु शामिल हैं।

फीफा विश्व कप 2022 में नजर आएगी नोरा

बालीवुड अभिनेत्री-ड्रांसर नोरा फतेही फीफा विश्व कप 2022 के लिए फुटबॉल एंथम 'लाइट द स्काई' के लिए अंतर्राष्ट्रीय रैपर निकी मिनाज के साथ सहयोग करेंगी। विश्व स्तर पर सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूनार्मेंटों में से एक में भारत का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। नोरा इस महीने फीफा विश्व कप में भी लाइव प्रस्तुति देंगी जिससे वह इस आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र अभिनेत्री बन गई हैं। इस मार्की इवेंट में अभिनेत्री के हिंदी में गाने की उम्मीद है। बता दें कि जेनिफर लोपेज और शकीरा की तर्ज पर वैश्विक सनसनी ने पहले आधिकारिक कतर विश्व कप गाने में आई थी जिसका प्रीमियर 7 अक्टूबर को यूट्यूब पर हुआ था।

आलिया-रणबीर अपनी बच्ची को ले आए 'वास्तु'

एक्ट्रस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बच्ची को अपने घर 'वास्तु' ले आए हैं। डिलेवरी के बाद आलिया को अस्पताल से छुटटी मिल गई। जब वह अपनी बच्ची को घर ला रहे थे, इस दौरान आलिया ने कालें रंग के कपड़े पहने हुए थे। दोनों कलाकारों को गाड़ी में साथ देखा गया 6 नवंबर को अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली आलिया ने इंस्टाग्राम पर अपने और रणबीर के संयुक्त नोट में अपने पहले बच्चे के जन्म की घोषणा की थी। इसमें लिखा था, "और हमारे जीवन की सबसे अच्छी खबर में, हमारा बच्चा यहाँ है, यह बहुत जादूई लड़की है। हम बहुत खुश हैं, प्यार, प्यार, प्यार। आलिया और रणबीर।"

'हेरा फेरी 3 ' में कार्तिक इन अक्षय आउट, ट्विटर पर मचा बवाल

काफी दिनों से सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की फिल्म हेरा फेरी के तीसरे पार्ट को लेकर चर्चा थी। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इन्तजार कर रहे थे। लेकिन इसी बीच फिल्म को लेकर एक लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। कहा जा रहा है कि हेरा फेरी के तीसरे पार्ट में फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि परेश रावल कर चुके हैं। दरअसल, शुक्रवार को परेश रावल से एक फैन ने ट्वीट कर सवाल पूछा था कि क्या कार्तिक आर्यन हेरा फेरी 3 का हिस्सा होंगे? इस पर जवाब देते हुए परेश रावल ने कहा था कि हां यह सच है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय कुमार फिल्म की स्क्रिप्ट से खुश नहीं थे। मेकर्स के साथ कई बार बैठक करने के बाद भी बात नहीं बनी, तो उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। वहीं, अब राजू यानी हेरा फेरी के अक्षय कुमार के फैंस ट्विटर पर अपना नाराजगी का इजहार कर रहे हैं और उनका कहना है कि अक्षय नहीं तो फिल्म नहीं। ट्विटर पर हैशटैग अक्षय कुमार नो अक्षय नो हेरा फेरी 3 ट्रेंड हो रहा है। एक यूजर ने लिखा, अगर परेश रावल हेरा फेरी का दिल हैं तो, अक्षय कुमार आत्मा है। एक अन्य ने लिखा, जब कोई कहता है कि उन्होंने हेरा फेरी में अक्षय कुमार को कार्तिक आर्यन को रिप्लेस कर दिया तो मेरा रिएक्शन ऐसा है कि अक्षय कुमार नहीं तो हेरी फेरी 3 नहीं। गौरतलब है कि साल 2000 में आई 'हेरा फेरी' फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी ने धमाल मचा दिया था। इस फिल्म का दूसरा सीक्वल 2006 में आया था और अब इसकी तीसरी किश्त का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। लेकिन अब फिल्म के तीसरे पार्ट में अक्षय के न होने की खबर से फैंस नाराज है।

सूडोकु नवताल- 6250

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6249 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्दजाल - 6997

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

शब्दजाल में 'रा' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

राजतंत्र,राजनीति,राजधानी,राजमहल, रामचंद्र,राक्षस,राहगीर,राज्यपाल,रावण, राशन

शब्दजाल - 6996 का हल

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ला	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5950

5		2	4	1		
	33		23		33	6
3	7	6			4	5
	42		29		25	
		5		3	2	1
6	37	7	38		33	
	2		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5949 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	30	7	31	4	34	2
1	5	4	3	2	7	6
5	28	6	31	6	39	3
4	2	1	6	3	5	7
3	30	5	32	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

चोटिल लियोनल मेसी और एंजेल डी मारिया अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में, डाइबाला भी चुने गए

नई दिल्ली।

दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी विश्व कप जीतने के अपने सपने को पूरा करने के लिए कतर में अंतिम बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। पिछले कुछ समय से चोट से परेशान रहने वाले अर्जेंटीना के कप्तान मेसी को विश्व कप टीम में चुना गया था। लगातार 35 मैचों में नहीं हारने वाली यह टीम इस बार विश्व कप जीतने के दावेदारों में शामिल है। मेसी के साथ-साथ चोट से जूझने वाले स्टार खिलाड़ी एंजेल डी मारिया और पाउलो डाइबाला को भी चुना गया है। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कोलानी ने शुक्रवार (11 नवंबर) को 26 सदस्यीय टीम का एलान किया है। कतर में 20 नवंबर से 18 दिसंबर तक टूर्नामेंट का आयोजन होगा। मेसी टीम की कप्तानी भी इस विश्व कप में करेंगे। डाइबाला ने अक्तूबर की शुरुआत से अपने क्लब एएस रोमा के लिए नहीं खेला है, लेकिन उन्हें टीम में नामित किया गया है क्योंकि अर्जेंटीना को उम्मीद है कि वह 22 नवंबर को ग्रुप सी में सऊदी अरब के खिलाफ मैच से पहले फिट हो जाएंगे। 35 साल के मेसी अपना पांचवां विश्व कप खेलेंगे। उनकी टीम में एंजेल डी मारिया और निकोलस ओटामेंडी जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वहीं, कई युवा स्टार हैं जो टीम को जीत दिला सकते हैं। अर्जेंटीना की टीम ग्रुप सी में सऊदी अरब के अलावा मैक्सिको और पोलैंड के खिलाफ खेलेगी।

विश्व कप के लिए अर्जेंटीना की टीम (खिलाड़ी और उनके क्लब का नाम):

गोलकीपर: एमिलियानो मार्टिनेज (एस्टन विला), फ्रेंको अरमानी (रिवर प्लेट) और गेरोनिमो रूली (विलारियल)।

डिफेंडर: गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), जर्मन पेजेला (रियल बेटिस), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम हॉटस्पर), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), जुआन फोयथ (विलारियल), निकोलस टैगलियाफिको (ओलंपिक लियोनिस), मार्कोस एक्यूना (सेविला)।

मिडफील्डर: लिएंड्रो पेरेडेस (युवेंटस), गुइडो रोड्रिगेज (रियल बेटिस), एंजो फर्नांडीज (बेनफिका), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), एक्सेक्विएल पलासियोस (बायर लीवरकुसेन), एलेजांद्रो गोमेज (सेविला), एलेक्सिस मैक एलीस्टर (ब्राइटन)।

फॉरवर्ड: पाउलो डाइबाला (एएस रोमा), लियोनेल मेसी (पेरिस सेंट जर्मेन), एंजेल डी मारिया (युवेंटस), निकोलस गोंजालेज (फिओरेंटीना), जोकिन कोरिया (इंटर मिलान), लोटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान), जूलियन अल्वारेज (मैनचेस्टर सिटी)।

न्यूज ब्रीफ

अल्फिया खान ने जीता स्वर्ण, भारत के लिए महिलाओं में चौथा गोल्ड

नई दिल्ली। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला बॉक्सर्स का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की स्टार बॉक्सर अल्फिया खान ने 81+ किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। यह इस टूर्नामेंट में भारतीय महिलाओं को मिला चौथा स्वर्ण है। यह टूर्नामेंट जॉर्डन के अम्मान में खेला जा रहा है। फाइनल में जज ने विपक्षी खिलाड़ी जॉर्डन की इस्लाम हुसैली को पहले राउंड में डिस्क्वालिफाई कर दिया था। इसी के साथ उन्होंने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के कुल पदकों की संख्या सात पहुंचा दी। इससे पहले ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान की रुजमेतोवा सोखिबा को 5-0 से हरा दिया था। यह उनका इस टूर्नामेंट में पहला स्वर्ण पदक रहा। इससे पहले वह 2017 और 2021 में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य जीत चुकी हैं। वहीं, वर्ल्ड चैंपियनशिप की स्वीटी बूरा और परवीन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मिनाक्षी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 81 किलोग्राम भारवर्ग में स्वीटी ने फाइनल में कजाखस्तान की गुलसया येरजाहन को 5-0 से हराया। उन्होंने 2015 में इस टूर्नामेंट में रजत और 2016 में कांस्य पदक जीता था। वहीं, 63 किलोग्राम भारवर्ग में 22 साल की परवीन ने जापान की किटो माई को 5-0 से हरा दिया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह उनका पहला एशियन मेडल है। 52 किलोग्राम भारवर्ग में मिनाक्षी को जापान की किनोशिता रिंका ने 4-1 से हराया। इस तरह मिनाक्षी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुषों में शिव थापा उज्बेकिस्तान के रुसलान अब्दुल्लाएव से भिड़ेंगे। 2013 के एशियन चैंपियन थापा ने 2015 और 2019 में कांस्य पदक जीता था। वहीं, 2017 और 2021 में उन्होंने रजत पदक अपने नाम किया था। अगर वह इस टूर्नामेंट में मेडल जीतते हैं तो छह पदक जीतने वाले दुनिया के पहले बॉक्सर बन जाएंगे। भारत अब तक चार स्वर्ण समेत सात पदक जीत चुका है। यह फिलहाल 2005 के बाद इस टूर्नामेंट में टीम का दूसरा बेस्ट परफॉर्मेंस है। 2005 में भारत ने सात स्वर्ण अपने नाम किए थे।

रिव्यू मीटिंग करेगा बीसीसीआई : द्रविड़, रोहित और कोहली से होंगे सवाल; सिलेक्शन कमेटी से भी नाखुश बोर्ड

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी हिल गया है। टीम इंडिया की परफॉरमेंस से बीसीसीआई नाराज है। स्पोर्ट्स पोर्टल 'इनसाइड स्पोर्ट' के मुताबिक- बीसीसीआई जल्दी ही एक रिव्यू मीटिंग करने जा रहा है। इस मीटिंग में कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली को बुलाया जाएगा। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह इस मीटिंग में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन का रिव्यू करेंगे। बोर्ड के एक अफसर के मुताबिक- हम एक मीटिंग करने जा रहे हैं। सेमीफाइनल की इस हार से हम भी उबर नहीं पाए हैं। जाहिर तौर पर टीम में बदलाव की जरूरत है। रिव्यू में टीम की बात भी सुनना जरूरी है। इसके बिना किसी नतीजे तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसलिए रोहित, द्रविड़ और कोहली के इनपुट को सुनकर भविष्य की टी-20 स्क्वॉड की प्लानिंग की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- बीसीसीआई सिलेक्शन कमिटी की परफॉर्मेंस से भी नाखुश है। सिलेक्शन कमिटी के हेड पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा हैं।

एमएमए फाइटर रितु फोगाट ने सचिन छिकारा से की शादी, सात की जगह लिए आठ फेरे

नई दिल्ली। भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइटर रितु फोगाट ने हरियाणा के युवक सचिन छिकारा से शादी कर ली। दोनों शादी के बंधन में बंध गए। रितु ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। वह मशहूर पहलवान गीता और बबीता फोगाट की बहन हैं। रितु फोगाट लाल रंग के लहंगे में नजर आईं। वहीं, सचिन छिकारा ने शेरवारी पहन रख रखी है। रितु एमएमए में भारत की सबसे बड़ी स्टार हैं। उन्होंने देश में इस खेल को नई पहचान दिलाई है। रितु ने शुरुआत तो पहलवानी से की थी, लेकिन बाद में वह एमएमए फाइटर बन गईं। रितु को एमएमए में इंडियन टाइग्रेस कहा जाता है। उन्होंने शादी में भी इस बात को साबित किया। रितु और 28 साल के सचिन छिकारा ने सात की जगह आठ फेरे लिए। दोनों ने आठवां फेरा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देने के लिए लिया है।

चहल के कोच बोले-

उसे पहले मैच से खिलाना था : युजवेंद्र वर्ल्ड कप में एक्स-फैक्टर साबित होता

नई दिल्ली।

टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने उसे 10 विकेट से हराया। हार की कई वजहें हैं और इनका पोस्टमॉर्टम भी शुरू हो चुका है। एक सवाल प्लेइंग इलेवन में स्पिनर के सिलेक्शन का है।

हमारी वर्ल्ड कप स्क्वॉड में 3 स्पेशलिस्ट स्पिनर थे। रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल। टीम मैनेजमेंट ने अश्विन को हर मैच में खिलाया, जिन्हें किसी वक्त टी-20 फॉर्मेट के लिए फिट ही नहीं माना जाता था। चहल डगआउट से मैच देखते रहे। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के शादाब खान हों, या इंग्लैंड के आदिल रशीद, दोनों प्लेइंग इलेवन में न सिर्फ खेले बल्कि जबरदस्त कामयाब भी रहे। इनका प्रदर्शन हम ग्राफिक्स में भी देखेंगे।

बहरहाल, चहल को प्लेइंग इलेवन में मौका क्यों नहीं दिया गया और ये सवाल सिर्फ हम नहीं कर रहे, सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह ने भी टीवी कमेंट्री में इन बातों का जिक्र किया है। इन चुभते हुए सवालों के जवाब हमने चहल के कोच रणधीर सिंह से जानने की कोशिश की। क्या युजवेंद्र चहल को प्लेइंग इलेवन में जगह न देना, सही फैसला था क्योंकि बाकी टीमों ने लेग स्पिनर्स को खिलाया ये तो टीम मैनेजमेंट का फैसला है। वो वही डिसीजन लेता है जो टीम के हित में हो। टीम मैनेजमेंट बेस्ट कॉम्बिनेशन खिलाता है। जहां तक चहल की बात है तो ऑस्ट्रेलिया में ग्राउंड्स बड़े होते हैं। चहल बैटर्स को रीड करके फ्लाइट करता है। हो सकता है वो एक्स फैक्टर साबित होता। बाकी टीमों ने लेग स्पिनर्स को प्लेइंग इलेवन में खिलाया। मुझे लगता है कि चहल को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन फिर कहूंगा कि यह टीम मैनेजमेंट का फैसला होता है और वो बेस्ट पॉसिबल प्लेइंग इलेवन ही खिलाता है।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने आदिल रशीद को खिलाया और वो कामयाब रहे। क्या हमें चहल को प्लेइंग 11 में जगह नहीं देनी चाहिए थी देखिए, मैं पर्सनली ये मानता हूं कि उसे पहले ही मैच से खिलाना चाहिए था। चहल इंडिया का लीडिंग विकेट टेकर है। और यही बात सुनील गावस्कर, हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा जैसे बड़े प्लेयर्स कह रहे हैं कि चहल को खिलाना चाहिए था, लेकिन फिर वही बात है कि टीम मैनेजमेंट हालात को देखकर फैसले लेता है।

वर्ल्ड कप अगले साल भारत में होना है। उस वर्ल्ड कप के लिहाज से आप चहल के बारे में क्या सोचते हैं - अभी वर्ल्ड कप में एक साल बाकी है। करेंट फॉर्म की बात करें तो चहल बहुत अच्छा कर रहा है। वनडे में तो वैसे भी लॉन्ग स्पेल होते हैं और उसका रिकॉर्ड भी इस फॉर्मेट में अच्छा है। उम्मीद करते हैं कि वहां चहल को मौका मिलेगा और वो शानदार परफॉर्मेंस भी देगा।

सेमीफाइनल में हम डिफेंसिव नजर आए और इंग्लैंड अटैकिंग मोड पर था। आप क्या कहेंगे ये तो सिचुएशन पर डिपेंड करता है। पूरे टूर्नामेंट में हमारी ओपनिंग पार्टनरशिप सही नहीं हुई। जाहिर सी बात है कि जब ओपनिंग सही नहीं मिलती तो आपको डिफेंसिव होना ही पड़ता है। अगर इंग्लैंड की बात करें तो उनका कोई विकेट गिरा ही नहीं। इसलिए वो अटैकिंग खेलते रहे। ये तो नहीं हो सकता कि आपके विकेट भी गिरते रहें और आप अटैकिंग भी खेलते रहें। प्रेशर तो आता ही है। टीम बनाने में एक्सपेरिमेंट्स पर क्या कहेंगे हमने 30 प्लेयर्स आजमाए दीपक हुड्डा तक से ओपनिंग कराके देख ली टीम कॉम्बिनेशन के लिए एक्सपेरिमेंट्स बिल्कुल गलत नहीं हैं। अगर आप कॉम्बिनेशन नहीं आजमाएंगे, एक्सपेरिमेंट्स नहीं करेंगे तो यंग प्लेयर्स को मौका कैसे मिलेगा हां, ये जरूर है कि फिर नतीजे भी देखने पड़ते हैं। हमारी टीम तो इस बार भी करीब-करीब वही थी, जो पिछले वर्ल्ड कप में खेली थी। और जो नहीं खेले जैसे जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा, तो इसकी वजह उनका अनफिट होना था।

तो आपको लगता है कि ये एक्सपेरिमेंट्स सही साबित नहीं हुए - नहीं, ऐसा नहीं है। चहल पिछला वर्ल्ड कप नहीं खेला था। इसके पहले वो दुबई में अच्छा कर रहा था। पिछला वर्ल्ड कप भी वहीं खेला गया था, लेकिन चाहे कोई कप्तान हो या कोच, टीम कॉम्बिनेशन बनाने के लिए आपको एक्सपेरिमेंट्स तो करने ही पड़ेंगे। इसके बिना काम नहीं चल सकता। हां, ये जरूर है कि रिजल्ट्स भी मायने रखते हैं।

विराट-सूर्या प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में

बटलर समेत इंग्लैंड के 3 प्लेयर, पाकिस्तान के 2 खिलाड़ी भी नॉमिनेट

नई दिल्ली।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ऑस्ट्रेलिया में जारी टी-20 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के संभावित प्लेयर्स के नाम जारी कर दिए हैं। विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को इस लिस्ट में जगह मिली है। फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान के 2 और इंग्लैंड के 3 खिलाड़ी भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की लिस्ट में सेमीफाइनल खेलने वाली 4 में से 3 टीमों के खिलाड़ियों के नाम हैं। न्यूजीलैंड का कोई भी प्लेयर इस लिस्ट में जगह नहीं बना सका है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर के अलावा ओपनर एलेक्स हेल्स और ऑलराउंडर सैम करन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी लिस्ट में जगह मिली है।

टॉप टीमों के अलावा फर्स्ट राउंड से सुपर-12 स्टेज में क्वालिफाई करने वाली जिम्बाब्वे और श्रीलंका के भी एक-एक खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और टूर्नामेंट में 3 प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा भी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बन सकते हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए आईसीसी ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वोटिंग के लिए पोल जारी कर दिया है। इस पोल में फैंस 9 खिलाड़ियों में से किसी एक को वोट कर सकते हैं। फैंस वोट के अलावा टूर्नामेंट के ऑफिशियल कमेंटेटर प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को वोट देंगे। दोनों के वोट को मिलाकर जिस खिलाड़ी को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया जाएगा।

2021 का टी-20 वर्ल्ड कप यूएई में खेला गया था। 13 नवंबर को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। तब ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था। टूर्नामेंट के 7 मैचों में वॉर्नर ने 48.16 के एवरेज से 289 रन बनाए थे। अब तक टी-20 वर्ल्ड कप के 7 एडिशन खेले जा चुके हैं। 8वां एडिशन जारी है। भारत के विराट कोहली एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2 बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड जीता। उन्हें 2014 और 2016 में ये अवॉर्ड मिला था। दोनों ही बार भारत खिताब नहीं जीत सका था। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप का एकमात्र टाइटल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था।

ग्रेगर बार्कले फिर बने आईसीसी चेयरमैन: 2024 तक रहेंगे इस पद पर, जय शाह फाइनेंशियल कमेटी के हेड

दुबई।

ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को नया बॉस मिल गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के डायरेक्टर और वकील ग्रेगर बार्कले एक बार फिर आईसीसी के चेयरमैन बने हैं। शनिवार को उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। वे लगातार दूसरी बार इस पद के लिए चुने गए हैं। वहीं, बीसीसीआई के सचिव जय शाह आईसीसी फाइनेंशियल कमेटी के हेड बनाए गए हैं माना जा रहा था कि जिम्बाब्वे के तवेंगवा मुकुहलानी भी आईसीसी के चेयरमैन पद का चुनाव लड़ेंगे। लेकिन, उनके नाम वापस लेने के बाद इस पद की चयन प्रक्रिया निर्विरोध हो गई। बार्कले निर्विरोध चेयरमैन बन गए। वे अब अगले दो साल तक इस पद पर बने रहेंगे।

नवंबर में बने थे आईसीसी चेयरमैन

माना जा रहा था कि बार्कले चुनाव से पहले ही पद छोड़ देंगे। वे दूसरी बार इस पद के लिए नॉमिनेशन फाइल नहीं करेंगे। ऐसे में आईसीसी को नया चेयरमैन मिलता। लेकिन, बार्कले ने अपने कार्यकाल को बढ़ने का फैसला लिया। ऑकलैंड के कॉमर्सियल लॉयर बार्कले नवंबर 2020 में पहली बार आईसीसी चेयरमैन बने थे। वे न्यूजीलैंड क्रिकेट के चेयरमैन भी रहे। उन्हें 2015 वनडे वर्ल्ड कप के डायरेक्टर भी बनाया गया।

गांगुली के नाम की चर्चा

आईसीसी चेयरमैन बनने की रेस में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का नाम भी था, लेकिन बीसीसीआई चीफ के पद से हटने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस के लिए नामांकन नहीं भरा। बीसीसीआई चुनाव से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि गांगुल आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं। अब तक चार भारतीय प्रशासक इस पद पर रह चुके हैं। इनमें जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर शामिल हैं।

पाक मीडिया का दावा-सानिया मिर्जा और शोएब कानूनी मुद्दों को सुलझाने के बाद करेंगे तलाक की घोषणा

कराची।

भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक के बीच कुछ सही नहीं चल रहा है। दोनों के तलाक की खबरें इन दिनों चर्चाओं में हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट् में दावा किया जा रहा है कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और शोएब ने ही सानिया को धोखा दिया है। बताया जा रहा है कि शोएब का किसी और के साथ अफेयर चल रहा है।

अब पाकिस्तान स्थित एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक कानूनी जटिलताओं को सुलझाने के बाद तलाक की आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं। पाकिस्तान स्थित चैनल ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा- कई तरह के टीवी शो से कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और कानूनी जटिलताओं की वजह से शोएब और सानिया अफवाहों को संबोधित नहीं कर रहे हैं। शोएब और सानिया के पास कई अनुबंध हैं, जिन्हें उन्हें पूरा करना है।

दोनों के बीच अनबन की खबरें तब सामने आई थीं, जब सानिया ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक गहरे अर्थ वाला पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था- टूटे दिल वाले लोग कहां जाते हैं इसके बाद सानिया ने बेटे इजहान के साथ भी एक तस्वीर शेयर की थी और लिखा था- यह एक ऐसा पल है जो मुझे मुश्किल दिनों में भी हिम्मत देती है।

पाक मीडिया के मुताबिक, सानिया और शोएब ने बेटे इजहान को को पैरेंटिंग देने का फैसला लिया है। रिपोर्ट में भी यह कहा गया है कि उनके रिश्ते पहले भी कई बार तनावपूर्ण रहे हैं। तलाक की अफवाहों के बीच सानिया ने इंस्टाग्राम पर एक बगीचे में खींची गई अपनी एक सिंगल तस्वीर भी शेयर की है। हालांकि, शोएब मलिक के इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अब भी एथलीट और सुपरवुमन सानिया मिर्जा का पति का जिक्र है।

वर्ल्ड कप फाइनल पर बारिश का खतरा

रिजर्व-डे रखा...प्लेइंग टाइम भी बढ़ाया, फिर भी मैच नहीं हुआ तो इंग्लैंड-पाक ट्रॉफी शेयर करेंगे

मेलबर्न।

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला जाना है, लेकिन इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई वेदर फोरकास्ट डिपार्टमेंट के मुताबिक मेलबर्न में रविवार को 100प्रतिशत और रिजर्व डे सोमवार को 95प्रतिशत बारिश की आशंका है। हवा की रफ्तार भी 35 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा हो सकती है। ऐसे में आईसीसी ने शनिवार को नई प्लेइंग कंडीशन जारी की हैं। उसने रिजर्व-डे के एडिशनल प्लेइंग टाइम को 2 से 4 घंटे किया है। बहरहाल, अगर बारिश का अनुमान दोनों दिन सही साबित हुआ और फाइनल रद्द किया गया तो इंग्लैंड-पाकिस्तान को ट्रॉफी शेयर करनी होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो पाकिस्तान और इंग्लैंड जॉइंट विनर घोषित किए जाएंगे।

बारिश की वजह 'ला नीना' - टी-20 वर्ल्ड कप में ज्यादा बारिश की वजह है 'ला नीना'। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा बारिश होने की वजह मौसम विज्ञान ब्यूरो ने 'ला नीना' को बताया है। इसकी वजह से ही यहां इस साल औसत से ज्यादा बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग का मानना है कि प्रशांत महासागर के बीच में भूमध्यरेखीय क्षेत्र के आसपास समुद्र की सतह पर तापमान में कमी होने की वजह से ऐसा हो रहा है। इस साल मौसम चक्र में होने वाले बदलाव का असर यहां दिखने लगा है।

अगर रविवार को फाइनल नहीं हुआ तो क्या होगा - ग्रुप स्टेज में हर मुकाबले के लिए दोनों टीमों का कम से कम 5-5 ओवर खेलना तय था। नॉकआउट स्टेज में दोनों टीमों को कम से

कम 10-10 ओवर खेलना था। ध्यान रहे यह शर्तें बारिश होने की स्थिति के लिए थीं। इस टी-20 वर्ल्ड कप में कई मैच बारिश के कारण प्रभावित हुए। पहली कोशिश यह होगी कि रविवार, यानी फाइनल वाले दिन ही 20-20 ओवर की जगह 10-10 ओवर का ही सही, लेकिन मैच पूरा कराया जाए। अगर मैच रविवार को शुरू तो होता है, लेकिन पूरा नहीं होता तो अगले दिन (सोमवार रिजर्व डे) वहीं से शुरू होगा, जहां एक दिन पहले खेल रुका था। और आसानी से समझें तो टॉस होने के बाद मैच माना जाएगा। यानी टॉस होना जरूरी है। एक कंडीशन यह है कि रविवार को मैच ओवर कम होने के बाद भी शुरू नहीं हो पाता तो अगले दिन (रिजर्व डे सोमवार) पूरा मैच होगा। इसमें एक कंडीशन ये भी है कि ओरिजिनल मैच डे यानी रविवार को अगर मैच पूरा होने के हालात बनते हैं तो 30 मिनट एक्स्ट्रा दिए जा सकते हैं।

अगर रिजर्व डे को मैच वक्त पर शुरू होता है और बीच में रुकता है तो 2 घंटे एक्स्ट्रा दिए जा सकते हैं। अगर किसी भी हालत में मैच पूरा नहीं हो पाता है तो ट्रॉफी दोनों टीमों के बीच शेयर की जाएगी। 2002-2003 की चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत और श्रीलंका के साथ यही हुआ था। 2019 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल 2 दिन खेला गया था।

इस वर्ल्ड कप पर बारिश का साया रहा - इस वर्ल्ड कप के सुपर 12 स्टेज के 3 मैच मेलबर्न में बारिश के चलते रद्द हुए। ये थे- न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान, अफगानिस्तान और आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। इंग्लैंड और आयरलैंड का मैच भी बारिश से प्रभावित हुआ था, लेकिन यहां डकवर्थ लुइस के चलते आयरलैंड जीत गया था।

लंबे इंतेजार के बाद बिपाशा-करण सिंह के आंगन में आई *लाडली,*

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक गुड न्यूज सामने आई है। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के बाद बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर भी माता-पिता बन गए हैं। हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्री बिपाशा बसु ने शनिवार को बेटी को जन्म दिया है। बिपाशा 46 साल की उम्र में मां बनी हैं। बता दें कि बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर सिनेमा जगत के पावर कपल हैं और अब फैंस सोशल मीडिया पर दोनों को बधाई दे रहे हैं। बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अब तक सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट तो शेयर नहीं किया। लेकिन कपल की टीम की तरफ से यह जानकारी फैंस को दी गई है और बताया गया है कि बिपाशा और करण के घर नन्ही परी आई है, जिसके बाद से ही बिपाशा और करण को बधाई मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर फैंस कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि, अब हर कोई बिपाशा की नन्ही परी की एक झलक पाने का इंतजार कर रहा है। बिपाशा बसु ने कुछ समय पहले ही अपनी प्रेग्नेंसी का एलान सोशल मीडिया पर किया था। इस दौरान अभिनेत्री ने अपने पति करण सिंह ग्रोवर के साथ दो तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही थीं। इस पोस्ट के साथ बिपाशा ने कैप्शन में लिखा था, *एक नया टाइम, नया फेज...*एक नई रोशनी ने हमारी जिंदगी में एक नया शेड जोड़ दिया है। यह हमें पहले से भी ज्यादा कंप्लीट कर रहा है। हमने अपने जीवन की शुरुआत अलग-अलग की, फिर हम मिले और तभी से हम दोनों साथ हैं। सिर्फ दो लोगों के लिए यह बहुत ज्यादा प्यार है, जो थोड़ा अनफेयर लगता है। इसलिए अब हम जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं। बता दें कि बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अप्रैल 2016 में शादी की थी। दोनों पहली बार अपनी फिल्म *अलोन* के सेट पर मिले थे, जहां से दोनों के प्यार की शुरुआत हुई। दोनों ने 2015 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और एक साल बाद ही शादी के बंधन में बंध गए। दोनों की जोड़ी को फैंस भी पसंद करते हैं और अब वह शादी के छह साल बाद माता-पिता बन गए हैं।

जया बच्चन ने बताया अपना पीरियड एक्सपीरियंस

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा पिछले कुछ समय से अपने पॉडकास्ट को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। वह अपनी नानी जया बच्चन और मां छवेता बच्चन के साथ पॉडकास्ट करती हैं जिसका नाम है व्हट द हेल नव्या। इस दौरान नव्या कई मुद्दों के बारे में बात करती हैं। अब इस बार नव्या ने पीरिड्स को लेकर बात की। नव्या ने पहले अपनी मां से पहले पीरियड एक्सपीरियंस के बारे में पूछा। इस पर छवेता ने कहा कि मैं सिर्फ बेड पर लेटी रहती थी और चॉकलेट्स खाती थी। इसके साथ ही घर पर अकेले रहना पसंद है। इसके बाद नव्या ने अपनी नानी से बात की और उनका पीरियड एक्सपीरियंस पूछा स्पेशयली तब जब वह फिल्मों में काम करती थीं तो एक्ट्रेस ने तुरंत कहा कि बहुत ही खराब, अटपटा और कभी-कभी शर्मनाक होता था। जया ने आगे कहा कि जब हम आउटडोर शूट करते थे हमारे पास वैनिटी वैन नहीं होती थी। आपको झाड़ियों के पीछे कपड़े बदलते थे। आपको प्लास्टिक बैग्स लेकर जाना होता था ताकि आप उसमें सब डाल सकें और एक बास्केट अपने पास रखनी होती है। उसके बाद उस बास्केट को घर लेकर जाते थे और फिर फैंकते थे। जया, नव्या से कहती हैं कि सोचो कि हम 4-5 सैनिटरी टॉवल लेकर जाते थे। नव्या फिर बताती हैं कि कैसे लोग पीरियड्स को फनी तरीके से बोलते हैं। नव्या कहती हैं, लोग कहते हैं कि मुझे पी हो रहा है। इसका मतलब क्या है, आप पीरियड्स को पीरियड्स क्यों नहीं बोल सकते। छवेता भी इस बात को सुनकर हंसने लगती हैं। जया की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म की एंड का में नजर आए थीं। यह फिल्म साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जया का गेस्ट अपीयरेंस था।अब जया लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। वह फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखेंगी जिसमें रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र और शबाना आजमी अहम किरदार में हैं। फिल्म को करण जौहर डायरेक्ट कर रहे हैं।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए दही और जैतून का तेल मिलाकर बनाएं स्क्रब

चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने के लिए अधिकतर लोग तरह-तरह की क्रीम और फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा रोजाना के स्किन केयर को भी फॉलो करते हैं। ऐसे में हाथ-पैरों का क्या? चेहरे की सफाई के साथ ही हाथ और पैरों को भी साफ-सफाई की जरूरत होती है। कई लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं और ऐसे में उनके हाथ-पैरों का रंग चेहरे से मेल ही नहीं खाता है। अब इनकी केयर करने का मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप बड़े पार्लर में जाकर खूब सारे रुपयों को खर्च करें। जबकि आप घर पर भी दुल्हन सी दमकती त्वचा पा सकती हैं। यहां हम बता रहे हैं घर पर बॉडी पॉलिशिंग स्क्रब बनाने और लगाने का तरीका। जानिए- आप दो तरह से इसे बना सकते हैं। पहले तरीके के लिए आपको चाहिए दही, जैतून का तेल, चावल, बेसन, आटा और

नींबू। दोनों ही तरह से स्क्रब बनाने के लिए आपको ब्लेंडर की जरूरत होगी। इसके लिए सभी चीजों को ब्लेंडर में डालें और अच्छे से इसे पीस लें। किसी भी पैक या स्क्रब करने से पहले आपको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि एक ही बार में आपकी स्किन पूरी तरह से साफ नहीं होगी।

सर्दियों में खूबसूरत स्किन के लिए लगाएं घर के बने फेस पैक

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी कम हो जाती है, यही वजह है कि स्किन में ड्राईनेस होने लगती है। जिसकी वजह से चेहरा काफी डल दिखाई देता है। ऐसे में इस मौसम में स्किन की एक्सट्रा केयर करना काफी जरूरी है। अगर आप चाहती हैं कि इस मौसम में सभी तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं आपसे दूर रहें तो आपको बेहतरीन स्किन केयर को फॉलो करना चाहिए। यहां जानिए घर पर आसानी से बनने वाले कुछ फेस पैक्स के बारे में। ऑयली और मुंहासे वाली त्वचा के लिए आधा चम्मच शहद में एक अंडे का सफेद भाग और एक चम्मच दही मिलाएं। मुल्तानी मिट्टी डालें। मिलाकर पेस्ट बना लें और लगाएं। 20 मिनट बाद पानी से निकाल लें। स्किन के लिए पपीता

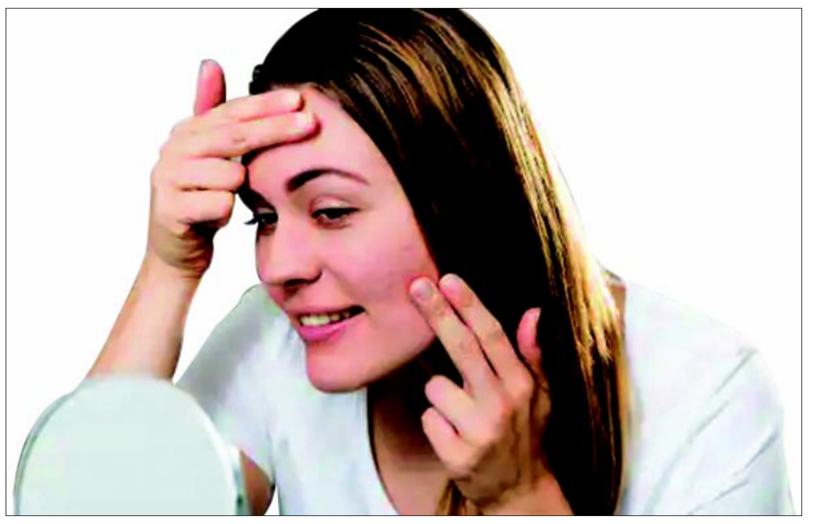

काफी फायदेमंद होता है। आपको बस इतना करना है कि पके पपीते का गूदा बनाएं और इसमें शहद को मिलाएं, फिर चेहरे पर लगाएं। पपीते से डेड सेल्स को नरम करके और उन्हें हटाने में मदद मिलती है, इसी के साथ ये चेहरे की सफाई के काम आता है। गाजर को कद्दूकस करें और इसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं। फिर इसे चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाएं। फिर पानी से धो लें। गाजर विटामिन ए से भरपूर होता है और सर्दियों में त्वचा की समस्याओं के लिए अच्छी होती है। एक पका हुआ एवोकैडो, एक चम्मच नारियल का तेल, दही और शहद के साथ मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर धोकर साफ करें।

सावधान! मंगल ग्रह चलेंगे उल्टी चाल

मंगल को पापी ग्रह कहते हैं। साथ ही इसे पराक्रम का प्रतीक भी मानते हैं। इसे

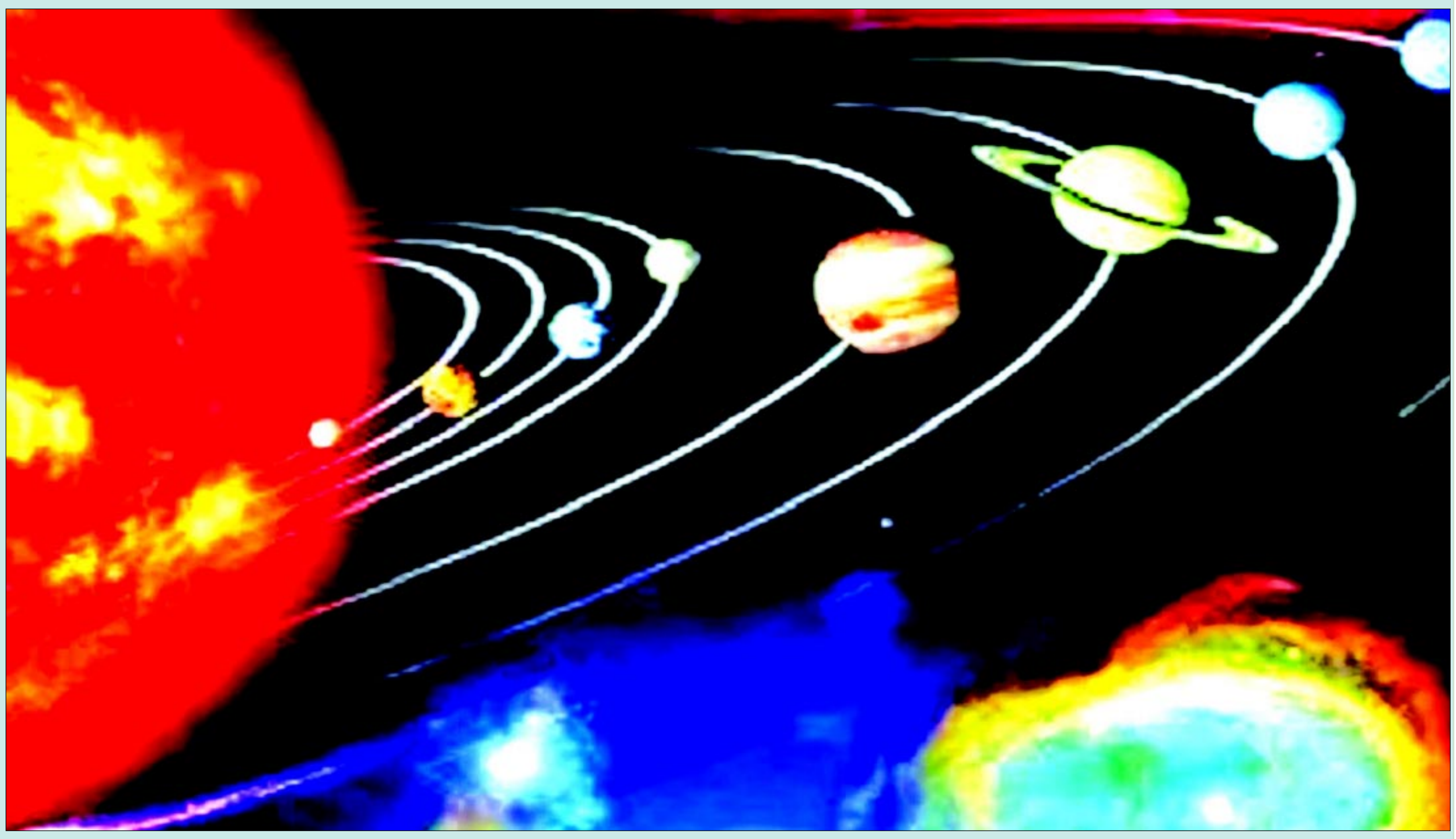

रक्तगौर रंग का माना जाता है। इसमें अग्नि तत्व की प्रधानता होती है। मंगल जब वक्री होते है राशि में स्थित ग्रह उल्टी दिशा में चलने लगता है। ग्रह का व्यवहार उग्र हो जाता है। ग्रह की इसी अवस्था को उल्टी दिशा में गति करने की स्थिति को वक्री कहा जाता है। मंगल वक्री हो जाता है तो मनुष्य के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मनुष्य बहुत ज्यादा वहम करने वाला, क्रोधी, उग्र और चिड़चिड़े स्वभाव का हो जाता है। मंगल वक्री होने पर व्यक्ति पर आलस्य हावी होने लगता है। वह अपने काम को अच्छी प्रकार से नहीं कर पाता है। साथ ही उसके जीवन में बुरा समय शुरू हो जाता है, क्यूंकि उसका खुद पर नियंत्रण नहीं रहता है। मंगल सैदव ही विजयी रहना पसंद करता है। मंगल के प्रभाव से जातक पुलिस अधिकारी, सिपाही, यांत्रिक, अभियंता, खिलाड़ी, पहलवान जैसा पद दिलाता है। मंगल ग्रह 13 नवंबर 2022 समय 01 बजकर 33 मिनट दिन रविवार को वृषभ राशि में गोचर करेंगे. यह 13 जनवरी 2023 की रात 11 बजकर 30 मिनट के बाद मार्गी होंगे। मंगल के मार्गी होने से कुंडली के बारह राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। **मेष**- इस राशि में मंगल दूसरे भाव में गोचर करेंगे। यह भाव से यह जानते है वाणी, धन, कुटुंब स्वाद का देखा जाता है। आंख के पास चोट लगेगा। आपकी बोलचाल ठीक रहेगा। लेकिन दूसरे को पसंद नहीं आएगा। खाने में तीखी पसंद आएगा। संतान को कष्ट रहेगा। गर्भवती महिला संभल कर रहे. अपने पर ख्याल रखे। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय है। रक्त संबंधित समस्या रहेगा। आर्थिक -स्थिति के लिए यह अनुकूल समय नहीं है। खर्च पर ध्यान दे। उर्जा बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। यात्रा का योग बनेगी। **वृषभ**- इस राशि में मंगल का गोचर लगन भाव में हो रहा है। इस भाव से शरीर, बल, आकर तथा रंग रूप देखा जाता है। इस भाव में मंगल के गोचर से क्रोध ज्यादा बढ़ जाएगा। माता का कष्ट रहेगा। प्रॉपर्टी में लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कुछ नए करने का भरपूर योग बन रहा है। विदेश व्यापार जो कर रहे है। उनको भरपूर लाभ मिलेगा। माता के साथ संबंध ठीक रहेगा। माता का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी से लेन देन नहीं करें. नए प्रेमिका मिल सकती है। वाहन चलाते समय ध्यान रखें। **मिथुन**- इस राशि में मंगल का गोचर बारहवें भाव में हो रहा है। यह भाव खर्च, हानी, जेलयात्रा, कोर्ट-कचहरी विदेश यात्रा इसी भाव से देखते है, इसमे मंगल के गोचर से भाई -बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। अपने शौक पर पूरा ध्यान रहेगा। धन खर्च ज्यादा होगा। स्वास्थ ठीक रहेगा। पुरानी बिमारी परेशानी करेगा। पत्नी के साथ उतार -चढ़ाव बना रहेगा। परिवार के मिलाकर रखे। घर के बुजुर्गो का प्यार बना रहेगा। रक्त संबंधित समस्या बनेगा। सोच -समझ कर निर्णय ले बेहतर होगा। **कर्क**- इस राशि में मंगल का गोचर एकादश भाव में गोचर कर रहे है। इस भाव से कमाई, सुख, इच्छा, बहु का विचार किया जाता है। भूमि भवन में लाभ देगा। इनकम टेक्स में बचत कराएगा। कुटुम्ब विवाद कराएगा। संतान को कष्ट देगा। शत्रु का नाश करेगा। सोची हुई कार्य पूर्ण होगा। तथा लाभकारी रहेगा। नौकरी में लाभ मिलेगा, साथ ही स्थान परिवर्तन का योग बन रहा है। आपके कार्य को सराहा जाएगा। सेना, इंजिनियरिंग जमीनी कार्य के क्षेत्र में काम कर रहे है। भरपूर लाभ मिलेगा। यह समय ठीक है। भरपुर लाभ ले। विद्यार्थियों के लिए उत्तम समय रहेगा। पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा। **सिह**- सिह राशि के दसवें घर में गोचर करेंगे। यह घर कर्म का है पिता का है। यह समय नौकरी, व्यापार करने वाले के लिए उत्तम रहेगा। भौतिक सुख-सुविधा भरपूर रहेगा। इंजीनियरिंग तथा जमीन, भवन खरीद विक्री करने वाले तथा डॉक्टर के लिए यह समय उत्तम रहेगा। यहां से चौथा दृष्टि लगन पर पड़ेगा। नए नौकरी के योग बनेगा। लेकिन गुस्सा पर नियंत्रण करें। स्वास्थ ठीक रहेग। माता का स्वास्थ थोड़ा बाधित रहेगा। नए वाहन तथा घर की खरीदारी कर सकते है। विद्यार्थियों के लिए थोड़ा मुश्किल समय रहेगा। मेहनत करना पड़ेगा। गर्भवती महिला थोड़ा सचेत रहे। **कन्या**- मंगल आपके नौवें भाव में गोचर करेंगे। यह घर धर्म, पिता भाग्य का घर है। जिसे यह गोचर बहुत उपयोगी समय है। धार्मिक यात्रा होगा। अचानक भाग्य उदय होगा। यहां से चौथी दृष्टि बारहवें घर पर है। जो व्याय भाव है। अचानक खर्च बढ़ जाएंगे। बिना मतलब का खर्च होंग। सातवी दृष्टि से मंगल भाई-बहन के साथ रिश्ता खुशहाल रहेगा। माता का स्वास्थ में कई उतार-चढ़ाव बना रहेगा। भूमि संबंधित कार्य में लाभ होगा। पारिवारिक सुख में कमी रहेग। **तुला**- तुला राशि को अष्टम भाव में गोचर करेंगे। स्वास्थ, दुर्घटना, आयु ,पर नजर बनी रहेगा। यह समय स्वास्थ को लेकर चुनौती बनी रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा। अचानक दुर्घटना होगी। वाहन सोच समझ कर चलाए। आपके निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होगा। स्वास्थ उतम नहीं रहेगा। दाम्पत्य जीवन में कई उतार चढ़ाव बना रहेगा। ससुराल पक्ष से अनबन बना रहेगा। चौथी दृष्टि एकादश भाव पर है, जिसे आर्थिक में कई बार उतार -चढ़ाव बने रहेगा। वाणी पर नियंत्रण कर के रखे. भाई -बहनों के साथ अनबन बनी रहेगी। अपने अधिकारी से बात चित करते समय कम बात करे। सोच -समझ कर बात करें। **वृश्चिक**- वृश्चिक राशि में मंगल सप्तम भाव में गोचर कर रहे है। यह भाव पत्नी , व्यापार, पेट संबंधित, साझेदारी के भाव है। इसी भाव में मंगल गोचर कर रहे है। जिसे पत्नी के साथ अनबन बना रहेगा। जिन लोगों का दाम्पत्य जीवन की कलह ज्यादा बन गया है। अपने आप पर नियंत्रण करें। कोर्ट कचहरी तक मामला जा सकता है। साझेदारी में कार्य कर रहे लाभ होगा। भूमि संबंधित कार्य में लाभ तथा ठेक्दारी में विशेष लाभ होगा। अपने स्वास्थ पर ध्यान दे। बाहरी खाना-पीना पर परहेज करे। कुटुंब के साथ विवाद होगा। यह गोचर समय संभल कर रहे। **धनु**- इस राशि के छठे भाव में गोचर कर रहे है। यह भाव रोग, शत्रु, कर्ज का भाव है। इस भाव में मंगल के गोचर से स्वास्थ ठीक रहेगा। पुराना रोग दुर होंगे। जिनको सुगर, पयल्स ब्लाड्प्रेसर है। अपने स्वास्थ पर ध्यान दे। यहां से चौथा दृष्टि नौवे भाव पर होगा। घर में धार्मिक कार्य होंगे। धार्मिक यात्रा बनेगी। छात्रों के लिए अनुकूल समय है। खर्चा बढ़ जाएगी। विदेश यात्रा तथा धन का विवाद बढ़ेगा। **मकर**- इस राशि में मंगल का गोचर पंचम भाव में गोचर कर रहे है। यह भाव शिक्षा, संतान, प्रेम संबंध का घर है। शिक्षा में ठीक- ठाक रहेंगे। संतति सुख में बाधा बनेगा। पारिवारिक कलह बना रहेगा। जो लोग जमीनी तथा डॉक्टर तथा रिसर्च के काम में है। उनके लिए उतम समय है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगे। कई प्रकार से लाभ देगा। मंगल की आठवी दृष्टि बारहवे घर पर होने के कारण अपव्य जयादा करवाएगा। यात्रा में खर्च बनेगा। जिमेदारी भरपुर बनी रहेगी। **कुम्भ**- इस राशि में मंगल चौथे भाव में गोचर कर रहे है। यह भाव माता का सुख, वाहन, प्रोपटी सुख का घर है। इस घर में मंगल का गोचर करने से भाई -बहन के साथ रिश्ता मधुर होगा। माता के स्वास्थ मे उतार चढ़ाव बना रहेगा। साथ ही काफी उग्र सव्भाव की हो जाएगी। आपका निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर करेगा। जिसे तकलीफ होगी। यहां से सप्तम तथा अष्टम की दृष्टि से पत्नी के साथ संबंध ठीक रहेगा। आय ठीक रहेगा। लेकिन खर्च बना रहेगा। नौकरी करने वाले के लिए उतम समय है। कार्य में बदलाव होंगे। **मीन**- इस राशि में मंगल तीसरे घर में गोचर करेंगे। यह भाव से कर्म, फल, भाई सुख, पराक्रम, साहस तथा यात्रा इसी भाव से मिलता है। इस भाव में मंगल के गोचर से. आपके शौक में ज्यादा रूचि आएगी। भाई के साथ संबंध ठीक रहेगा। तथा इनके सहयोग से प्रोपटी के काम में लाभ मिलेगाचौथी दिर्ष्टि से छठे भाव पर पड़ेगा। जिसे शत्रु का नाश होगा। पुरानी बीमारी दूर होगा। भाग्य का उदय होगा। जो लोग नौकरी खोज रहे है। उनको सफलता मिलेगा। धार्मिक कार्य में संलगन रहेगे। जो लोग डॉक्टर, इंजीनियरिंग ठेकदारी के कार्य कर रहे है, उनको विशेष लाभ मिलेगा।

5जी आने के बाद से टेक्नोलॉजी में बढ़ेगी प्रशिक्षित लोगों की जरूरत

टेलीकॉम सेक्टर और आईटी- मांस्टर एंप्लॉयमेंट इंडेक्स के अनुसार टेलीकॉम सेक्टर ने बीते महीनों में अच्छी ग्रोथ दर्ज की है और नियुक्तियों के नाते बाकी क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया है। 5जी तकनीक के आने के बाद से हेल्थकेयर, ऑटो, रिटेल, मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित लोगों की जरूरत बढ़ेगी। इसीलिए छात्र आईटी संस्थानों या ऑनलाइन मंचों से 5जी तकनीक से संबंधित छोटी अवधि के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम कर सकते हैं। वहीं, भले ही कुछ आईटी कंपनियों में लोगों की छंटनी की खबरें आ रही हैं, पर एसेंडियन जैसी आईटी कंपनी भी है, जो भारत में अगले 12 महीनों में इंजीनियरों की भर्ती करने का दावा कर रही है। दरअसल मंदी के बाद जब मांग में अचानक तेजी आएगी, तो उसके लिए भी तैयार होना समझदारी होगी। साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिजनेस एनालिटिक्स में अपस्किलिंग के शॉर्ट कोर्स कर सकते हैं। पायथन लैंग्वेज सीखें। फाइनेंस के क्षेत्र में एसक्यूएल लैंग्वेज की जानकारी काम देगी। कि एटिव वर्क में वेब डेवलपर, एनिमेशन ग्राफिक आर्टिस्ट के कोर्स काम दिलाएंगे। कोर्सेरा, अपग्रेड जैसे प्लेटफॉर्म और बड़े संस्थान ऐसे कोर्स कराते हैं। यहां पैरामेडिकल क्षेत्र के शॉर्ट टर्म कोर्स से अपस्किलिंग कर सकते हैं। जैसे मेडिकल कंटेंट राइटिंग, मेडिकल लैबोरेट्री टेक्निशियन, पब्लिक हेल्थ एजुकेशन और हेल्थ सैनिटाइजेशन से जुड़े शॉर्टटर्म कोर्स। ये छह महीने से एक साल की अवधि के हो सकते हैं और बारहवीं में जिनके पास पीसीबी या पीसीएम विषय थे, वे तो कर ही सकते हैं, किसी भी स्ट्रीम के लोग भी पैरामेडिकल शॉर्ट टर्मकोर्सेस के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभिन्न पैरामेडिकल, फार्मेसी और हेल्थ केयर से जुड़े प्रशिक्षण संस्थान ये आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र में इग्नू से कई सर्टिफिकेट कोर्सेस किए जा सकते हैं। कुकिंग, बेकिंग, फूड साइंस टेक्नोलॉजी से संबंधित शॉर्ट टर्म कोर्स, कुलिनरी आर्ट के शॉर्ट टर्म कोर्सेस कर सकते हैं। आजकल क्लाउड किचन का भी ट्रेंड देखा जा रहा है। प्रोफेशनल शेफ से ट्रेनिंग लेकर आप क्लाउड किचन का काम शुरू कर सकते हैं। एजुकेशन सेक्टर में काउंसलिंग, गाइडेंस, पब्लिक स्पीकिंग एंड क्लाएंट सर्विसेज, टेलीमार्केटिंग, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स के शॉर्ट टर्म कोर्स काम आएंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**